भोपाल
रविवार, 19 जुलाई 2026
आषाढ़ मास शुक्ल पक्ष-5
वर्ष : 13, अंक : 108
पृष्ठ : 16 मूल्य : 4.00 **

मौसम
अधि. 31
न्यून. 25

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

भारत दुनिया का ऐसी तकनीक वाला तीसरा ऐसा देश बना

तेज गति से अपने गंतव्य की ओर बढ़ते हुए विक्रम-1

सलकनपुर मंदिर ट्रस्ट विवाद

ट्रस्टियों की निजी संपत्ति की भी जांच कराई जाए, सरकारी प्रशासक नियुक्त हो

पूर्व मंत्री पटेल बोले-तत्काल भंग हो ट्रस्ट सीबीआई करे 'वित्तीय गड़बड़ियों' की जांच

आज तक मंदिर की आय-व्यय का कोई स्पष्ट सार्वजनिक रिकॉर्ड सामने नहीं रखा गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सीहोर

प्रसिद्ध धार्मिक स्थल सलकनपुर स्थित बिजासन देवी मंदिर ट्रस्ट की कार्यप्रणाली और वित्तीय पारदर्शिता को लेकर उठा विवाद अब पूरी तरह राजनीतिक रंग ले चुका है। ट्रस्ट में लंबे समय से एक ही नेतृत्व और वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों के बीच पूर्व मंत्री राजकुमार पटेल ने एक बड़ा ▶▶ शेष पेज 6 पर

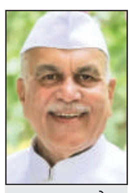

राजकुमार पटेल

लगातार सवाल उठ रहे

पटेल ने कहा कि यहां वर्षों से पारदर्शिता का पूरी तरह अभाव है। मंदिर में आने वाले करोड़ों रुपए के चढ़ावे और उसकी विशाल संपत्तियों के प्रबंधन को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं, लेकिन आज तक मंदिर की आय-व्यय का कोई स्पष्ट सार्वजनिक रिकॉर्ड सामने नहीं रखा गया। पटेल ने कहा कि ट्रस्ट के सभी वर्तमान ▶▶ शेष पेज 6 पर

महाकाल मंदिर में पारदर्शिता के लिए बड़ा कदम

15 लाख की कैरेट मीटर मशीन से होगी सोने व चांदी की जांच

उज्जैन। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में दान मिलने वाले सोने-चांदी के आभूषणों की जांच अब पूरी तरह पारदर्शी होगी। मंदिर प्रबंध समिति ने बहुमूल्य धातुओं की शुद्धता और कैरेट का सटीक पता लगाने के लिए अत्याधुनिक एक्स-रे फ्लोरेसेंस मशीन मंगवाई है। मंदिर की उप प्रशासक व डिप्टी कलेक्टर सिम्मी यादव ने बताया कि सीएसआर फंड से करीब 15 लाख रुपए की लागत से यह मशीन महाराष्ट्र से बुलाई गई है, जिसका संचालन सोमवार से शुरू होगा। ▶▶ शेष पेज 6 पर

स्काईरूट एयरोस्पेस कंपनी ने पहली ही कोशिश में अंतरिक्ष में जमाई 'जड़ें'

पहला प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 लॉन्च, पीएम मोदी बोले-अंतरिक्ष में भी वंदेमातरम

2 दोस्तों ने इसरो छोड़कर बनाई थी यह कंपनी

पवन कुमार चंदना और नागा भरत डाका

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

हैदराबाद की स्काईरूट एयरोस्पेस ने शनिवार 18 जुलाई को भारत का पहला प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 लॉन्च किया। यह टेस्ट पहले ही प्रयास में कामयाब रहा। जब कोई रॉकेट पृथ्वी के चारों ओर लगातार चक्कर लगाने लायक स्पीड हासिल कर लेता है, तो वह ऑर्बिटल रॉकेट कहलाता है। यह स्पीड लगभग 28,000 किमी/घंटा या 7.8 किमी/सेकंड होती है। विक्रम-1 को स्काईरूट एयरोस्पेस ने तैयार किया और लॉन्चिंग ▶▶ शेष पेज 6 पर

पीएम मोदी ने टीम को दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्काईरूट एयरोस्पेस के सीईओ पवन कुमार चंदना को फोन कर बधाई दी। इस रॉकेट के साथ पीएम मोदी का भेजा वंदे मातरम का संदेश भी अंतरिक्ष में स्थापित हुआ है। बातचीत के दौरान पीएम ने इसका कारण बताते हुए कहा कि देश वंदे भारत की 150वीं वर्षगांठ मना रहा है। साथ ही, वंदे मातरम ने हमेशा युवाओं को प्रेरणा दी है और आज का भारत इसी भावना से आगे बढ़ रहा है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

पदयात्रा से पहले दिग्विजय ने सोशल मीडिया से बनाई दूरी

भोपाल। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह 20 अक्टूबर से उज्जैन के महाकाल मंदिर से अयोध्या तक करीब 1,000 किमी की पदयात्रा शुरू करने जा रहे हैं। इससे पहले उन्होंने सोशल मीडिया और अपने मोबाइल से दूरी बना ली है। स्पष्ट किया है कि यात्रा के दौरान वे किसी राजनीतिक मुद्दे पर प्रतिक्रिया नहीं देंगे।

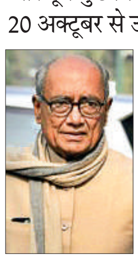

अब आमिर खान को बिश्नोई गैंग की धमकी

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान को भी जान से मारने की धमकी मिली है। वायरल एक पोस्ट और कथित ऑडियो क्लिप में खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ा बताने वाले शख्स ने आमिर की गौरी स्प्रैट के साथ तीसरी शादी पर आपत्ति जताई गई है। एक्टर पर लव जिहाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।

सड़क हादसे में दो युवकों की मौत, युवती गंभीर

भिंड। लहार नगर बायपास पर शनिवार दोपहर एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो और बाइक में आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत हो गई। जमुहा तिराहे के पास हुए इस भीषण हादसे में बाइक सवार दो युवकों अभिषेक यादव (19 वर्ष) और उप्र निवासी राज यादव की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में राज की 18 वर्षीय सगी बहन प्रिंसी यादव गंभीर रूप से घायल हो गई है।

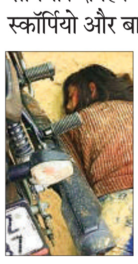

कैबिनेट की आठवीं बैठक आज भोपाल से सटे जगदीशपुर में

समान नागरिक संहिता सहित कुल 14 विधेयकों को मिलेगी 'मंजूरी'

कैबिनेट व विधानसभा सत्र की तैयारियों को लेकर बैठक की

भोपाल के साथ ही अब तक जबलपुर, दमोह, खरगोन, नर्मदापुरम, छतरपुर और बड़वानी जिलों में कैबिनेट की बैठकें हो चुकी हैं

यहां होगी कैबिनेट बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भोपाल के नजदीक जगदीशपुर के पुरातात्विक धरोहर स्थल में होने वाली कैबिनेट की बैठक में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) समेत कुल 14 विधेयकों को मंजूरी मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कैबिनेट व विधानसभा सत्र की तैयारियों को लेकर शनिवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में एक उच्च स्तरीय बैठक ली।

बैठक में उन्होंने कैबिनेट की बैठक में अनुमोदन के लिए लाए जाने वाले विधेयक प्रस्तावों की विस्तार से जानकारी प्राप्त की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) नीरज मंडलोई, ▶▶ शेष पेज 6 पर

मुख्यमंत्री ने विधेयक प्रस्तावों पर विस्तार से जानकारी ली और दिशा-निर्देश दिए

समीक्षा बैठक में सीएम मंत्रियों के साथ

पैतृक संपत्ति में महिला और पुरुष को समान अधिकार होगा

जनजातीय समाज को यूसीसी से छूट दी गई

सरकार की कोशिश यूसीसी विधेयक का ज्यादा से ज्यादा प्रचार-प्रसार करना

मप्र सरकार विधानसभा के मानसून सत्र में कुछ 14 विधेयकों को पारित कराने जा रही है। इसमें सबसे महत्वपूर्ण समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक 2026 है। इस विधेयक के पारित होने के बाद मप्र देश उन राज्यों में शामिल हो जाएगा, जहां समान नागरिक संहिता लागू है। इस मप्र समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक, 2026 में प्रमुख रूप से विवाह, तलाक, गोद लेने और उत्तराधिकार के लिए सभी धर्मों के लिए एक समान कानून होगा। लिव-इन में रहने वाले दंपत्ती का ▶▶ शेष पेज 6 पर

जगदीशपुर प्राचीन धरोहर होने से पर्यटन क्षेत्र के रूप में हो सकेगा विकसित

जगदीशपुर में कैबिनेट की बैठक रखने का मुख्य उद्देश्य प्राचीन धरोहर को देखने समझने का भी यह एक अवसर है। प्रदेश की पुरा संपदा के प्रति आमजन की जानकारी में भी वृद्धि होती है और ऐसे स्थलों का महत्व भी बढ़ता है। महेश्वर, सिंग्रामपुर और इंदौर का राजवाड़ा ऐसे ही स्थान हैं जहां कैबिनेट बैठक हुई और इन स्थानों के प्रति जनता ▶▶ शेष पेज 6 पर

प्रमुख रूप से इन 14 विधेयकों को मिलेगी मंजूरी

- मप्र उपकर (संशोधन) विधेयक -2026
- मप्र समान नागरिक संहिता (संशोधन) विधेयक-2026
- मप्र समान नागरिक संहिता विधेयक- 2026
- मप्र राजमार्ग (संशोधन) विधेयक- 2026
- मप्र निरसन विधेयक- 2026
- मप्र अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा विधेयक-2026
- निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) संशोधन विधेयक- 2026
- मप्र आयुर्विज्ञान विवि (संशोधन) विधेयक- 2026
- मप्र वैट संशोधन विधेयक - 2026
- मप्र माल एवं सेवाकर संशोधन विधेयक-2026
- मप्र कार्य स्थन सशक्तिकरण संहिता (श्रम शक्ति संहिता)-2026
- मप्र ईज ऑफ डूईंग बिजनेस एक्ट-2026
- मप्र धनवंतरी विवि विधेयक-2026
- मप्र पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज संशोधन विधेयक-2026

अहमदाबाद में बड़ा हादसा

अवैध पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट... 8 की मौत

लाइसेंस रद्द होने के बाद भी चल रहा था कारखाना

हादसे के बाद आरएएफ के जवान राहत व बचाव कार्य में जुटे

एजेंसी ▶▶ अहमदाबाद

यहां शनिवार दोपहर एक बड़ा हादसा हो गया। यहां के वस्त्राल क्षेत्र में रामोल-गतराद रोड पर स्थित टैलेंट फायरवर्क्स पटाखा फैक्ट्री में अज्ञात कारणों से अचानक भीषण आग लग गई। पटाखों के कारण हुए जोरदार धमाके की चपेट में आने से 8 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 15 से अधिक लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं। घटना की सूचना मिलते ही अहमदाबाद के महापौर हितेश बारोट और मनपा आयुक्त बच्छा निधि पानी प्रशासनिक ▶▶ शेष पेज 6 पर

भोपाल-देवास फोरलेन टोल केस

वाहन मालिकों को कंपनी 11 करोड़ रुपए रिफंड दे

फास्टैग के जरिए अतिरिक्त टोल वसूली को बताया अवैध

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जबलपुर

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने वाहन मालिकों के हक में एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए भोपाल-देवास फोरलेन पर फास्टैग के जरिए की गई अतिरिक्त टोल वसूली को अवैध करार दिया है। एक्टिंग चीफ जस्टिस विवेक रूसिया और जस्टिस प्रदीप मित्तल की डिवीजन बेंच ने देवास-भोपाल कॉरिडोर प्राइवेट लिमिटेड को 11 करोड़ की भारी-भरकम राशि वाहन मालिकों को लौटाने के निर्देश दिए हैं। दरअसल, मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम (एमपीआरडीसी) ने मई 2025 में कंपनी को अतिरिक्त ▶▶ शेष पेज 6 पर

कथित शिव अवतार भोंदू बाबा पर शिकंजा

चार्जशीट दाखिल और 36.90 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त

अशोक कुमार खरात

पीएमएलए कोर्ट में चार्जशीट दाखिल

एजेंसी ▶▶ मुंबई

खुद को भगवान शिव का अवतार बताकर लोगों से करोड़ों रुपए की ठगी करने वाले कथित बाबा अशोक कुमार एकनाथ खरात (भोंदू बाबा) के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सख्त कानूनी कार्रवाई की है। जांच एजेंसी ने 17 जुलाई को मुंबई की विशेष पीएमएलए कोर्ट में इस मामले में चार्जशीट दाखिल कर दी है। इस चार्जशीट में अशोक खरात, उसकी पत्नी कल्पना और चार अन्य सहयोगियों को आरोपी बनाया गया है। अब तक कुल 36.90 करोड़ की संपत्ति कुर्क, जब्त या ▶▶ शेष पेज 6 पर

दावा : सिर्फ पानी और नमक लेकर अपना अनशन जारी रखे हुए

20 दिन से 'अनशन' कर रहे सोनम वांगचुक को पुलिस चादरों से ढककर ले गई अस्पताल

राहुल गांधी व अन्ना हजारे ने सरकार को घेरा

नई दिल्ली। जंतर-मंतर पर पिछले 20 दिनों से अनशन पर बैठे लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को दिल्ली पुलिस ने शनिवार सुबह 7.40 बजे जबरन हिरासत में लेकर सफदरजंग अस्पताल में भर्ती करा दिया। वांगचुक की पत्नी गीतांजलि ने सफदरजंग अस्पताल की मेडिकल रिपोर्ट में पारदर्शिता की कमी का आरोप लगाते हुए उन्हें तुरंत डिस्चार्ज करने की मांग की है। उन्होंने दावा किया कि वांगचुक का पोटेशियम लेवल 4.3 था, जो अचानक 2.9 दिखाया जा रहा है। अस्पताल प्रशासन न तो परिजनों के सामने ब्लड सैंपल ले रहा है और न ही दूसरी लैब से जांच की अनुमति दे रहा ▶▶ शेष पेज 6 पर ▶▶ पढ़ें पेज 09 भी

72वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स का ऐलान

कार्तिक आर्यन-ममूटी बेस्ट एक्टर यामी को बेस्ट एक्ट्रेस का खिताब

राजकुमार राव स्टारर 'श्रीकांत' सर्वश्रेष्ठ हिंदी फीचर फिल्म

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

साल 2024 में रिलीज हुई फिल्मों के लिए प्रतिष्ठित 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की घोषणा कर दी गई है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने शनिवार को विजेताओं के नामों का ऐलान किया। इस साल राजकुमार राव स्टारर 'श्रीकांत' को सर्वश्रेष्ठ हिंदी फीचर फिल्म चुना गया है, जबकि यामी गौतम की 'आर्टिकल 370' ने बेस्ट फीचर फिल्म का खिताब अपने नाम किया है। कार्तिक आर्यन को उनकी फिल्म

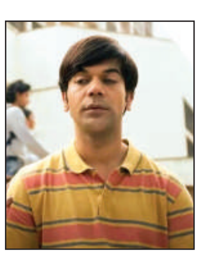

राजकुमार राव

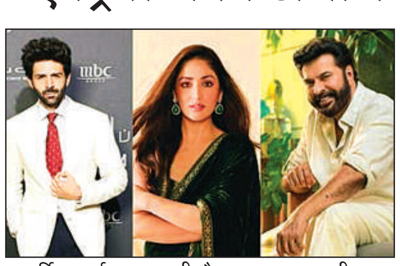

कार्तिक आर्यन | यामी गौतम | ममूटी

'चंदू चैंपियन' के लिए और साउथ सुपरस्टार ममूटी को फिल्म 'ब्रह्मायुगम' के लिए संयुक्त रूप से बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड दिया गया। यामी गौतम ने फिल्म 'आर्टिकल 370' में अपने दमदार अभिनय के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का नेशनल अवॉर्ड जीता। रणदीप हुड्डा को फिल्म 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' के लिए ▶▶ शेष पेज 6 पर

अभी तक पूर्वी मप्र भीगा... अब पश्चिमी हिस्से की बारी, इस सप्ताह ऐसी बारिश रहेगी जारी

भोपाल सहित 45 से अधिक शहर-गांव रिमझिम बारिश से भीगे, दो सकुर्लेशन गिराएंगे 'तेज पानी'

बारिश नहीं होने से लोगों में घबराहट, वे इसे सूखे की दस्तक मान रहे

- ▶▶ भोपाल में सुबह से शाम तक बदला रहा मौसम का मिजाज
- ▶▶ दोपहर बाद 4 बजे से पड़ी बौछारें, पारा 5 डिग्री तक गिरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी सहित अधिकांश हिस्सों में अब मौसम बदलना शुरू हो गया है। शनिवार को सुबह से शाम 5.30 बजे के बीच प्रदेश के करीब 45 से अधिक शहर और गांवों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज हुई।

भोपाल में सुबह से बादल छाए रहे, जो दोपहर 3 बजे के बाद से फुहारों में बरसते रहे। देर रात तक यह क्रम जारी रहा। इससे भोपाल में दिन का पारा बौछारों के बाद करीब 5 डिग्री तक गिर गया। यहां अधिकतम तापमान ▶▶ शेष पेज 6 पर

पहला : भोपाल में शाम को बारिश। दूसरा :गधों को गुलाब जामुन खिलाते हुए

आज यहां अलर्ट

रविवार तक भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, खरगौन, बड़वानी, ▶▶ शेष पेज 6 पर

तेज बारिश के लिए यह टोटका गधों को खिलाए 'गुलाब जामुन'

कई दिन से तेज बारिश नहीं होने पर कोलार रोड स्थित एक गेस्ट हाउस के पास कुछ लोगों ने गधों को गुलाब जामुन खिलाए। शनिवार सुबह 11 बजे कई लोग कोलार गेस्ट हाउस के पास जुटे और गधों को गुलाब जामुन खिलाने लगे। बताया गया कि यह वर्षों पुरानी यहां की लोक मान्यता और परंपरा का हिस्सा मानी जाती है। यहां के लोगों की मान्यता है कि समय पर बारिश न होने पर ऐसे प्रतीकात्मक उपायों से इंद्रदेव प्रसन्न होते हैं और अच्छी वर्षा होती है।

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

सब नागरिक समान सबको सम्मान

समानता और न्याय की भावना को समर्पित

मध्यप्रदेश मंत्रिपरिषद् बैठक

अध्यक्षता

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

19 जुलाई 2026

जगदीशपुर, जिला भोपाल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार सभी वर्गों के साथ संतुलन बनाते हुए समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। प्रदेश की जनहितैषी सरकार सभी वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

\- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

समान नागरिक संहिता

- सभी जाति, धर्म या वर्ग के नागरिकों के लिए एक समान कानून सुनिश्चित होंगे
- सभी पारंपरिक सांस्कृतिक विविधताएं, धार्मिक रीति-रिवाज पूरी तरह सुरक्षित होंगे
- विवाह, तलाक, भरणपोषण, उत्तराधिकार जैसे मामलों में अब सभी को एक समान कानूनी सुरक्षा मिलेगी
- जुबानी, एकतरफा और अनौपचारिक तलाक पूरी तरह गैर-कानूनी और दंडनीय होंगे
- बहुविवाह पर पूरी तरह रोक एवं विवाह और तलाक पर पंजीयन अनिवार्य होगा
- लिव-इन रिलेशनशिप का पंजीयन अनिवार्य
- माता-पिता की वैवाहिक स्थिति से परे सामान्य बच्चों की तरह जैविक, दत्तक, सेरोगेसी या एआरटी से जन्मे बच्चों को समान कानूनी मान्यता
- जनजातीय संस्कृति और जीवन शैली का सम्मान करते हुए प्रदेश की भील, गोंड, कोरकू, बैगा, सहरिया और भारिया जैसी जनजातियों पर यह कानून लागू नहीं होगा

D-11063/26

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी/2026

हरिभूमि
भोपाल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, रविवार 19 जुलाई 2026

12 रिमझिम बारिश की फुहारों के बीच जय...

16 भाव, भक्ति और नृत्य के साथ दिव्यता का अद्भुत...

ई-कैबिनेट बैठक के लिए चमन महल में लौटी रौनक, गांव को कर दिया चकाचक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शहर से लगे जगदीशपुर के चमन महल में रविवार को होने वाली ई-कैबिनेट बैठक को लेकर इंतजाम पूरे कर लिए गए हैं। यहां पर अलग-अलग कामों के लिए 36 अफसरों की ड्यूटी भी लगाई गई है, जिन्हें बैठक के दो घंटे पहले रीचैक करना पड़ेगा। आज रविवार सुबह दस बजे सीएम हाउस से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और मंत्रिमंडल के सदस्य बस से जगदीशपुर पहुंचेंगे, जहां कैबिनेट बैठक के बाद मंत्रिमंडल के सदस्य चमन महल, रानी महल और गौंड महल का भी भ्रमण करेंगे। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता रहेगी।

चमन महल, रानी महल और गौंड महल का भ्रमण होगा

अलग-अलग कामों के लिए 36 अफसरों की ड्यूटी लगी

बैठक के दो घंटे पहले अफसरों को निरीक्षण करना पड़ेगा

सुरक्षा इंतजामों के लिए साथ मुख्य सड़क को भी नया बनाया गया

एक दिन पहले संभाग कमिश्नर शर्मा और कलेक्टर मिश्रा ने जगदीशपुर में तैयारियों का जायजा लिया

आज सुबह दस बजे सीएम हाउस से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और मंत्रिमंडल के सदस्य बस से जगदीशपुर पहुंचेंगे, प्रस्तावों को देंगे मंजूरी

चमन महल की रौनक कर रही लोगों को आकर्षित, व्यवस्थाएं चाक-चौबंद

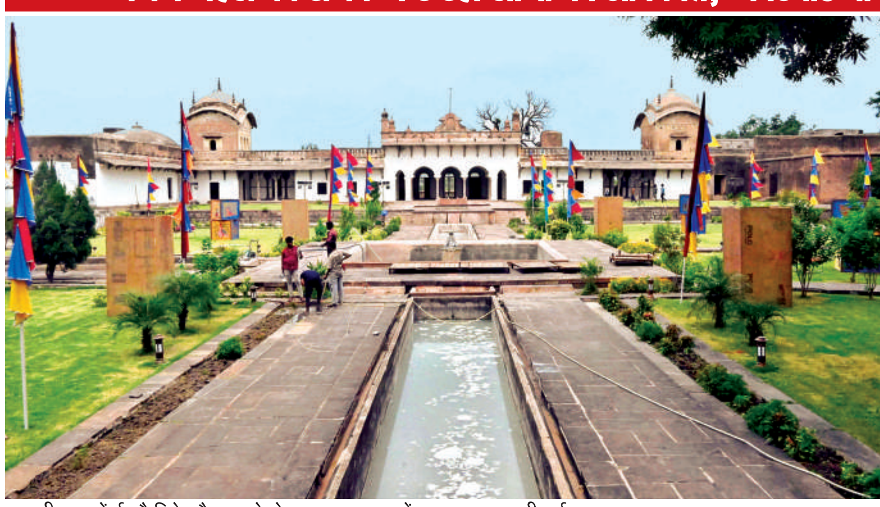

जगदीशपुर में ई-कैबिनेट बैठक को लेकर चमन महल में साज-सज्जा की गई।

शनिवार को संभाग कमिश्नर कर्मवीर शर्मा और कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने जगदीशपुर में तैयारियों का जायजा लिया। यहां पर सुरक्षा इंतजामों के लिए साथ मुख्य सड़क को भी नया बनाया गया है। जबकि गांव से कचरे के ढेर भी हटा दिए गए हैं। पंचायत भी रोजाना सुबह शाम सफाई करा रही है।

जगदीशपुर में होने वाली कैबिनेट में मुख्यमंत्री 10.54 लाख किसानों के खातों में 1460.25 करोड़ की राशि करेंगे अंतरित

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 19 जुलाई को भोपाल जिले के जगदीशपुर से 10.54 लाख किसानों के खातों में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की राशि 1460.25 करोड़ अंतरित करेंगे। इसी दिन जगदीशपुर में कैबिनेट की बैठक भी होगी। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के आरंभ वर्ष से वर्ष 2024-25 तक 30,942.34 करोड़ रुपए का भुगतान प्रभावित कृषकों को किया गया है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना भारत सरकार की एक महत्वाकांक्षी एवं महत्वपूर्ण योजना है। प्राकृतिक आपदाओं के कारण फसल क्षति होने पर कृषकों को बीमा दावा भुगतान कर उनके वित्तीय हितों की रक्षा करना ही इस योजना का प्रमुख उद्देश्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार अल-नीनो प्रभाव के कारण अच्छे मानसून का अनुमान नहीं है। ऐसी स्थिति में किसान भाई अपनी अधिसूचित फसलों का बीमा निर्धारित तिथि से पूर्व करवा लें, जिससे उपज में हानि होने पर वित्तीय सहायता प्राप्त हो सके।

चमन महल में टेंट बनाते कर्मचारी।

कमिश्नर और कलेक्टर ने व्यवस्थाएं देखीं।

21 दिन में फ्री मिलेगा जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र देरी पर लगेगी पेनल्टी

भोपाल। नगर निगम ने जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र को लेकर आम लोगों की सहुलियत को देखते हुए जानकारी आईएसबीटी स्थित जन्म-मृत्यु कार्यालय के बाहर चस्पा की है, जिसमें दस्तावेज, समयावधि और शुल्क की जानकारी दी गई है। आम लोग सीधे निगम के काउंटर से संपर्क कर सकते हैं। नगर निगम ने जन्म या मृत्यु की घटना के 21 दिन के अंदर जोन व वार्ड कार्यालय में सूचना देने पर प्रमाण पत्र निशुल्क जारी किया जाएगा। 22वें दिन से 30 दिन के भीतर देने पर 20 रुपए, 31वें दिन से एक वर्ष के भीतर देने पर 50 रुपए और एक वर्ष के बाद 100 रुपए शुल्क देना होगा। इसके अतिरिक्त रिकार्ड तलाशने पर 20 रुपए प्रति वर्ष, डुप्लीकेट प्रमाण पत्र पर 20 रुपए और हर वर्ष की देरी पर 250 रुपए की पेनाल्टी लगाई जाएगी। जन्म प्रमाण पत्र के लिए सूचना फार्म, आवेदक और माता-पिता का आधार कार्ड, अस्पताल का डिस्चार्ज टिकट, आंगनवाड़ी कार्ड और जन्म सूचना पत्र शामिल हैं। जबकि मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए मृतक और आवेदक का आधार कार्ड, अंतिम संस्कार प्रमाण पत्र, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अस्पताल या पार्षद का प्रमाण पत्र अनिवार्य होगा। रजिस्ट्रार जन्म-मृत्यु सत्यप्रकाश बड़गैया ने बताया कि जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र के संबंध में पूरी जानकारी आईएसबीटी स्थित दफ्तर के बाहर चस्पा की गई है। आम लोग निगम के काउंटर्स पर ही आवेदन जमा करें। इसके बाद उन्हें प्रमाण पत्र मिल जाएगा।

कटारा हिल्स स्थित पंडित दीनदयाल पार्क के पास स्मैक लेकर खरीद-बिक्री करते वक्त क्राइम ब्रांच ने दबोचा

पार्क में महिला समेत चार ड्रग तस्कर गिरफ्तार... 74.27 ग्राम स्मैक, कार, दो दोपहिया वाहन और 7 मोबाइल जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

क्राइम ब्रांच ने महिला ड्रग तस्कर और गिरोह से 74.27 ग्राम स्मैक जब्त किया है। इसी प्रकार एक विधि-विरुद्ध बालिका से 1.4 ग्राम एमडी जब्त की गई। इसके अलावा तस्करों से क्रमशः 501 ग्राम और 426 ग्राम गांजा जब्त किया गया है। आरोपियों से तस्करी में इस्तेमाल कार दो पहिया वाहन और 7 मोबाइल भी जब्त किए है।

क्राइम ब्रांच के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली कि तीन युवक और एक महिला पंडित दीनदयाल पार्क, कटारा हिल्स में स्मैक लेकर उसकी खरीद-बिक्री करने आने वाले हैं। सूचना के बाद क्राइम ब्रांच ने इलाके की घेराबंदी की। मुखबिर के बताए हुलिए के आधार पर पुलिस ने तीन युवक और एक महिला को एक्टिवा और कार के पास खड़े देखा। सभी को हिरासत में लिया गया। तलाशी लेने पर आरोपियों के पास से अलग-अलग मात्रा में भूरे रंग का पाउडरनुमा स्मैक बरामद किया गया। बरामद स्मैक 74.27 ग्राम है, जिसकी कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में लाखों रुपए बताई जा रही है। आरोपियों से तस्करी में इस्तेमाल कार एक्टिवा, बाइक और 7 मोबाइल जब्त किए है।

आरोपी तीन युवक और महिला एक्टिवा व कार के साथ खड़े थे

426 ग्राम गांजा जब्त, महिला सहित दो गिरफ्तार, नेटवर्क का खुलासा

भोपाल में एक ही दिन में गांजा तस्करी में पकड़े गए आरोपी। क्राइम ब्रांच तस्करों के नेटवर्क की तलाश में जुटी हुई है।

गिरोह भोपाल सहित आसपास के क्षेत्रों में स्मैक की बिक्री में सक्रिय था, राजस्थान से जुड़ रहे तस्करी के तार

नाम पूछने पर आरोपियों ने अपने नाम रितिक नामदेव पिता लखनलाल नामदेव (24) ईडब्ल्यूएस 19/108 गौरी शंकर आवासीय परिसर कटारा हिल्स, कौशल पिता तुलसीराम जाटव (21) गांव बर्रई, कटारा हिल्स, शाहरुख अंसारी पिता शहजाद अंसारी (23) चंपी मोहल्ला नरसिंहगढ़, हाल पता एलआईजी 11/605 गौरी शंकर आवासीय परिसर कटारा हिल्स, चंदा सिसोदिया पति स्व.गौतम सिसोदिया (28) गांव गुलखेड़ी, पचोर जिला राजगढ़, हाल पता एलआईजी 11/605 गौरी शंकर परिसर, नानूराम तंवर पिता भूरालाल (22) गांव कंवरपुरा, घाटोली जिला झालावाड़ राजस्थान, पप्पू लाल तंवर (20) ग्राम पाल खंदा, घाटोली, जिला झालावाड़ राजस्थान और देव सिंह तंवर (21) ग्राम पाल खंदा, घाटोली, जिला झालावाड़ राजस्थान बताया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने स्मैक की खरीद-फरोख्त और सप्लाई नेटवर्क से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्य बताए हैं। प्रारंभिक जांच में पता चला कि यह गिरोह भोपाल सहित आसपास के क्षेत्रों में स्मैक की अवैध आपूर्ति और बिक्री में सक्रिय था। इसके तार अन्य जिलों एवं पड़ोसी राज्य राजस्थान तक जुड़े हुए हैं। क्राइम ब्रांच आरोपियों के मोबाइल और डिजिटल साक्ष्य जुटा रही है। जिससे इस पूरे नेटवर्क में शामिल अन्य तस्करों एवं खरीदारों की पहचान की जा सके।

हबीबगंज नाका के पास गांजा तस्कर गिरफ्तार

क्राइम ब्रांच की टीम ने हबीबगंज नाका स्थित शेड के पास एक संदिग्ध को हिरासत में लेकर उससे 501 ग्राम गांजा जब्त किया है। आरोपी की पहचान अशोक पिता नारायण साकल्ले (58) नवीन स्कूल के पास, अमराई, बागसेवनिया बताया। इसी प्रकार क्राइम ब्रांच भोपाल ने मुखबिर की सूचना पर एक अन्य कार्रवाई करते हुए शाहजहांनाबाद से एक विधि-विरुद्ध बालिका को हिरासत में लिया। वह एमडी ड्रग बेचने के लिए ग्राहक का इंतजार कर रही थी। उसके पास से 1.4 ग्राम एमडी ड्रग, बरामद किया गया।

निशातपुरा से महिला से किया गांजा बरामद

क्राइम ब्रांच को मुखबिर से सूचना मिली कि एक महिला रविशंकर कॉलेज निशातपुरा में खड़ी है और गांजा बेचने की फिराक में है। सूचना के बाद घेराबंदी करते हुए संदिग्ध महिला को हिरासत में लिया गया। तलाशी लेने पर महिला के पास से 426 ग्राम गांजा मिला। उसकी पहचान विमला उर्फ सुनीता पिता लल्लन कुचबंदिया (55) कल्याण नगर, कुशवाह मेडिकल के पास, छोला मंदिर, बताया। पूछताछ में महिला ने बताया कि उक्त गांजा फरहान खान से 15 हजार रुपए में खरीदा था। क्राइम ब्रांच ने फरहान खान (32) मकान नंबर 227, कबीट चौराहा के पास, अटल नेहरू नगर, थाना छोला मंदिर को गिरफ्तार किया। फरहान खान ने खुलासा किया कि उक्त गांजा कल्याण नगर, भोपाल से खरीदकर ग्राहकों को बेचता था।

विदिशा के दो तस्करों से सवा लाख रुपए की स्मैक बरामद की

टीला जमालपुरा पुलिस ने इस्लामी गेट ग्राउंड से मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले एक तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 9 ग्राम स्मैक बरामद की है। बरामद स्मैक की कीमत एक लाख 30 हजार रुपए बताई गई है। आरोपी मूलरूप से जिला विदिशा का रहने वाला है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर उसे स्मैक देने वाले उसके साथी को भी गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस के मुताबिक 18 जुलाई को मुखबिर से सूचना मिली कि इस्लामी गेट ग्राउंड में सीढ़ियों पर एक व्यक्ति अवैध मादक पदार्थ स्मैक रखे हुए है। वह स्मैक सप्लाई के लिए ग्राहक का इंतजार कर रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर संदिग्ध को हिरासत में ले लिया। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम वरुण दांगी (20) निवासी बरईपुरा चौराहा थाना कोतवाली जिला विदिशा का होना बताया। इन दिनों वह आस्था अपार्टमेंट लांबाखेड़ा थाना ईटखेड़ी में रह रहा था। तलाशी लेने पर उसके पास से 9 ग्राम स्मैक बरामद हुई। आरोपी से बरामद स्मैक और उसके नेटवर्क के बारे में पूछताछ की गई। आरोपी वरुण ने बताया कि उसने स्मैक लांबाखेड़ा में रहने वाले अनुज साहू उर्फ अन्नू (27) से ली थी। लिहाजा पुलिस ने अनुज की तलाश शुरू की। लेकिन भनक लगते ही वह घर से भाग निकला। पुलिस लगातार उसकी खोजबीन करती रही। इस बीच अनुज उर्फ अन्नू आस्था अपार्टमेंट लांबाखेड़ा के सुनसान रास्ते पर जाता मिला। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया। आरोपी अनुज भी बरई चौराहा थाना कोतवाली जिला विदिशा का रहने वाला है। उसके खिलाफ थानों में 8 प्रकरण दर्ज हैं।

गौतम नगर पुलिस ने किया दर्ज प्रकरण

16 साल चार महीने की किशोरी से दुष्कर्म

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

गौतम नगर पुलिस ने 16 साल चार महीने की किशोरी की शिकायत पर एक लड़के के खिलाफ पर दुष्कर्म का मामला दर्ज किया है। किशोरी गत 13 जुलाई को घर से लापता हो गई थी। जब वह लौटकर घर आई तो उसने आपबीती सुनाई। किशोरी की काउंसलिंग के बाद पुलिस लड़के पर बलात्कार पाक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार 16 साल 4 महीने की किशोरी थाना क्षेत्र में रहती हैं।

गत 13 जुलाई को वह घर से रहस्मय तरीके से लापता हो गई। शाम तक घर नहीं लौटने पर परिजन ने उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई। अगले ही दिन शाम को वह घर लौट आई। परिजन उसे थाने लेकर पहुंचे। पुलिस ने उसकी काउंसलिंग कराई।

सहेलियों और उनके दोस्तों के साथ गई थी नाबालिग

काउंसलिंग में उसने बताया कि अपनी सहेलियों और उनके दोस्तों के साथ वह गई थी। इस दौरान एक परिचित ने फ्लैट पर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। पुलिस ने काउंसलिंग के बाद आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म और पाक्सो एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया। पुलिस का कहना है कि दुष्कर्म करने वाले की तलाश की जा रही है। अभी उसकी गिरफ्तारी नहीं की जा सकी। हिरासत में आने के बाद ही कहा जा सकेगा कि वह बालिग है या नाबालिग है। इधर डीसीपी जोन थ्री आयुष गुप्ता का कहना है कि किशोरी ने जिसके खिलाफ प्रकरण दर्ज कराया है। वह घटना के समय सहेलियों और दोस्तों के साथ था ही नहीं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आपसी समझौते से निपटे चेक बाउंस के 1,945 मामले

जबलपुर। शनिवार को पूरे प्रदेश में विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। प्राधिकरण की सदस्य सचिव सुमन श्रीवास्तव ने बताया कि इस विशेष अदालत में 4,636 प्रकरण विचारार्थ रखे गए थे। इनमें से 1,945 मामलों का आपसी सहमति से निपटारा किया गया, 1064220044 रुपए की समझौता राशि के अवॉर्ड पारित किए गए।

नगर निगम ने सभी जोन में विशेष साफ-सफाई करवाई

हॉकर्स कॉर्नर और सार्वजनिक स्थलों पर चला सफाई अपनाओ-बीमारी भगाओ' अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए नगर निगम ने शनिवार को शहरभर में 'सफाई अपनाओ-बीमारी भगाओ' अभियान चलाया। सभी जोन क्षेत्रों में विशेष सफाई अभियान के साथ रहवासियों और व्यापारियों को स्वच्छता बनाए रखने, कचरे का पृथक्करण करने और सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने की समझाइश दी गई। इस दौरान स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 87 प्रकरणों में 11,100 रुपए का स्पॉट फाइन भी वसूला गया।

निगम आयुक्त संस्कृति जैन के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने बाजारों, हॉकर्स कॉर्नर और सार्वजनिक स्थलों पर जनजागरूकता अभियान चलाया। लोगों को गीले और सूखे कचरे के लिए अलग-अलग डस्टबिन रखने तथा कचरा पृथक-पृथक देने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही स्वच्छता बनाए रखने की शपथ भी दिलाई गई। अभियान के दौरान सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने, सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग करने, सीएंडडी वेस्ट फेंकने तथा संपत्ति विरूपण करने वालों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई। निगम का कहना है कि बारिश के मौसम में स्वच्छता बनाए रखने और बीमारियों की रोकथाम के लिए यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

खबर का असर

व्यापारियों को स्वच्छता की दिलाई शपथ

हॉकर्स कॉर्नर के पास साफ-सफाई करता निगम का अमला।

हॉकर्स कॉर्नर में पसरी गंदगी की खबर को हरिभूमि ने प्रमुखता से किया था प्रकाशित

शहर के हॉकर्स कॉर्नरों में गंदगी और बदहाल स्थिति के मुद्दे को लेकर हरिभूमि ने प्रमुखता से खबर प्रकाशित की थी। इसके बाद नगर निगम हरकत में आया और शहर के विभिन्न हॉकर्स कॉर्नरों पर तेजी से सफाई अभियान शुरू किया है। नगर निगम की टीमें उन सभी हॉकर्स कॉर्नरों पर पहुंच रही हैं, जहां लंबे समय से गंदगी, कचरे और अव्यवस्था की शिकायतें मिल रही थीं।

तीन कॉलेजों में सामने आई थी गड़बड़ी की शिकायत

बीयू से जुड़े बीएड कॉलेजों का केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने शुरू किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्य प्रदेश स्थित बरकतउल्ला विश्वविद्यालय से जुड़े तीन बीएड कॉलेजों में सामने आई गड़बड़ी की जानकारी मिलने के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने मामले की जांच करनी शुरू कर दी है। यह सभी विश्वविद्यालय राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) द्वारा मान्यता प्राप्त उच्च-शिक्षा के संस्थान हैं और परिषद ही इनका विनियमन करती है।

इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए मंत्रालय ने एनसीटीई से भी एक रिपोर्ट तलब की थी। जिसे परिषद ने 15 जुलाई को सौंप दिया है। इन सबके बीच शिक्षा मंत्रालय ने यह भी साफ किया है कि जांच रिपोर्ट मिलने के बाद अगर किसी संस्थान द्वारा नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होती है। तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मंत्रालय ने एनसीटीई से भी एक रिपोर्ट तलब की थी

नियमों के उल्लंघन पर की जाएगी सख्त कार्रवाई

बताए गए पते पर नहीं चल रहे कॉलेज, सुविधाएं भी नहीं

मंत्रालय को मिली शिकायत के हिसाब से जिन कॉलेजों में गड़बड़ी का मामला सामने आया था। वह अपने बताए हुए पते पर नहीं चल रहे हैं और वहां पर जरूरी सुविधाएं भी नहीं हैं। मामले की पड़ताल करने के लिए समिति बीते शुक्रवार को भोपाल पहुंची थी और वहां पर उसने कॉलेजों का निरीक्षण शुरू किया। इस प्रक्रिया में जियो टैग्ड फोटो, वीडियो के माध्यम से संस्थानों का सत्यापन किया जा रहा है।

शुरुआती जांच-पड़ताल में सामने आया यह सच

मामले की स्वतंत्र रूप से जांच-पड़ताल करने के लिए मंत्रालय ने एक तथ्य जांच, सत्यापन समिति का भी गठन किया है। जिसकी प्रारंभिक जांच में यह सामने आया कि जिन परिसरों में तीन कॉलेजों के संचालन की बात कही गई थी। वहां पर एक अन्य कॉलेज भी संचालित किया जा रहा है। जिसके बाद समिति ने तीन की बजाय चार कॉलेजों की जांच पड़ताल शुरू की। समिति में शिक्षा मंत्रालय, मध्य-प्रदेश शासन और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के प्रतिनिधि शामिल हैं। जबकि इसकी अध्यक्षता एक पूर्व कुलपति और शिक्षा प्रशासक कर रहे हैं।

वार्ड 13 सभी सड़कें सीसी, 11 हाईमास्ट लाइट लग चुकी हैं... केवल नालियों का निर्माण बाकी

आईएनएच न्यूज चैनल पर आज रविवार शाम 6.25 बजे से देखिए प्रसारण

वार्ड में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई निष्पक्ष होगीः राठौर

पार्षद मनोज राठौर ने कहा कि उनके वार्ड में रोड, पानी के साथ बारिश में नाला, नाली की समस्याओं का निराकरण प्राथमिकता से करवाया गया है। स्ट्रीट-डॉग, अतिक्रमण की समस्या पर उन्होंने कहा कि स्ट्रीट डॉग पकड़ने निगम की टीमें लगातार आ रही हैं और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई भी निष्पक्ष होगी। कार्यक्रम में कांग्रेस के नसीम कुरैशी और भानु प्रताप सिंह, समाजसेवी प्रमोद नेमा, ने अपनी बात रखी। उक्त वक्ताओं ने वार्ड को जोड़ने वाले रोड पर मेट्रो के निर्माण कार्यों से आवाजाही में हो रही परेशानी की बात रखी। इस पर पार्षद का तर्क था कि इस समस्या को लेकर नगर निगम की ओर से लगातार मेट्रो प्रशासन को अवगत कराया जा रहा है।

वार्ड परिक्रमा
मेरा वार्ड मेरी बात 2026

हरिभूमि के मंच पर जनता ने रखी बात- बोले- स्ट्रीट डॉग, अतिक्रमण, मवेशी और असामाजिक तत्वों की समस्या से परेशान

बड़ी सौगात

- सत्संग भवन और आधुनिक वार्ड कार्यालय बन रहा है। नया ओवरहैड टैंक निर्माणाधीन
- गीतांजलि कॉलेज तक सीसी सड़क बनने से लोगों को बेहतर सुविधा मिली है। पूरा वार्ड काफी हरा-भरा है

हरिभूमि टीम ▶▶ भोपाल

दैनिक हरिभूमि समाचार पत्र की ओर से वार्ड-13 में 'मेरा वार्ड-मेरी बात' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गीतांजलि वार्ड के शीतला माता मंदिर के सामने आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्रीय रहवासी शामिल हुए और उन्होंने वार्ड से जुड़ी समस्याओं को साझा किया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय पार्षद मनोज राठौर ने लोगों समस्याओं को सुना और मुद्दों पर बात रखते हुए समाधान और आगामी कार्य योजना की जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि वार्ड में सभी सड़कें सीसी बन चुकी हैं। 11 हाईमास्ट लाइटें वार्ड के अलग-अलग क्षेत्रों में लगवाई गई हैं, जबकि नाली का निर्माण ही शेष रह गया है, जो जल्द ही पूरा होगा।

हरिभूमि ने समाजसेवियों का किया सम्मान

हरिभूमि समाचार पत्र की ओर से समाजसेवी दिनेश लाल, आरसी जैन, प्रमोद नेमा, वरुण गुप्ता, सूरज भदौरिया को सम्मानित किया गया।

वार्ड में आने वाले मोहल्ले

टीला जमालपुरा, क्रष्णा कॉलोनी, गौतम नगर, निशातपुरा, बैरसिया रोड, ग्रीन पार्क कॉलोनी, फिरदौस नगर, संत कंवर राम कॉलोनी, सुल्तानिया इंफेंट्री।

बड़ी संख्या में वार्ड के रहवासी हुए शामिल

क्या कहते हैं लोग

बिना भेदभाव हटें अवैध कब्जे

वार्ड के मोहल्ले और कॉलोनियों का जुड़ाव मेन रोड से है। बाजारों की सड़कों पर अतिक्रमण है। यह बिना भेदभाव के हटना चाहिए।
नसीम कुरैशी, डीआईजी बंगला

पूर्व की तुलना में स्थिति बेहतर

पूर्व पार्षद के कार्यकाल में वर्तमान जनप्रतिनिधि के कार्यकाल की तुलना करें तो पहले से काफी सुधार आया है। ओवरहैड टैंक बन रहा है। सत्संग भवन भी बन चुका है। **हरि जोशी,** शीतला माता मंदिर

अब भी पौधरोपण के लिए जगह

गीतांजलि वार्ड में बड़ी संख्या में पेड़ थे, विकास कार्यों के चलते संख्या घट गई। अब भी पौधरोपण के लिए पर्याप्त जगह है। इसे हरा-भरा वार्ड बनाया जा सकता है। **वरुण गुप्ता,** गीतांजलि कॉलेज रोड

मेट्रो निर्माण कार्यों से परेशानी

वार्ड में काजीकैंप से करोंद तक मेट्रो निर्माण कार्यों से आवाजाही बेहद मुश्किल भरी बन गई है। ऐसे में व्यवस्थाएं बेहतर की जाएं तो लोगों की दिक्कतें कम हो सकती हैं। **अफजल अली,** गौतम नगर

बिजली के तार अंडरग्राउंड हों

वार्ड के घनी आबादी वाले इलाकों में किसी हादसे से बचने के लिए बिजली के तार अंडरग्राउंड होना चाहिए। इसी तरह जो सड़कें हाल ही में बनी हैं वहां गड्ढे हो रहे हैं। उन पर समय रहते पार्षद को ध्यान देना चाहिए, अन्यथा बारिश में बड़ी परेशानी होगी।
सूरज ठाकुर, बैरसिया रोड

सुरक्षा जांच और फिटनेस के बाद शुरू हुआ संचालन, किराया सूची अब भी गायब

एक महीने बाद फिर गुलजार हुआ बोट क्लब, 15 शिकारे झील में उतरे, सैलानी नजर आए प्रसन्न

बड़ी झील पर बना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

जबलपुर के बरगी डेम में हुए क्रूज हादसे के बाद सुरक्षा कारणों से बंद किया गया भोपाल के बड़े तालाब स्थित बोट क्लब का संचालन करीब एक महीने बाद फिर शुरू हो गया है। मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम (एमपीटी) ने सुरक्षा जांच, फिटनेस परीक्षण और मेंटेनेंस पूरा होने के बाद शनिवार से 15 शिकारों को दोबारा झील में उतार दिया। बारिश के मौसम में बोट क्लब खुलने से एक बार फिर सैलानियों की रौनक लौट आई है।

पर्यटन विभाग के अधिकारियों के अनुसार सभी शिकारों, फ्लोटिंग प्लेटफॉर्म और सुरक्षा उपकरणों की विस्तृत जांच की गई। फिटनेस प्रमाणित होने के बाद ही संचालन की अनुमति दी गई है। अधिकारियों का कहना है कि अब सभी नावों में जरूरी सुरक्षा इंतजाम सुनिश्चित किए गए हैं।

बड़ी झील में निजी नावों के संचालन पर भी उठ रहे सवाल

बड़ी झील में शिकारे का आनंद लेता एक परिवार।

किराया बोर्ड नहीं लगने से बाहरी पर्यटक परेशान

हालांकि, मौके पर कुछ खामियां भी सामने आईं। बोट क्लब पर अभी तक शिकारा का किराया बोर्ड नहीं लगाया गया है। इससे बाहर से आने वाले पर्यटकों को तय दरों की जानकारी नहीं मिल रही है। पिछले एक महीने में जब पर्यटन विभाग की नावें बंद थीं, तब निजी नाव संचालकों ने इसका फायदा उठाकर कई पर्यटकों से मनमाना किराया वसूला। वही पर्यटन विभाग सभी सुरक्षा मानकों का पालन करने वाली नावों को ही संचालन की अनुमति दी गई है। गौरतलब है कि शुरुआती जांच के दौरान 40 लाइफ जैकेट अनफिट मिली थीं, जिन्हें बदलने के निर्देश दिए गए थे। पर्यटन विभाग का कहना है कि अब सभी कमियों को दूर कर लिया गया है और सुरक्षा मानकों के अनुरूप ही बोट क्लब का संचालन किया जा रहा है। हालांकि, किराया सूची नहीं होने और निजी नावों के संचालन को लेकर अब भी सवाल बने हुए हैं।

तीन साल से शिकायत के बावजूद नहीं हुई प्रभावी कार्रवाई

कटारा में श्मशान की जमीन पर कब्जे, दो बार सीमांकन के बाद भी नहीं हट सका कब्जा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भोपाल शहर के वार्ड-85 में आने वाले ग्राम कटारा के ग्रामीणों ने श्मशान की करीब पांच एकड़ सरकारी भूमि पर भूमाफिया, एक निजी बिल्डर और कुछ रसूखदार लोगों द्वारा कब्जा कर अवैध निर्माण करने का आरोप लगाया है। ग्रामीणों का कहना है कि दो बार सीमांकन में अतिक्रमण सामने आने के बावजूद अब तक जमीन से कब्जा नहीं हटाया गया है।

रहवासी जीवन राजपूत, महेश चौकसे, महेंद्र उमरे, मिश्रीलाल, देवीसिंह उमरे, देवेंद्र साहू सहित अन्य ग्रामीणों ने 9 जुलाई को कोलार एसडीएम को शिकायती आवेदन सौंपकर कार्रवाई की मांग की थी। आवेदन में आरोप लगाया गया कि गांव के श्मशान की सरकारी जमीन पर एक निजी बिल्डर ने कब्जा कर निर्माण कर लिया है।

एसडीएम बोले-कार्रवाई के दिए हैं निर्देश

पिछले तीन सालों से इस मामले की शिकायत नगर निगम, जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से करते आ रहे हैं, लेकिन अब तक प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। उनका कहना है कि अतिक्रमण लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे भविष्य में श्मशान के लिए भूमि का संकट खड़ा हो सकता है। ग्रामीणों के मुताबिक पहली बार 14 जनवरी 2023 को भूमि का सीमांकन कराया गया था, जिसमें अतिक्रमण सामने आया था। इसके बाद 8 जुलाई 2025 को दोबारा सीमांकन किया गया। इस दौरान तैयार पंचनामे में मुक्तिधाम की भूमि के एक हिस्से पर ठाकुर प्रसाद और अमर सिंह का कब्जा दर्ज किया गया। कोलार एसडीएम पीसी पांडे का कहना है कि शिकायत मिलने के बाद तहसीलदार को जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

रेलवे बोर्ड की हरी झंडी, टेंडर प्रक्रिया जल्द

आरकेएमपी के बाद भोपाल स्टेशन की बदलेगी तस्वीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भोपाल स्टेशन की जल्द ही तस्वीर बदलने वाली है। दरअसल, भोपाल रेल मंडल की ओर से पमरे जोन के माध्यम से भोपाल स्टेशन के पुनर्विकास प्रोजेक्ट को लेकर रेलवे बोर्ड को करीब चार डिजाइन भेजी थी। इनमें रेलवे बोर्ड की ओर से नई डिजाइन को फाइनल करते हुए, हरी झंडी दे दी है। रेलवे ने इस स्टेशन के कायाकल्प के लिए करीब 150 करोड़ रुपए के बजट के तहत काम किया जाएगा। रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर आधारित इस परियोजना के लिए जल्द ही टेंडर प्रक्रिया शुरू होगी।

90 मीटर लंबा बनेगा एयर कॉन्कोर्स

इस योजना के तहत 90 मीटर लंबा और 72 मीटर चौड़ा एयर कॉन्कोर्स (स्काई-वे) बनाया जाएगा, जो सभी प्लेटफार्म को जोड़ेगा। साथ ही डिजाइन के अनुसार स्टेशन पर कुल 40 लिफ्ट लगाई जाएगी। जिससे बुजुर्ग, दिव्यांगजनों, महिलाओं और भारी सामान लेकर यात्रा करने वालों के लिए काफी उपयोगी साबित होगी। स्टेशन भवन का क्षेत्रफल करीब 4,238 वर्गमीटर है, लेकिन री-डेवलपमेंट के बाद यह बढ़कर 6,532 वर्गमीटर हो जाएगा। यानी यात्रियों के लिए ज्यादा जगह, बेहतर सुविधाएं और व्यवस्थित व्यवस्था उपलब्ध होगी।

राजधानी का दूसरा विश्वस्तरीय सुविधा वाला स्टेशन होगा

इस बड़े बदलाव के बाद भोपाल जंक्शन शहर का ऐसा दूसरा रेलवे स्टेशन बन जाएगा, जिसे पीपीपी मॉडल के तहत पुनर्विकसित किया जा रहा है। इससे पहले भोपाल के ही रानी कमलापति रेलवे स्टेशन को इसी मॉडल पर विश्वस्तरीय बनाया जा चुका है।

मूंग की खरीद और कोटा को लेकर किसान कांग्रेस ने प्रदेशभर में पुतले फूंके

बुधनी में सीएम, केंद्रीय मंत्री और विधायक का पुतला दहन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मूंग की समर्थन मूल्य पर तुलाई और खाद की कमी को लेकर मध्यप्रदेश किसान कांग्रेस ने शनिवार को प्रदेशभर में विरोध प्रदर्शन किया। सभी जिला इकाइयों ने केंद्रीय कृषि मंत्री का पुतला दहन किया। बुधनी में किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह चौहान और पूर्व विधायक देवकुमार पटेल के नेतृत्व में पुतला जलाया गया। इसके बाद पुतले की अस्थियों को जैत घाट पर नर्मदा नदी में विसर्जित किया गया। सरकार मूंग की केवल 25% उपज ही समर्थन मूल्य पर खरीद रही है। शेष फसल किसान को मंडी में औने-पौने दाम पर बेचनी पड़ रही है।

आवेदकों को एमपी नगर जाना पड़ रहा

कलेक्टोरेट में 5 डिप्टी कलेक्टर, 20 दिन से गोविंदपुरा को एसडीएम का इंतजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

तबादले और प्रमोशन की बारिश के बाद भोपाल में पदस्थ तीन संयुक्त कलेक्टर्स का प्रमोशन हो गया है, जिससे बैरागढ़ पदस्थ एसडीएम रविशंकर राय को जबलपुर एडीएम बनाया गया है, जिन्हें रिलीव कर डिप्टी कलेक्टर रवीश श्रीवास्तव को एसडीएम की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जबकि एमपी नगर सर्कल में पदस्थ एसडीएम लक्ष्मीकांत खरे के प्रमोशन के बाद भी उन्हें अब तक रिलीव नहीं किया गया है। यहां पदस्थ एसडीएम भुवन गुप्ता को नगर निगम में डिप्टी कमिश्नर बना दिया गया है। जिसकी वजह से खरे को एमपी नगर और गोविंदपुरा एसडीएम की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

बीस दिन से अधिक समय गुजरने के बाद भी गोविंदपुरा में नए एसडीएम को पदस्थ नहीं किया गया है, जबकि कलेक्टोरेट में डिप्टी कलेक्टर लाखन चौधरी, अजय शर्मा, निधि चौकसे, राजेश सौरते और रत्नेश श्रीवास्तव पदस्थ हैं। गोविंदपुरा में एसडीएम पदस्थ नहीं होने की वजह से यहां के जुड़े कामों को लेकर आवेदकों को एमपी नगर तक जाना पड़ रहा है। इसी तरह यहां के कर्मचारियों को भी फाइलें लेकर एमपी नगर जाना पड़ रहा है। इधर खरे का प्रमोशन होने की वजह से वह भी यहां से रिलीव होने का इंतजार कर रहे हैं, जिसकी वजह से एमपी नगर और गोविंदपुरा सर्कल के काम प्रभावित हो रहे हैं।

दूसरी बार जांच कराने पर लगाई थी 40 लाख 40 हजार की पैनाल्टी

डेढ़ करोड़ का कोपरा निकालने की आशंका, एसडीएम ने भी मांगी रिपोर्ट

छह सौ डंपर कोपरा बेचने पर खनिज अधिकारी का जांच कराने से इंकार, बोले-कलेक्टर लिखित में देंगे तो फिर से करा लेंगे...

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

रातताल के रोजीवे गांव में 15 एकड़ जमीन पर 40 हजार क्यूबिक मीटर खुदाई की परमिशन लेकर जमीन मालिक हरिचरण और खदान से कोपरा निकालकर बेचने वाले शैलेंद्र भदोरिया और शेखर पवार ने करीब छह सौ डंपर कोपरा बाजार में बेचा है। जिसको लेकर कलेक्टर प्रियंक मिश्रा की फटकार के बाद जिला खनिज अधिकारी मेहताब सिंह रावत ने खनिज इंस्पेक्टर सुचि माथुर से दो बार जांच कराई थी, लेकिन दोनों जांचों पर सवाल उठने के बाद कलेक्टर ने पैनाल्टी की 40 लाख 40 हजार रुपए की राशि को लेकर तीसरी बार जांच करने की बात कही है, लेकिन खनिज अधिकारी का कहना है कि कलेक्टर ने इस संबंध में कोई निर्देश नहीं दिए हैं। अगर लिखित में देंगे तो तीसरी बार भी जांच करा ली जाएगी।

खनिज इंस्पेक्टर सुचि माथुर ने जांच की

कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के निर्देश पर पहली बार खनिज इंस्पेक्टर सुचि माथुर ने जांच की थी, जिसमें शर्तों का उल्लंघन बताकर अवैध खनन का जिक्र नहीं किया, जबकि मौके पर मौजूद 12 डंपरों को भी जब्त नहीं किया गया था। दूसरी बार कलेक्टर की फटकार के बाद माथुर दोबारा से जांच करने पहुंचीं, जहां अवैध उत्खनन को लेकर 40 लाख 40 हजार रुपए की पैनाल्टी प्रस्तावित कर दी, हालांकि फाइल जब कलेक्टर के पास पहुंची, तो उन्होंने पैनाल्टी राशि कम होने पर तीसरी बार फाइल पुटअप करने की बात कही, लेकिन जिला खनिज अधिकारी ने इस संबंध में तीसरी बार जांच कराने से इंकार कर दिया है। उनका कहना है कि खनिज विभाग परिवहन की परमिशन जारी करता है। जिसको लेकर खनन के हिसाब से पैनाल्टी लगा दी गई है।

एक साल पहले लगा था 4 करोड़ 76 लाख का जुर्माना

ईटखेड़ी के नजदीक स्थित रातताल में खनिज विभाग ने एक साल पहले 4 करोड़ 76 लाख का जुर्माना लगाया था। एक पोकलेन और 9 डंपर जब्त किए थे। यह कार्रवाई भी पुलिस ने की थी, जबकि खनिज अफसरों को इसकी जानकारी थी। शेखर पंवार, दशरथ यादव और जीवन सिंह राठौर को आरोपी बनाया गया था। इसी तरह हरिचरण के खेत पर भी नायब तहसीलदार की टीम ने अवैध खनन पकड़ा है। खनिज इंस्पेक्टर ने जांच में लीपापोती कर दो बार जांच प्रतिवेदन पेश किया है, जिसमें माफिया को राहत देने का प्रयास किया जा रहा है।

सत्तापक्ष का फोकस यूसीसी पर, सरकार को घोटालों के मुद्दों पर घेरेगी कांग्रेस

1 विधानसभा के मानसून सत्र के लिए भाजपा-कांग्रेस ने कसी कमर

2 सरकार करेगी एक दर्जन से ज्यादा विधेयक पास कराने की कोशिश

कांग्रेस मांगेगी पेपर लीक, भर्ती-जमीन घोटाला, किसानों पर जवाब

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

प्रदेश विधानसभा के सोमवार 20 जुलाई से शुरू हो रहे 5 दिवसीय मानसून सत्र के लिए भाजपा और कांग्रेस रणनीति को अंतिम रूप देने में लगे हैं।

इसके लिए दोनों दलों के विधायक दल की बैठक रविवार 19 जुलाई को होने वाली हैं। सत्र को ध्यान में रख कर ही राज्य मंत्रिमंडल की बैठक भोपाल के पास जगदीशपुर में रविवार को हो रही है। इसमें मानसून सत्र में लाने वाले एक दर्जन से ज्यादा विधेयकों पर चर्चा की जाएगी। पर मुख्यमंत्री का फोकस सामान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक पर है। सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता वाली समिति रिपोर्ट के साथ विधेयक का प्रारूप मुख्यमंत्री डॉ यादव को सौंप चुकी है और उन्होंने इसे आगामी कार्यवाही के लिए मुख्य सचिव अनुराग जैन को सौंपा है।

मुख्यमंत्री कर चुके इसी माह लागू करने की घोषणा

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव कई बार घोषणा कर चुके हैं कि विधेयक को इसी सत्र में पारित करा कर इसी माह से लागू कर दिया जाएगा। दूसरी तरफ नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार यूसीसी में आदिवासियों को लेकर सरकार को घेर रहे हैं। हालांकि मुख्यमंत्री पहले ही कह चुके हैं कि आदिवासी वर्ग यूसीसी के दायरे से बाहर रहेगा। सत्र के दौरान कांग्रेस सत्तापक्ष को पेपर लीक, भर्ती-जमीन घोटाला, किसानों के मुद्दे, आदिवासियों के विस्थापन, कानून व्यवस्था, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और महंगाई जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरेगी।

कांग्रेस बता रही ध्यान भटकाने का कदम

कांग्रेस यूसीसी विधेयक के विरोध में है और इसे जनहित के मुद्दों से ध्यान भटकाने का कदम बता रही है। लिव इन संबंधों को मान्यता देने पर भी पार्टी को आपत्ति है। कांग्रेस छतरपुर-पन्ना में केन-बेतवा लिंक परियोजना के प्रभावित आदिवासियों के विस्थापन, सिंगरौली में लाखों वृक्षों की कटाई, आदिवासियों की भूमि गैर आदिवासी को बेचने, कानून व्यवस्था, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार सहित अन्य मुद्दों पर सरकार को घेरने का प्रयास करेगी। इसके लिए विधायक दल की बैठक में रणनीति को अंतिम रूप दिया जाएगा।

आजाद समाज पार्टी के दामोदर सिंह के पास 2.10 करोड़ की संपत्ति, तीनों उम्मीदवारों ने हलफनामे में दी जानकारी

दतिया उपचुनाव: कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम 'जमींदार' भाजपा उम्मीदवार आशुतोष की संपत्ति 1.5 करोड़

» कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह तीनों प्रमुख उम्मीदवारों में सबसे अधिक संपत्ति के मालिक हैं

» घनश्याम के पास करीब 19 .38 करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्ति है

» 250 ग्राम सोना, 600 ग्राम चांदी, एक लाइसेंसी राइफल, पत्नी के नाम 580 ग्राम सोने के आभूषण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दतिया

दतिया विधानसभा उपचुनाव में उम्मीदवारों द्वारा दाखिल चुनावी हलफनामों से उनकी संपत्ति, देनदारियों और आपराधिक मामलों का ब्यौरा सामने आया है। कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह तीन प्रमुख उम्मीदवारों में सबसे अधिक संपत्ति के मालिक हैं। उनके पास करीब 19.38 करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्ति है, जिसमें दतिया के ऐतिहासिक किलों और बड़ी मात्रा में कृषि भूमि का हिस्सा भी शामिल है। वहीं भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी ने अपनी कुल संपत्ति करीब 1.50 करोड़ रुपये और आजाद समाज पार्टी के प्रत्याशी दामोदर सिंह ने 2.10 करोड़ रुपये की संपत्ति घोषित की है।

घनश्याम सिंह के पास करीब 19.38 करोड़ रुपए की चल-अचल संपत्ति

हलफनामे के अनुसार कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह के पास 1.80 लाख रुपये नकद हैं, जबकि उनकी पत्नी के पास 40 हजार रुपये नकद हैं। विभिन्न बैंकों और डाकघर में लाखों रुपये की जमा राशि है। उनके पास 2011 मॉडल की बोलेरो और 2021 मॉडल की टोयोटा इनोवा भी है। घनश्याम सिंह ने 250 ग्राम सोना, 600 ग्राम चांदी, एक लाइसेंसी .315 बोर राइफल और पत्नी के नाम 580 ग्राम सोने के आभूषण घोषित किए हैं। उनके पास करीब 12 एकड़ कृषि भूमि, दतिया में कई भूखंड तथा भवानी पैलेस और सेवढ़ा किले में हिस्सेदारी है।

घनश्याम सिंह, कांग्रेस

आशुतोष तिवारी, भाजपा

दामोदर सिंह

» भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी पर 38 लाख का कर्ज

भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी ने अपनी कुल संपत्ति करीब 1.50 करोड़ रुपये घोषित की है। हलफनामे के अनुसार उन पर बैंक का 11 लाख रुपये, पत्नी पर 17 लाख रुपये और पुत्र सुयश तिवारी पर 10 लाख रुपये का ऋण है। उन्होंने स्वयं पर किसी भी आपराधिक मामले के लंबित नहीं होने की जानकारी दी है। आशुतोष तिवारी ने वर्ष 2011 में बरकतउल्ला विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर (एमए) किया है।

दामोदर सिंह की कुल संपत्ति 2.10 करोड़ रुपए

आजाद समाज पार्टी के प्रत्याशी दामोदर सिंह ने अपनी कुल संपत्ति 2.10 करोड़ रुपये घोषित की है। उनके पास 1.21 लाख रुपये नकद और पत्नी के पास 50 हजार रुपये नकद हैं। कृषि भूमि, फार्म हाउस और अन्य संपत्तियां मिलाकर उनके पास करोड़ों की अचल संपत्ति है। उन्होंने आय का स्रोत कृषि बताया है, जबकि पत्नी शासकीय सेवा में हैं और पुत्र ठेकेदारी का कार्य करते हैं। हलफनामे में दामोदर सिंह ने अपने खिलाफ तीन प्रकरण दर्ज होने की जानकारी दी है।

दतिया में 'विजयपुर मॉडल' का दांव - कांग्रेस ने उतारी सुपर-40 टीम, भाजपा बोली- ये घबराहट है

भोपाल। दतिया विधानसभा उपचुनाव की रणभूमि सज चुकी है। यहां कांग्रेस ने विजयपुर में जीत का फॉर्मूला दोहराने का फैसला किया है। पार्टी ने बूथ स्तर तक माइक्रो मैनेजमेंट के लिए 40 वरिष्ठ नेताओं की 'सुपर-40' टीम मैदान में उतार दी है।

कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक विजयपुर उपचुनाव में इसी मॉडल से पार्टी को जीत मिली थी और हार का अंतर भी काफी कम हुआ था। उसी तर्ज पर अब दतिया में भी क्लस्टर बनाकर जिम्मेदारी बांटी गई है। विधायक, पूर्व मंत्री, पूर्व विधायक और वरिष्ठ नेताओं को अलग-अलग इलाकों की कमान सौंपी गई है। हर नेता को बूथ तक जाकर कार्यकर्ताओं से समन्वय और चुनावी रणनीति लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ग्वालियर-चंबल संभाग और आसपास के जिलों के कांग्रेस जिलाध्यक्षों को भी चुनावी जिम्मेदारी दी गई है। पार्टी का मानना है कि जमीनी स्तर पर पकड़ मजबूत करने से ही बीजेपी के गढ़ में सेंध लगाई जा सकती है।

भाजपा का पलटवार

दूसरी ओर भाजपा ने कांग्रेस की इस कवायद को घबराहट बताया है। पार्टी नेताओं का कहना है कि विजयपुर का मॉडल हर जगह काम नहीं आएगा। दतिया में भाजपा का संगठनात्मक ढांचा मजबूत है और यहां पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा सबसे बड़ा राजनीतिक चेहरा हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इस उपचुनाव में मुकाबला सीधा संगठन बनाम माइक्रो मैनेजमेंट का होगा। कांग्रेस जहां बूथ जीतने की रणनीति पर काम कर रही है, वहीं भाजपा अपने पारंपरिक वोट बैंक और सरकार के कामकाज को भुनाने में जुटी है।

यह चुनाव दतिया के विकास का चुनाव है, भाजपा सभी समाज वर्ग के हितों के लिए प्रतिबद्ध: डॉ. महेन्द्र सिंह

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने शनिवार को दतिया जिला कार्यालय में दतिया विधानसभा के सभी मंडलों एवं शक्ति केंद्र के प्रमुख कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। बैठक को संबोधित करते हुए डॉ. महेन्द्र सिंह ने कहा कि कार्यकर्ता हर बूथ के एक-एक घर पहुंचकर भाजपा की डबल इंजन सरकार की उपलब्धियां गिनाकर पार्टी प्रत्याशी को विजयी बनाने का आशीर्वाद मांगें। यह चुनाव दतिया के विकास का चुनाव है, भाजपा सभी समाज वर्ग के हितों के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का हाथ मजबूत करने के लिए सभी कार्यकर्ता दतिया में भाजपा को ऐतिहासिक मतों से विजयी बनाने का कार्य करें। उन्होंने कार्यकर्ताओं को आह्वान करते हुए कहा कि दतिया विधानसभा क्षेत्र का एक भी घर ऐसा न बचे, जहां हमारे कार्यकर्ता न पहुंचे। हर घर तक पहुंचें और हर बूथ जीतने का संकल्प लेकर कार्य करें।

भाजपा सरकारों की योजनाएं बताकर मांगे आशीर्वाद

भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार की उपलब्धियों और जनकल्याणकारी कार्यों को जनता को बताकर पार्टी प्रत्याशी के लिए आशीर्वाद मांगें। भाजपा की डबल इंजन सरकार की उपलब्धियों को घर-घर तक पहुंचाना कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है, ताकि जनता को पता चले कि भाजपा देश और प्रदेश के विकास के लिए क्या-क्या कार्य कर रही है।

जीतू पटवारी के साथ साझा किया मंच

अंततः अवधेश माने, घनश्याम के समर्थन में संभाला मोर्चा

विशेष प्रतिनिधि, भोपाल। दतिया विधानसभा उपचुनाव में पिछले सात दिनों से पूर्व राज्यमंत्री अवधेश नायक के राजनीतिक भविष्य को लेकर चल रही अटकलों पर आखिरकार विराम लग गया। अवधेश ने भाजपा में घर वापसी न कर कांग्रेस का साथ दे दिया है। उन्होंने कांग्रेस का गमछा पहनकर कांग्रेस प्रत्याशी कुंवर घनश्याम सिंह के समर्थन में चुनाव प्रचार शुरू कर दिया है। शनिवार को उन्होंने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के साथ मंच साझा किया और कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह के लिए वोट मांगे। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए साफ लिखा कि आज से कांग्रेस पार्टी का प्रचार करना है। पोस्ट में उन्होंने खुद को 'अवधेश नायक कांग्रेस नेता' भी लिखा। भाजपा लगातार प्रयास कर रही थी कि उन्हें वापस पार्टी में लाया जाए, लेकिन अवधेश ने कांग्रेस के साथ खड़े होने का फैसला कर लिया। इससे दतिया उपचुनाव के सियासी समीकरणों में अहम मोड़ आ गया है।

» कांग्रेस को मिला बड़ा सहारा

अवधेश नायक आज से सक्रिय रूप से कांग्रेस प्रत्याशी कुंवर घनश्याम सिंह के पक्ष में प्रचार करेंगे। उनकी लोकप्रियता को देखते हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। यह फैसला भाजपा के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि अवधेश नायक दतिया क्षेत्र में अपनी अच्छी पकड़ रखते हैं। जीतू पटवारी ने उनकी मौजूदगी में ही उनके कांग्रेस के साथ रहने की घोषणा की।

पटवारी ने कार्यकर्ताओं को किया संबोधित

दतिया में भाजपा की विदाई तय कांग्रेस 25 हजार वोटों से जीतेगी

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने दतिया विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस की बड़ी जीत का दावा करते हुए कहा कि जिले में कांग्रेस कार्यकर्ताओं का उत्साह चरम पर है और जनता

बदलाव के पक्ष में खड़ी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पूरी तरह एकजुट है, जबकि भाजपा बिखरी हुई है और उसकी विदाई तय है। शनिवार को राम नगर वार्ड, उपराई, रैना और रिसाला में आयोजित कार्यकर्ता बैठकों को संबोधित करते हुए पटवारी ने कहा कि कांग्रेस का हर कार्यकर्ता पूरे जोश के साथ चुनाव मैदान में उतर चुका है। पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता घर-घर जाकर कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह के पक्ष में प्रचार करेगा और उन्हें 25 हजार से अधिक मतों से विजयी बनाने के लिए पूरी ताकत लगाएगा। उन्होंने भाजपा सरकार पर किसानों, युवाओं, कर्मचारियों, दलितों और पिछड़े वर्ग की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश में 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण का लाभ भी युवाओं को नहीं मिल पाया। उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार ने जनता से किए गए वादे पूरे नहीं किए, जिससे हर वर्ग में असंतोष है।

सरकार जवाब कर रही तैयार

केन-बेतवा लिंक विरोध मामले में रिपोर्ट तलब

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

केन-बेतवा लिंक परियोजना के विरोध के मामले में प्रधानमंत्री कार्यालय पीएमओ ने मध्य प्रदेश सरकार से रिपोर्ट तलब की है। इसके बाद जल संसाधन विभाग ने रिपोर्ट तैयार करना शुरू कर दिया है। सूत्रों के अनुसार रिपोर्ट में यह बताया जाएगा कि परियोजना का व्यापक स्तर पर विरोध नहीं हो रहा है। सरकार का कहना है कि आंदोलन मुख्य रूप से रज्ज और मझगवां क्षेत्र के उन परिवारों तक सीमित है जो परियोजना के कारण विस्थापित हो रहे हैं। वहीं दूसरी ओर परियोजना से प्रभावित लोग अपना विरोध लगातार जारी रखे हुए हैं।

विस्थापित परिवार पनवारा और मऊआबाद में आमरण अनशन कर अपनी मांगों को लेकर डटे हुए हैं। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि पुनर्वास और मुआवजे की प्रक्रिया में सुधार किया जाए। मझगवां, रज्ज और नैगवां सहित अन्य क्षेत्रों के लोग भी इस आंदोलन में शामिल हो गए हैं। सामाजिक कार्यकर्ताओं के नेतृत्व में चल रहे इस आंदोलन में बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हैं।

12.50 लाख की सहायता

जल संसाधन विभाग की रिपोर्ट में यह भी शामिल किया जाएगा कि प्रभावित परिवारों को पुनर्वास और मुआवजे के तहत प्रति व्यक्ति 12.50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है। सरकार का कहना है कि प्रभावित लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए पुनर्वास की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि केन-बेतवा लिंक परियोजना देश की महत्वपूर्ण नदी जोड़ो परियोजनाओं में शामिल है। इसमें केंद्र सरकार अधिकांश वित्तीय सहायता उपलब्ध करा रही है, जबकि भूमि अधिग्रहण और पुनर्वास की जिम्मेदारी राज्य सरकार पर है। ऐसे में आंदोलन और पुनर्वास से जुड़े मुद्दे पर केंद्र और राज्य दोनों की नजर बनी हुई है।

सरकार का व्यक्त किया आभार

समान नागरिक संहिता को लेकर भोपाल में लगे होर्डिंग

शहर में प्रमुख स्थानों पर लगे होर्डिंग।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लेकर राजधानी में मालवीय नगर स्थित कार्यालय समेत प्रमुख स्थानों पर होर्डिंग लग गए है। होर्डिंग पर मुख्यमंत्री का बयान राम एक शादी करेगा तो रहीम भी एक ही शादी करेगा छापा गया है। विधायक रामेश्वर शर्मा ने होर्डिंग के माध्यम से केंद्र एवं मध्यप्रदेश सरकार का आभार व्यक्त किया है।

ज्ञात हो कि रविवार को राजधानी के जगदीशपुर की कैबिनेट बैठक में यूसीसी का प्रस्ताव शामिल है और इसी मानसून सत्र में यूसीसी लागू होगा, मुख्यमंत्री पहले ही स्पष्ट कर चुके है।

सुनो शहर सरकार

कारपेंटर और पेंटर बने सुपरवाइजर!

नगर निगम में इन दिनों जिम्मेदारियां बांटने का अनोखा तरीका चर्चा में है। जोन-2 में एक पेंटर और एक कारपेंटर को प्रभारी सुपरवाइजर का दायित्व सौंप दिया गया। निगम में प्रभार देना नई बात नहीं, लेकिन सवाल यह है कि क्या तकनीकी और प्रशासनिक जिम्मेदारियां योग्यता और अनुभव के आधार पर तय हो रही हैं या सिर्फ व्यवस्था चलाने के लिए? कर्मचारियों के बीच भी यह फैसला चर्चा का विषय बना हुआ है। अब देखने वाली बात होगी कि यह व्यवस्था अस्थाई है या आगे भी ऐसे ही प्रयोग होते रहेंगे।

वार्ड कार्यालयों में कर्मचारी नहीं, काम कैसे होगा?

नगर निगम के जोन और वार्ड कार्यालय इन दिनों कर्मचारियों की कमी से जूझ रहे हैं। हर महीने 10 से 15 अधिकारी-कर्मचारी सेवानिवृत्त हो रहे हैं, लेकिन उनकी जगह नई नियुक्तियां नहीं हो रही हैं। हालत यह है कि कई वार्ड कार्यालयों में जनता से जुड़े काम संभालने के लिए पर्याप्त कर्मचारी ही नहीं बचे। पार्षद लगातार इस समस्या को उठा रहे हैं, जबकि शहर का दायरा और काम का बोझ लगातार बढ़ रहा है। सवाल यह है कि आखिर खाली पद कब भरेंगे और जनता को बेहतर सेवाएं कैसे मिलेंगी?

राजस्व वसूली में ढिलाई तो कार्रवाई तय!

पिछले वित्तीय वर्ष में राजस्व वसूली के कमजोर प्रदर्शन से सबक लेते हुए नगर निगम ने इस बार जुलाई से ही सख्ती शुरू कर दी है। कम वसूली वाले जोन और वार्डों के कर्मचारियों पर तबादले, वेतन रोकने और कारण बताओ नोटिस का भय सता रहा है। कर्मचारियों को घर-घर जाकर कर वसूली के निर्देश दिए गए हैं। सवाल यह है कि लक्ष्य पूरा करने का दबाव बढ़ाने से वसूली बढ़ेगी या पहले राजस्व तंत्र की कमियों को दूर करना ज्यादा जरूरी है?

एमएम सिद्दीकी

स्टेनोग्राफर, कार्यालयीन स्टाफ के अन्य पद शामिल

पुलिस में आठ साल बाद बड़ी भर्ती पूरी, 438 अभ्यर्थियों का अंतिम चयन, 13% पदों का परिणाम कोर्ट के आदेश से होल्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्यप्रदेश पुलिस विभाग में स्टेनोग्राफर और कार्यालयीन स्टाफ के 500 पदों पर लगभग 8 वर्षों बाद भर्ती प्रक्रिया पूरी हो गई है। मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल ने सूबेदार (अ) (स्टेनो) एवं सहायक उप निरीक्षक (अ) भर्ती परीक्षा-2025 का अंतिम परिणाम शुक्रवार को घोषित किया। इसमें कुल 438 अभ्यर्थियों का अंतिम चयन किया गया है।

पुलिस विभाग में लंबे समय से स्टेनोग्राफर और कार्यालयीन पद रिक्त थे। इन रिक्तियों को भरने के लिए पुलिस मुख्यालय ने वर्ष 2025 में शासन को प्रस्ताव भेजा था। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रस्ताव पर त्वरित निर्णय लेते हुए 100 सूबेदार (अ) (स्टेनो) और 400 सहायक उप निरीक्षक (अ) के कुल 500 पदों पर भर्ती की स्वीकृति प्रदान की।

फाइल फोटो।

न्यायालय के आदेश अनुरूप होगी कार्रवाई

ईएसबी द्वारा जारी अंतिम सूची के अनुसार सूबेदार (अ) (स्टेनो) के 88 अभ्यर्थियों का चयन हुआ है। इनमें 30 महिला और 58 पुरुष शामिल हैं। इसी प्रकार सहायक उप निरीक्षक (अ) के 350 अभ्यर्थियों का चयन किया गया है। इनमें 122 महिला और 228 पुरुष अभ्यर्थी हैं। हालांकि न्यायालय के आदेशानुसार कुल 13 प्रतिशत पदों का परिणाम फिलहाल होल्ड रखा गया है। न्यायालयीन निर्देशों के अनुरूप इन पदों पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अधिकारियों के मुताबिक प्रशिक्षण के बाद होगी नियुक्ति

अफसरों के अनुसार नियमानुसार इकाई आवंटन, दस्तावेज सत्यापन एवं चिकित्सीय परीक्षण की प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरांत नियुक्ति प्रदान की जाएगी। इसके बाद सभी चयनित अभ्यर्थियों को मप्र पुलिस के प्रशिक्षण संस्थानों में आधारभूत प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह भर्ती प्रक्रिया मप्र पुलिस की प्रशासनिक क्षमता को सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

फैक्ट

कुल पद : 500
घोषित परिणामः 438
स्टेनोः 88 {महिला 30, पुरुष 58}
ASI: 350 {महिला 122, पुरुष 228}
होल्डः 13% पद

भर्ती का टाइमलाइन

कर्मचारी चयन मंडल ने 19 सितम्बर 2025 को भर्ती का विज्ञापन जारी किया था। इसके लिए 03 अक्टूबर से 30 अक्टूबर 2025 तक ऑनलाइन आवेदन लिए गए। लिखित परीक्षा 17 एवं 18 दिसम्बर 2025 को आयोजित की गई। इसका परिणाम 17 फरवरी 2026 को घोषित हुआ।

कन्हैया करेंगे छात्रों से संवाद

आज होगा 'संविधान संवाद' का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्य प्रदेश कांग्रेस के 'छात्रों की गूंज' अभियान के तहत रविवार को राजधानी में 'संविधान संवाद' कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम दोपहर 3 बजे प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय के समीप स्थित सिंधु भवन में होगा। इसमें कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं एनएसयूआई के राष्ट्रीय प्रभारी कन्हैया कुमार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर छात्रों और युवाओं से सीधा संवाद करेंगे। एआईसीसी कॉर्डिनेटर एवं 'छात्रों की गूंज' अभियान के समन्वयक डॉ. अंशुल त्रिवेदी ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षा व्यवस्था, बढ़ती बेरोजगारी, प्रतियोगी परीक्षाओं में सामने आ रही अनियमितताओं तथा युवाओं के भविष्य से जुड़े मुद्दों पर सार्थक चर्चा करना है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं अपने विचार रखेंगे और शिक्षा व्यवस्था में सुधार को लेकर सुझाव देंगे। एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष चौकसे ने कहा कि अभियान के माध्यम से प्रदेशभर के छात्र-युवा अपनी समस्याओं और सुझावों को मजबूती से सामने रख रहे हैं। उनका कहना है कि 'संविधान संवाद' विद्यार्थियों को शिक्षा, रोजगार और देश के भविष्य से जुड़े विषयों पर अपनी बात रखने का महत्वपूर्ण मंच उपलब्ध कराएगा।

पेज एक का शेष...

पूर्व मंत्री पटेल ....

बयान देकर सियासी हलकों में हड़कंप मचा दिया है। उन्होंने राज्य सरकार से सलकनपुर मंदिर ट्रस्ट को तत्काल भंग करने और पूरे मामले की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से स्वतंत्र जांच कराने की मांग की है।

लगातार सवाल उठ....

और पूर्व पदाधिकारियों की चल-अचल संपत्तियों की गहन जांच होनी चाहिए। इससे यह साफ हो सकेगा कि उनके कार्यकाल के दौरान उनकी निजी संपत्तियों में कितना इजाफा हुआ और उसका वास्तविक स्त्रोत क्या है। जब तक निष्पक्ष जांच पूरी नहीं हो जाती, तब तक ट्रस्ट की वित्तीय गतिविधियों की विशेष निगरानी की जाए और वहां तुरंत एक सरकारी प्रशासक नियुक्त किया जाए।

15 लाख की...

इससे महज कुछ ही मिनटों में आभूषणों की गुणवत्ता साफ हो जाएगी।

समान नागरिक ...

अपर मुख्य सचिव (स्वास्थ्य) अशोक बर्णवाल, अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा एवं संसदीय कार्य अनुपम राजन समेत अन्य आईएएस अफसर मौजूद थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव अपने ढाई वर्ष के कार्यकाल में अब तक में भोपाल में होने वाली कैबिनेट की नियमित बैठकों के अलावा 7 अन्य स्थानों पर कैबिनेट की बैठकें की। इसे हालांकि उन्होंने कैबिनेट बैठकों का नवाचार बताया है। भोपाल के साथ ही अब तक जबलपुर, दमोह, खरगोन, नर्मदापुरम, छतरपुर और बड़वानी जिलों में कैबिनेट की बैठकें हो चुकी हैं। विश्व धरोहर स्थल खजुराहो में हुई बैठक के साथ ही इन सभी बैठकों में जनकल्याण से जुड़े बहुआयामी निर्णय लिए गए हैं।

मप्र विधानसभा का 5 दिनी मानसून सत्र सोमवार से: मप्र विधानसभा का 5 दिनी मानसून सत्र सोमवार से शुरू होगा। इस सत्र में कुल 5 बैठकें होगी। विधायकों के कुल 1756 प्रश्न विधानसभा सचिवालय को प्राप्त हुए हैं। इसमें कुल 900 तारांकित प्रश्न, 856 अतारांकित प्रश्न प्राप्त हुए हैं। इसमें से 1091 प्रश्न ऑनलाइन तथा 665 ऑफ लाइन प्रश्न प्राप्त हुए हैं। इसके अलावा कुल 14 विधेयक भी विधानसभा में पारित कराए जाएंगे।

सरकार की कोशिश ...

पंजीकरण अनिवार्य होगा। हालांकि, उक्त लिव इन में रहने वाले दंपती का विवाह तभी हो सकेगा, जब वे लिव इन पंजीकरण को निरस्त कराएंगे। इसके साथ ही पैतृक संपत्ति में महिला और पुरुष को समान अधिकार होगा। इस बिल की एक खासियत यह भी है कि जनजातीय समाज को यूसीसी से छूट दी गई है।

जगदीशपुर प्राचीन ....

की जिज्ञासा बढ़ी। यह भविष्य में पर्यटन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण होगा। इस बैठक के बाद इसे पर्यटन के रूप में भी विकसित करने पर काम होगा। इससे भोपाल आने वाले पर्यटक जगदीशपुर के प्राचीन इमारतों को भी देख सकेंगे।

पहला प्राइवेट ऑर्बिटल...

भी खुद ही की। सिर्फ लॉन्चपैड इसरो का था। स्काईरूट एयरोस्पेस कंपनी की स्थापना 2018 में दो दोस्तों पवन कुमार चंदना और नागा भरत डाका ने की थी। विक्रम-1 को आंध्र प्रदेश में श्रीहरिकोटा में इसरो के सतीश धवन स्पेस सेंटर से दोपहर 12:05 बजे लॉन्च किया गया। स्काईरूट ने 2022 में विक्रम-एस सब-ऑर्बिटल रॉकेट लॉन्च किया था, जो 89.5 किमी की ऊंचाई तक गया था। अब विक्रम-1 450 किमी की पृथ्वी की सर्कुलर निचली कक्षा तक पहुंच गया है। इसे भारत के निजी स्पेस सेक्टर के लिए बड़ी कामयाबी माना जा रहा है। 2020 में सरकार ने स्पेस सेक्टर में बड़े बदलाव किए थे। इसके बाद निजी कंपनियों को भी रॉकेट, सैटेलाइट और लॉन्च सर्विस पर काम करने की अनुमति मिली। स्काईरूट इससे पहले 2022 में विक्रम-एस नाम का सब-ऑर्बिटल रॉकेट लॉन्च कर चुकी है। लेकिन उस मिशन में सैटेलाइट को ऑर्बिट में नहीं भेजा गया था। इस बार लक्ष्य अलग है। विक्रम-1 कई ग्राहकों के छोटे सैटेलाइट को पृथ्वी से करीब 450 किलोमीटर ऊंची लो-अर्थ ऑर्बिट में पहुंचाएगा। यह तीन डेवलपमेंट मिशनों में पहला मिशन होगा। इसके बाद रॉकेट को नियमित कमर्शियल लॉन्च के लिए तैयार किया जाएगा। स्काईरूट एयरोस्पेस के विक्रम-1 की कामयाबी के साथ ही भारत दुनिया का तीसरा ऐसा देश बन गया है, जिसके पास अपनी खुद की प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट बनाने और लॉन्च करने की क्षमता है। अभी तक अमेरिका व चीन के पास ये तकनीक है।

सोने के कलाम, साराभाई और सीवी रमन भी भेजे गए: सोने के कलाम, साराभाई और सीवी रमन भी भेजे गए। कॉस्मोस डायमंड्स की कलाकृति कॉस्मिक ब्लूम और एक खास माइक्रो-आर्ट पीस भी रॉकेट में भेजा गया। यह माइक्रो-आर्ट पीस 18 कैरेट सोने से बना छोटा सा रॉकेट है। इस पर वैज्ञानिक सर सीवी रमन, डॉ. विक्रम साराभाई और डॉ. कलाम की सूक्ष्म मूर्तियां उकेरी गई हैं।

अवैध पटाखा फैक्ट्री ....

अमले के साथ मौके पर पहुंचे। संयुक्त पुलिस आयुक्त जयपाल सिंह ने एक चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया कि इस पटाखा फैक्ट्री का लाइसेंस पहले ही रद्द कर दिया गया था, इसके बावजूद झोपड़ीनुमा जगह पर इसका अवैध संचालन किया जा रहा था। यह हादसा आरएएफ कैंप के ठीक पीछे हुआ, जिसके चलते आरएएफ के जवानों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर सबसे पहले राहत व बचाव कार्य शुरू किया। दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया है। महापौर के मुताबिक घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया है। आग इतनी भयावह थी कि मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

वाहन मालिकों को ....

टोल राशि वापस करने का आदेश दिया था। टोल कंपनी ने इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी, जिसे अदालत ने खारिज कर दिया। कंपनी की दलील थी कि तकनीकी सिस्टम में खराबी के कारण तीन एक्सल वाली बसों से मल्टी एक्सल व्हीकल की दर से टोल अपने आप कट गया, जिसमें उनकी कोई गलती नहीं थी। हालांकि, हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि फास्टैग केवल भुगतान का माध्यम है, दरें तय करने का जरिया नहीं। गलत दर पर वसूली गई राशि हर हाल में जनता को लौटानी होगी। यह रिफंड सभी प्रभावित वाहन मालिकों को मिलेगा। इसके साथ ही कोर्ट ने कंपनी पर 25,000 का जुर्माना लगाकर उसे मुख्यमंत्री राहत कोष में जमा करने का आदेश दिया है। इस फैसले ने साफ कर दिया है कि डिजिटल भुगतान की आड़ में आम जनता का शोषण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

चार्जशीट दाखिल और ...

फ्रीज की जा चुकी है। इसमें 15 जुलाई 2026 को कुर्क की गई 19.20 करोड़ की अचल संपत्तियां शामिल हैं। इससे पहले अप्रैल और मई 2026 में हुई छापेमारी के दौरान बैंक लॉकरों और वाहनों से 17.70 करोड़ की परिसंपत्तियां जब्त की गई थीं। ईडी की चार्जशीट के अनुसार आरोपी ने सहकारी क्रेडिट सोसाइटियों और बेनामी बैंक खातों के जरिए ठगी के पैसों का लेन-देन किया। इस काली कमाई को छिपाने के लिए उसने नासिक, पुणे, मुंबई, अहमदनगर और सोलापुर में अपने रिश्तेदारों के नाम पर महंगी अचल संपत्तियां खरीदी थीं। महाराष्ट्र पुलिस में दर्ज कई एफआईआर के आधार पर शुरू हुई ईडी की इस कार्रवाई ने बाबा के पूरे सिंडिकेट का भंडाफोड़ कर दिया है।

20 दिन से 'अनशन' ...

है। गीतांजलि ने कहा कि वांगचुक अस्पताल में भी सिर्फ पानी और नमक लेकर अपना अनशन जारी रखे हुए हैं। हमसे मोबाइल तक छीन लिया गया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि इस सरकार के मूल सिद्धांत असत्य और हिंसा हैं। दिग्गज सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि केंद्र को वांगचुक के सब्र की परीक्षा नहीं लेनी चाहिए और उनकी मांगों पर हां या न में सीधा जवाब देना चाहिए।

कार्तिक आर्यन-ममूटी...

बेस्ट डेब्यू डायरेक्टर के सम्मान से नवाजा गया। प्रभास और अमिताभ बच्चन स्टारर 'कल्कि 2898 एडी' (तेलुगु) को बेस्ट पॉपुलर फिल्म (एंटरटेनमेंट) का पुरस्कार मिला।

भोपाल सहित 45...

दशमलव 4 डिग्री गिरकर 34 डिग्री रहा, जो बारिश के बाद शाम 6 बजे 29 डिग्री के करीब पहुंच गया। मौसम केंद्र के अनुसार रविवार को भी मौसम ऐसा ही रहेगा।

मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार अभी प्रदेश में एक सकुर्लेशन है, जबकि एक सकुर्लेशन उत्तर प्रदेश पर है, जिससे अभी हल्की से मध्यम बारिश का दौर जारी रहेगा।

आज यहां अलर्ट...

देवास, गनु, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया, भिंड,मुरैना, श्योपुरकलां, सिंगरौली, सीधी, सतना, अनुपपुर, शहडोल, उमरिया, डिंडोरी, कटनी, जबलपुर, नरिसंहपुर,छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, पन्ना, दमोह, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, मैहर, पांढुर्णा में मध्यम बारिश का अलर्ट है। रीवा, मऊगंज में कुछ जगह भारी बारिश होगी।

होटल में सोलर पैनल लगाने की अनुमति के बदले मांगी थी रिश्वत

बिजली विभाग का जूनियर इंजीनियर 40 हजार रुपए लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

इंदौर। लोकायुक्त पुलिस ने भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए विद्युत विभाग के कनिष्ठ यंत्री (जूनियर इंजीनियर) को 40 हजार की घूस लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी अधिकारी ने एक होटल की इमारत पर सोलर पैनल लगाने की फाइल को मंजूरी देने के एवज में कुल 80 हजार की रिश्वत मांगी थी, जिसकी पहली किश्त लेते समय यह कार्रवाई हुई। यह पूरी कार्रवाई सुखलिया जोन के विद्युत विभाग कार्यालय में लोकायुक्त निरीक्षक सचिन पटेरिया के नेतृत्व में की गई। आरोपी जूनियर इंजीनियर की पहचान नमेश कुमार भौंडेकर के रूप में हुई है।

// खोया पाया //

मै फरहा अंसारी पति युनुस अहमद निवास-शहीद नगर 307 मिल्लेनियम हेबिटेट हुजुर भोपाल म.प्र. 462001 आधार न. 8476 8129 7816 में शपथ पूर्वक कथन करता/करती हूँ कि मेरा PBBSC का REGISTRATION कही गुम हो गया है। मेने PBBSC मध्य प्रदेश मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी जबलपुर से किया था। मेने अपना PBBSC का REGISTRATION किसी भी लोन या किसी संस्थान में जमा नहीं कि है। ना ही उसका दुरूपयोग किया है। भविष्य में मुझे अगर ये REGISTRATION मिलता है तो में उसका दुरूपयोग नहीं करूँगा। और उसे मध्य प्रदेश मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी जबलपुर में जमा करा दूंगी। मेरे द्वारा दी गयी जानकारी सही है यदि गलत पायी जाती है तो पूर्ण जबाबदारी मेरी स्वयं की होगी ।

सत्यमेव जयते
भारत सरकार
वस्त्र मंत्रालय
****
राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन
के लिए
02 वरिष्ठ सलाहकार एवं 02 सलाहकार पदों पर नियुक्ति हेतु

वस्त्र मंत्रालय के राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन के अंतर्गत निम्नलिखित 04 संविदात्मक पदों की पूर्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं:

(i) वरिष्ठ सलाहकार (नवाचार एवं स्टार्ट-अप)
(ii) वरिष्ठ सलाहकार (डेटा विश्लेषण)
(iii) सलाहकार / विशेषज्ञ (वैज्ञानिक अनुसंधान)
(iv) सलाहकार (कौशल विकास एवं प्रशिक्षण)

उपरोक्त पदों हेतु आवेदन जमा करने के लिए पात्रता, योग्यता, अनुभव, पारिश्रमिक, आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि आदि से संबंधित विस्तृत जानकारी वस्त्र मंत्रालय की वेबसाइटों www.texmin.gov.in एवं https://nttm.texmin.gov.in पर उपलब्ध है।

आवेदन की अंतिम तारीख: 24 जुलाई, 2026

जुलाई, 2026
वस्त्र मंत्रालय,
नई दिल्ली
CBC 41101/11/0005/2627

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल प्रक्षेत्र - 1, गोमंतिका परिसर, जवाहर चौक, भोपाल
आम सूचना

हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी, हर्षवर्धन नगर, भोपाल में स्थित भवन क्रमांक सीनियर एल.आई.जी.-22 मण्डल द्वारा (1) श्रीमती किरण सिंह पत्नी श्री बृजेन्द्र बहादुर सिंह (2) डॉ. श्रीमती ज्योति सिंह पत्नी डॉ लाल प्रणय सिंह के नामों से हस्तांतरित है। उक्त सम्पत्ति का विक्रय विलेख का पंजीयन उप पंजीयक कार्यालय से दिनांक 14/03/2011 को पंजीकृत है। इनमें से श्रीमती किरण सिंह ने अपना अविभाजित हिस्सा डॉ. श्रीमती ज्योति सिंह पत्नी डॉ लाल प्रणय सिंह को हक त्याग विलेख के माध्यम से दान कर दिया है। जिसका हक त्याग विलेख दिनांक 05/03/2026 को पंजीयन कार्यालय से पंजीकृत है। आवेदक डॉ. श्रीमती ज्योति सिंह पत्नी डॉ लाल प्रणय सिंह द्वारा मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, हक त्याग विलेख की छायाप्रति एवं मण्डल का निर्धारित आवेदन पत्र व अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति में से श्रीमती किरण सिंह का नाम विलोपित कर डॉ. श्रीमती ज्योति सिंह पत्नी डॉ लाल प्रणय सिंह के एकल नाम हस्तांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त दस्तावेजों के आधार पर उक्त सम्पत्ति में हस्तांतरण की कार्यवाही की जा रही है। यदि उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति / संस्था / वित्तीय संस्था इत्यादि को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के अन्दर लिखित रूप में मय सबूत के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। समयावधि समाप्त होने के पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी एवं मण्डल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह नि. एवं अधो. वि. म. प्रक्षेत्र-1. भोपाल

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल प्रक्षेत्र - 1, गोमंतिका परिसर, जवाहर चौक, भोपाल
आम सूचना

हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी, नेहरू नगर, भोपाल में स्थित शेड क्रमांक- एस/931 मण्डल द्वारा श्री सौरभ कुमार जैन आत्मज स्व. श्री संतोष कुमार जैन के नाम से आवंटित है। उक्त सम्पत्ति का विक्रय विलेख पंजीयन कार्यालय से दिनांक 06/11/2012 को पंजीकृत किया गया है। श्री सौरभ कुमार जैन आत्मज स्व. श्री संतोष कुमार जैन द्वारा उक्त सम्पत्ति श्री पवन कुमार भरतेलिया आत्मज श्री कोमलचन्द्र भरतेलिया को विक्रय विलेख के माध्यम से विक्रय कर दिया है। जिसका विक्रय विलेख दिनांक 16/06/2026 को पंजीयन कार्यालय से पंजीकृत है। क्रेता / विक्रेता द्वारा आवेदन, शपथ पत्र, संयुक्त शपथ पत्र, विक्रय विलेख की छायाप्रति प्रस्तुत करते हुये उक्त सम्पत्ति श्री पवन कुमार भरतेलिया आत्मज श्री कोमलचन्द्र भरतेलिया के पक्ष से हस्तांतरित करने हेतु दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। उक्त दस्तावेजो के आधार पर उक्त सम्पत्ति के हस्तांतरण की कार्यवाही की जा रही है। यदि उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति / उत्तराधिकारी / संस्था / वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के अन्दर लिखित रूप में मय सबूत के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। समयावधि समाप्त होने के पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी एवं मण्डल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह नि. एवं अधो. वि. म. प्रक्षेत्र-1. भोपाल

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल प्रक्षेत्र - 1, गोमंतिका परिसर, जवाहर चौक, भोपाल
आम सूचना

हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी, करोंद, बैरसिया रोड, भोपाल में स्थित शेड / भूखण्ड क्रमांक- 659/बी मण्डल द्वारा श्री सैय्यद उल्लाह खान आत्मज श्री बशरत उल्ला के नाम से आवंटित है। उक्त सम्पत्ति का विक्रय विलेख पंजीयन कार्यालय से दिनांक 09/05/2006 को पंजीकृत है। श्री सैय्यद उल्लाह खान द्वारा उक्त सम्पत्ति श्रीमती सिफतनाज को विक्रय विलेख के माध्यम से विक्रय कर दिया है। जिसका विक्रय विलेख दिनांक 01/11/2007 को पंजीयन कार्यालय से पंजीकृत है। उक्त सम्पत्ति का हस्तांतरण नहीं हो पाया। तत्पश्चात श्रीमती सिफतनाज द्वारा उक्त सम्पत्ति श्री मुनव्वर हुसैन आत्मज श्री अफसर हुसैन को विक्रय विलेख के माध्यम से विक्रय कर दिया है। जिसका विक्रय विलेख दिनांक 30/03/2012 2012 को पंजीयन कार्यालय से पंजीकृत है। उक्त सम्पत्ति का हस्तांतरण नही हो पाया। इसी बीच श्री मुनव्वर हुसैन का स्वर्गवास दिनांक 24/01/2022 को उसके पश्चात उनके वारिस व पत्नी श्रीमती रजिया बानो पत्नी स्व. श्री मुनव्वर हुसैन द्वारा उक्त सम्पत्ति श्रीमती जरीना बानो पत्नी श्री मोहम्मद सलीम को विक्रय विलेख के माध्यम से विक्रय कर दिया है। जिसका विक्रय विलेख दिनांक 20/04/2023 को पंजीयन कार्यालय से पंजीकृत है। उक्त सम्पत्ति का हस्तांतरण नही हो पाया। क्रेता / विक्रेता द्वारा आवेदन, शपथ पत्र, संयुक्त शपथ पत्र, विक्रय विलेख की छायाप्रति प्रस्तुत करते हुये उक्त सम्पत्ति श्री सैय्यद उल्लाह खान से श्रीमती सिफतनाज के पक्ष, श्रीमती सिफतनाज से श्री मुनव्वर हुसैन के पक्ष एवं स्व. श्री मुनव्वर हुसैन से श्रीमती रजिया बानो के पक्ष में नामांतरण एवं श्रीमती रजिया बानो से श्रीमती जरीना बानो पत्नी श्री मोहम्मद सलीम के पक्ष से हस्तांतरित करने हेतु दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। उक्त दस्तावेजो के आधार पर उक्त सम्पत्ति के हस्तांतरण की कार्यवाही की जा रही है। यदि उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति / उत्तराधिकारी / संस्था / वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के अन्दर लिखित रूप में मय सबूत के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। समयावधि समाप्त होने के पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी एवं मण्डल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह नि. एवं अधो. वि. म. प्रक्षेत्र-1. भोपाल

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल प्रक्षेत्र - 1, गोमंतिका परिसर, जवाहर चौक, भोपाल
आम सूचना

हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी, माचना कॉलोनी, शिवाजी नगर, भोपाल में स्थित फ्लेट क्रमांक एल.आई.जी./बी - 16 भू तल मण्डल द्वारा श्रीमती मिनुकूरी निर्मला रेड्डी (पी निर्मला रेड्डी) पत्नी श्री पी. अजय कुमार रेड्डी पुत्री श्री वेनकटा रेड्डी के नाम से हस्तांतरित है। उक्त सम्पत्ति का विक्रय विलेख पंजीयन कार्यालय से दिनांक 25/10/2011 को पंजीकृत है। श्रीमती मिनुकूरी निर्मला रेड्डी (पी निर्मला रेड्डी) पत्नी श्री पी. अजय कुमार रेड्डी, पुत्री श्री वेनकटा रेड्डी द्वारा उक्त सम्पत्ति श्री गौरव जैन आत्मज श्री विनोद कुमार जैन को विक्रय विलेख के माध्यम से विक्रय कर दिया है। जिसका विक्रय विलेख दिनांक 16/07/2026 को पंजीयन कार्यालय से पंजीकृत है। क्रेता / विक्रेता द्वारा आवेदन, शपथ पत्र, संयुक्त शपथ पत्र, दान पत्र की छायाप्रति प्रस्तुत करते हुये उक्त सम्पत्ति श्री गौरव जैन आत्मज श्री विनोद कुमार जैन के पक्ष से हस्तांतरित करने हेतु दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। उक्त दस्तावेजो के आधार पर उक्त सम्पत्ति के हस्तांतरण की कार्यवाही की जा रही है। यदि उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति / उत्तराधिकारी / संस्था / वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के अन्दर लिखित रूप में मय सबूत के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। समयावधि समाप्त होने के पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी एवं मण्डल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह नि. एवं अधो. वि. म. प्रक्षेत्र-1. भोपाल

आवश्यकता है | खरीदना है | बेचना है | व्यापार | चिकित्सा | ज्योतिष | डिस्प्ले विज्ञापन
हरिभूमि क्लासीफाइड
संपर्क सूत्र : 9407279644

JAWAHARLAL NEHRU COLLEGE
Affiliated to Barkatullah University, Bhopal, Recognised by Govt. of M.P. & NCTE New Delhi
DIRECT ADMISSION
QUALITY EDUCATION | AFFORDABLE FEES | A BETTER FUTURE
COURSES OFFERED
UNDERGRADUATE PROGRAMMES (UG)
• B.A. • B.Com. (Plain) • B.Com. (Computer Application) • B.B.A.
• B.C.A. • B.Sc. (Computer Science / IT) • B.Sc. PCM/CBZ
• B.Sc. Microbiology / Biotechnology
• B.Sc. Electronics/Environmental Science • B.Lib.I.Sc. • B.P.E.S.
POSTGRADUATE & DIPLOMA PROGRAMMES (PG)
• M.Sc. • Physics • Botany • Zoology • Microbiology • Biotechnology • Computer Science • Mathematics
• M.A. • English • Urdu • Political Science • Sociology • Economics
• M.Com. • M.Lib.I.Sc. • Chemistry • P.G.D.C.A.
• P.G. Diploma in Yogic Science
ADMISSION HELPLINE 7000306323
8889560478 | 9098276651 | 9826264575 | 8085377716
PROFESSIONAL COURSES CAMPUS D.El.Ed. B.Ed. B.P.Ed. M.P.Ed. M.Ed.
Mugalia Hat, Parwalia Sadak, Bhopal
Add.: 56-C, Shyamla Hills, Opp. Khushbu Park, Civil Lines, Bhopal
0755-2660949, 2661064 www.jncbpl.com jlnpgcollege_bhopal@yahoo.com

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (धन भेजने, लोन संबंधित, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित अथवा अनुबंध) से पहले अच्छी तरह जाँच पड़ताल कर लें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किये किसी विज्ञापन दाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि की जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक संपादक और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाये किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

\- व्यावस्थापक

हरिभूमि भोपाल बाजार
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
मो. 9407279644

प्लाट मात्र 3,55,000 हजार में आसान किश्तों पर
साईट:- 220 फिट रिंग रोड न्यू बायपास से लगी हुई
डायवर्सन एवं NOC एप्रूव्ड
आफिस इंडिया प्रोप्रटी करोंद भोपाल
मो. 7772079910

Medical Help Line
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें : मो.9407279644

नये दागों का आना तुरन्त बंद
सफेद दाग
सफल ईलाज का 40 वर्षो का अनुभव
Timing 10:30 am to 8:00 pm
Dr. Safi's HOMEOPATHIC CLINIC
कृपया फोन पर अपॉइंटमेंट लें।
M : 9425006131, 9827249409
5/4, संजय कॉम्पलेक्स माता मंदिर, टी.टी. नगर भोपाल | सौलत मंजिल पुरानी कजियात के सामने मोती मस्जिद भोपाल

वैवाहिकी
वधु चाहिए

वधु चाहिए- 34 वर्ष-5'6'' मनवा (कुर्मी), (US) अमेरिका में सॉफ्टवेयर इंजिनियर हेतु शिक्षित मांगलिक वधु चाहिए मो.- 99819-096941, 97552-05590 (मैरिज ब्यूरो क्षमा करें) (313)

नाम परिवर्तन

मै, प्रेम सिंह पुत्र श्री हरी सिंह आयु 56 वर्ष निवासी-107, ग्राम- डूका, खड़ी, आष्टा, जिला-सीहोर म.प्र. का निवासी होकर शपथ पूर्वक निम्नलिखित कथन करता हूँ कि मेरे शासकीय/अशासकीय दस्तावेंजो मे मेरा नाम प्रेम सिंह (Prem Singh) पुत्र श्री हरी सिंह (Hari Singh) दर्ज हैं । यह कि मेरे आधार कार्ड मे त्रुटिवश मेरा नाम पीरू सिंह राजपूत (Piru Singh Rajput) पुत्र हरजी राजपूत (Harji Rajpput) दर्ज हो गया है जो कि गलत है मेरा सही नाम व सरनेम प्रेम सिंह (Prem Singh) पुत्र श्री हरी सिंह (Hari Singh) है जो सही एवं सत्य है मैं इसी नाम व सरनेम से जाना पहचाना जाता हूँ। शपथ पत्र मेरे द्वारा अपने नाम परिवर्तन के संबंध में श्रीमान उप पंजीयक महोदय, शासकीय मुद्रण एवं लेखन सामग्री भोपाल म.प्र. मे प्रस्तुत किया जा रहा है।
शपथ पत्र-CA 432385

राशिफल

मेष: मन प्रसन्न रहेगा। परिवार में सुख-शान्ति रहेगी। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। भवन के रख-रखाव एवं साज-सज्जा के कार्यों पर खर्च बढ़ेंगे।

वृष: आत्मविश्वास में कमी रहेगी। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय हो सकती है।

मिथुन: मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु फिर भी आत्मसंयत रहें। रहन-सहन भी अव्यवस्थित रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। स्वाथ्य का ध्यान रखें।

कर्क: पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ बढ़ेगी। कारोबार के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। भाइयों का सहयोग रहेगा। यात्रा के योग बन रहे हैं।

सिंह: व्यर्थ के क्रोध से बचें। बातचीत में सन्तुलित रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। व्यवधान आ सकते हैं। आय में कमी आ सकती है।

कन्या: अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

तुला: पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी।

वृश्चिक: व्यर्थ के क्रोध से बचें। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं।

धनु: मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। संयत रहें। व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद-परिणाम मिलेंगे। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर: आत्मसंयत रहें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी और आय के साधन भी बनेंगे। खर्च भी बढ़ेंगे। रुचि बढ़ेगी।

कुंभ: मन शान्त तो रहेगा। फिर भी धैयशीलता बनाये रखने का प्रयास करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है।

मीन: मन अशान्त तो हो सकता है। वाणी में मधुरता भी रहेगी। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है।

शब्द पहेली - 6291

बाएँ से दाएँ
1.आरोपित, तथाकथ्य-5
4.प्रलय, वज्रपात-4
7.परिमाण, माप-2
8.प्लेट,तश्तरी-3
9.भीगा हुआ-2
10.वेश्या, गणिका-4
11.ज्वालामुखी से निकला द्रव पर्दाथ-2
13.अपवित्र (उर्दू-3)
14.दान करने वाला-2
15.आंचल-3
17.पंख-2
19.चाहे जो भी हो -5
22.अनूठापन,विचित्रता-5
25.उम्मीद,आस-2
26.अनाशवान,अक्षय-3
28.सुनील शेट्टी की पहली फिल्म-2
29.बंदर, मर्कट-3
30.सम्मान, आदर-2
32.करामात,करिश्मा-4
34.नवीन,नव-2
36.नसीरुद्दीन और अर्चना पूरणसिंह की फिल्म-3
37.शारीरिक ऊंचाई-2
38.भाग्य,लक-4
39.रावण,दशानन-5

ऊपर से नीचे
1.तपस्या-2
2.कॉफी-3
3.तरफदारी करनेवाला-5
4.जन जाति, झुंड-3
5.वोट-2
6.बढ़ई,खाती-4
7.जो मुनासिब न हो-5
10.भाग्य (उर्दू-4)
12.प्रतिज्ञा,वचन-2
16.राजा,राजन-3
17.क्षण-2
18.संपूर्ण,देवी का एक नाम-2
20.रनिवास (उर्दू-3)
21.नुकसान,घाटा-2
22.रजनी, रात्रि-2
23.अनुपम,बेजोड़-4
24.जिसे घर में ही कैद किया गया हो-5
25.आतंक फैलानेवाला-5
26.धरोहर,थाती-4
27.लक्ष्मी-2
31.निगाह,दृष्टि-3
33.बैचेनी,परेशानी,संघर्ष-3
35.लद्दाख में पाया जानेवाला बैल जैसा एक जानवर-2
37.टैक्स, हाथ-2

शब्द पहेली- 6290 का हल

ल	गा	म		अ		त	र	ब	त	र
ल		त	म	स		ह	म	ला		खै
क	श			ल		ल			का	ल
	ही		क	हा	नी	का	र		र	
ब	द	मा	श		र		च	म	क	ना
			ल	क्ष		सी	ना			
र	त	ज	गा		आ		का	म	या	ब
	र		ना	ना	स	सु	र		च	
रा	ह			म		रा			क	म
ह		त	ना	व		पा	य	ल		हु
त	ल	ब	गा	र		न		ब	ल	वा

सूडोकू नवचाल - 6301

सरल

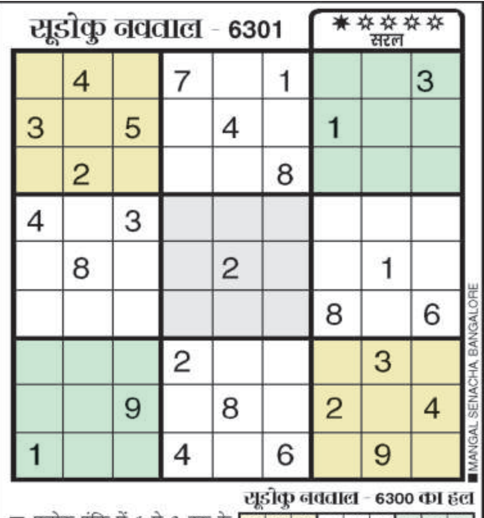

MANGAL SENACHA BANGALORE

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति एवं 3x3 के वर्ग में किसी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
■ पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकू नवचाल - 6300 का हल

9	2	7	4	8	6	5	3	1
5	1	6	3	2	9	4	8	7
3	4	8	7	1	5	9	6	2
8	3	4	9	5	1	2	7	6
7	6	5	8	4	2	3	1	9
1	9	2	6	3	7	8	5	4
6	7	3	2	9	8	1	4	5
2	8	1	5	7	4	6	9	3
4	5	9	1	6	3	7	2	8

मिड या स्मॉल-कैप फंड: 10 साल में किसने दिखाया दम

दोनों श्रेणियों ने दिया शानदार रिटर्न, लेकिन जोखिम और उतार-चढ़ाव में मिड-कैप बेहतर

दोनों का निफ्टी-50 से बेहतर रहा प्रदर्शन

- सिर्फ ज्यादा रिटर्न पर न करें फैसला, पहले जोखिम व वोलैटिलिटी भी समझें
- स्मॉल-कैप ने बेंचमार्क को पीछे छोड़ा, मिड-कैप कम जोखिम संग बेहतर
- विशेषज्ञ बोले, गिरावट से घबराने के बजाय विविधीकृत पोर्टफोलियो अपनाएं
- दोनों फंडों में संपत्ति बनाने की क्षमता, लेकिन क्षमता के अनुसार करें फैसला
- विविधीकरण और लंबी अवधि बेहतर रिटर्न दिलाने की सबसे कारगर रणनीति

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले अधिकांश निवेशकों के सामने सबसे बड़ा सवाल होता है कि लंबी अवधि के लिए मिड-कैप फंड चुनें या स्मॉल-कैप फंड। दोनों श्रेणियों ने पिछले एक दशक में शानदार रिटर्न दिए हैं और निवेशकों की संपत्ति में उल्लेखनीय वृद्धि की है। हालांकि, सिर्फ रिटर्न देखकर निवेश का फैसला करना सही नहीं होता। किसी भी निवेश विकल्प का चयन करते समय उसके जोखिम, उतार-चढ़ाव, निवेश अवधि और वित्तीय लक्ष्य को भी ध्यान में रखना जरूरी है। एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले 10 वर्षों में मिड-कैप और स्मॉल-कैप दोनों श्रेणियों ने लंबी अवधि के निवेशकों को आकर्षक रिटर्न दिया है। जहां स्मॉल-कैप फंड का औसत 10 वर्षीय वार्षिक रिटर्न (सीएजीआर) 16.69 प्रतिशत रहा, वहीं मिड-कैप फंड ने 16 प्रतिशत का औसत रिटर्न दिया। यानी दोनों के बीच रिटर्न का अंतर बहुत अधिक नहीं है, लेकिन जोखिम और प्रदर्शन के तरीके में स्पष्ट अंतर दिखाई देता है।

स्मॉल-कैप ने बेंचमार्क को पछाड़ा

आंकड़ों के अनुसार, स्मॉल-कैप फंड अपने बेंचमार्क बीएसई 250 स्मॉलकैप टोटल रिटर्न इनडेक्स से बेहतर प्रदर्शन करने में सफल रहे। दूसरी ओर, मिड-कैप फंड अपने बेंचमार्क बीएसई 150 मिडकैप टोटल रिटर्न इनडेक्स से थोड़ा पीछे रहे। इससे यह संकेत मिलता है कि स्मॉल-कैप फंड मैनेजरों ने बेहतर स्टॉक चयन के जरिए अतिरिक्त रिटर्न (अल्फा) बनाने में सफलता हासिल की। 10 वर्षों के प्रदर्शन में निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप डायरेक्ट, क्वांट स्मॉल कैप, एक्सिस स्मॉल कैप और एसबीआई स्मॉल कैप जैसे फंड शीर्ष प्रदर्शनकर्ताओं में शामिल रहे। वहीं मिड-कैप श्रेणी में इनवेस्को इंडिया मिड कैप, एडलवाइस मिड कैप, निप्पॉन इंडिया ग्रोथ और कोटक मिडकैप फंड ने बेहतरीन प्रदर्शन किया।

रिटर्न के साथ जोखिम भी समझें

अक्सर निवेशक केवल अधिक रिटर्न देखकर निवेश कर देते हैं, जबकि वास्तविक तस्वीर जोखिम के आंकड़ों से सामने आती है। पिछले तीन वर्षों के आंकड़ों के अनुसार, स्मॉल-कैप फंड का स्टैंडर्ड डिविएशन 20.33 प्रतिशत रहा, जबकि मिड-कैप फंड का यह आंकड़ा 17.88 प्रतिशत था। इसका मतलब है कि स्मॉल-कैप फंड में कीमतों का उतार-चढ़ाव ज्यादा रहा और इनमें निवेश करने वालों को अधिक अस्थिरता का सामना करना पड़ा। इसी तरह जोखिम के मुकाबले मिलने वाले रिटर्न को मापने वाले शार्प रेशियो में भी मिड-कैप फंड आगे रहे। मिड-कैप फंड का शार्प रेशियो 0.79 रहा, जबकि स्मॉल-कैप फंड का 0.69। इसका अर्थ है कि मिड-कैप फंड ने अपेक्षाकृत कम जोखिम लेकर बेहतर जोखिम-समायोजित रिटर्न दिया। हालांकि दोनों श्रेणियों का सॉर्टिनो रेशियो समान रहा, जिससे स्पष्ट होता है कि डाउनसाइड जोखिम को ध्यान में रखने पर दोनों का प्रदर्शन लगभग बराबर रहा।

लंबी अवधि के निवेशकों को मिला फायदा : विशेषज्ञों का मानना है कि पिछले 10 वर्षों की सबसे बड़ी सीख यही है कि जिन्होंने बाजार की गिरावट के दौरान घबराकर निवेश नहीं निकाला और लंबे समय तक निवेश बनाए रखा, उन्हें दोनों श्रेणियों में शानदार रिटर्न मिला। बाजार में गिरावट हर चक्र का सामान्य हिस्सा है और इसे निवेश यात्रा का स्वाभाविक चरण माना जाना चाहिए। मिड-कैप और स्मॉल-कैप फंड को केवल अधिक उतार-चढ़ाव के कारण नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। लंबी अवधि में दोनों श्रेणियों ने निफ्टी 50 से बेहतर प्रदर्शन किया है और निवेशकों के लिए अच्छी संपत्ति बनाने की क्षमता दिखाई है।

विविधीकरण सबसे बेहतर रणनीति

विशेषज्ञों का कहना है कि पूरे निवेश को केवल स्मॉल-कैप या केवल मिड-कैप में लगाना समझदारी नहीं है। बेहतर रणनीति यह है कि निवेशकों का पोर्टफोलियो सभी मार्केट कैप में संतुलित रूप से विभाजित हो। उदाहरण के तौर पर यदि किसी निवेशक के 10 लाख रुपये पूरी तरह स्मॉल-कैप फंड में लगे हों और बाजार में गिरावट आए, तो पूरे पोर्टफोलियो पर उसका असर पड़ेगा। जबकि यदि पोर्टफोलियो में लगभग 55 प्रतिशत लार्ज-कैप, 23 प्रतिशत मिड-कैप और 22 प्रतिशत स्मॉल-कैप का संतुलित निवेश हो, तो बाजार की गिरावट का प्रभाव काफी कम हो सकता है। यही कारण है कि वित्तीय योजनाकार हमेशा विविधीकरण को सफल निवेश की सबसे महत्वपूर्ण रणनीति मानते हैं।

किस निवेशक के लिए कौन सा फंड?

यदि आपकी निवेश अवधि 7 से 10 वर्ष या उससे अधिक है और आप बाजार के उतार-चढ़ाव को सहन कर सकते हैं, तो स्मॉल-कैप फंड आपके पोर्टफोलियो में बेहतर वृद्धि की संभावना जोड़ सकते हैं। वहीं यदि आप अच्छा रिटर्न चाहते हैं लेकिन अपेक्षाकृत कम जोखिम लेना पसंद करते हैं, तो मिड-कैप फंड अधिक उपयुक्त विकल्प हो सकते हैं। पहली बार निवेश करने वालों के लिए भी सलाह दी जाती है कि वे सीधे स्मॉल-कैप में बड़ी राशि लगाने के बजाय लार्ज-कैप और मिड-कैप के साथ सीमित हिस्सेदारी स्मॉल-कैप में रखें।

एसआईपी धन सृजन का सबसे प्रभावी तरीका

पिछले 10 वर्षों का रिकॉर्ड बताता है कि मिड-कैप और स्मॉल-कैप दोनों श्रेणियों ने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। जहां स्मॉल-कैप फंड ने थोड़ा अधिक रिटर्न और बेहतर अल्फा दिया, वहीं मिड-कैप फंड ने कम उतार-चढ़ाव और बेहतर जोखिम-समायोजित प्रदर्शन के दम पर अपनी अलग पहचान बनाई। निवेशकों को केवल अधिक रिटर्न के आकर्षण में निर्णय लेने के बजाय अपने वित्तीय लक्ष्य, निवेश अवधि और जोखिम उठाने की क्षमता के आधार पर पोर्टफोलियो तैयार करना चाहिए। नियमित एसआईपी, लंबी अवधि का नजरिया और विविधीकृत निवेश रणनीति ही धन सृजन का सबसे प्रभावी तरीका साबित हो सकती है।

बहुत ज्यादा एसआईपी से नहीं, सही रणनीति से बनेगी दौलत

नया म्यूचुअल फंड जोड़ने से पहले जांचें कि वास्तव में जरूरत है या नहीं

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में बढ़ती जागरूकता के साथ म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। बड़ी संख्या में निवेशक हर महीने सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश कर रहे हैं। अक्सर यह धारणा बन जाती है कि जितने अधिक म्यूचुअल फंड होंगे, उतना ही बेहतर रिटर्न मिलेगा और जोखिम कम होगा। लेकिन निवेश विशेषज्ञों का कहना है कि यह सोच हमेशा सही नहीं होती। कई बार जरूरत से ज्यादा फंड रखने से पोर्टफोलियो में एक जैसी कंपनियों का दोहराव बढ़ जाता है, जिससे वास्तविक विविधीकरण नहीं हो पाता और निवेश का उद्देश्य भी प्रभावित हो सकता है।

फंडों की संख्या नहीं, गुणवत्ता और उद्देश्य है महत्वपूर्ण

विशेषज्ञों के अनुसार, किसी निवेशक के लिए कितनी एसआईपी या कितने म्यूचुअल फंड होने चाहिए, इसका कोई तय नियम नहीं है। यह पूरी तरह निवेश राशि, वित्तीय लक्ष्य, निवेश अवधि और जोखिम उठाने की क्षमता पर निर्भर करता है। यदि कोई निवेशक हर महीने 10 से 15 हजार रुपये की एसआईपी करता है, तो उसके लिए चार से छह अच्छे म्यूचुअल फंड पर्याप्त हो सकते हैं। वहीं, 40 से 50 हजार रुपये या उससे अधिक की मासिक एसआईपी करने वाले निवेशक आठ से दस फंड तक रख सकते हैं। हालांकि, इन फंडों का चयन अलग-अलग श्रेणियों और अलग-अलग एसेट मैनेजमेंट कंपनियों (एएमसी) से होना चाहिए, ताकि पोर्टफोलियो में वास्तविक विविधीकरण बना रहे।

ओवर-डाइवर्सिफिकेशन से भी हो सकता है नुकसान

निवेश में विविधीकरण जरूरी है, लेकिन जरूरत से ज्यादा विविधीकरण नुकसानदेह भी हो सकता है। यदि किसी निवेशक के कई फंड एक ही तरह की कंपनियों में निवेश करते हैं, तो फंडों की संख्या बढ़ने के बावजूद जोखिम कम नहीं होता। उदाहरण के लिए यदि किसी निवेशक के पास 10 इक्विटी फंड हैं और अधिकांश फंड एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक जैसी बड़ी कंपनियों में ही निवेश करते हैं, तो अलग-अलग स्कीम होने के बावजूद वास्तविक निवेश लगभग समान रहेगा। ऐसे में पोर्टफोलियो केवल दिखने में बड़ा होगा, लेकिन उसमें नई विविधता नहीं जुड़ेगी।

पोर्टफोलियो ओवरलैप पर रखें नजर

म्यूचुअल फंड चुनते समय सबसे महत्वपूर्ण बात पोर्टफोलियो ओवरलैप होती है। इसका अर्थ है कि दो अलग-अलग फंडों में कितनी समान कंपनियां शामिल हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि दो फंडों के बीच 20 से 30 प्रतिशत तक ओवरलैप है, तो इसे सामान्य माना जा सकता है। लेकिन यदि यह 40 से 50 प्रतिशत या उससे अधिक हो जाए, तो निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा करनी चाहिए। अधिक ओवरलैप का मतलब है कि अलग-अलग फंड रखने के बावजूद निवेश लगभग एक जैसी कंपनियों में ही हो रहा है।

हर नया एनएफओ खरीदना जरूरी नहीं

कई निवेशक बाजार में आने वाले हर नए म्यूचुअल फंड ऑफर (एनएफओ) में निवेश कर देते हैं। उन्हें लगता है कि नया फंड भविष्य में बेहतर रिटर्न देगा। जबकि वास्तविकता यह है कि किसी भी एनएफओ में निवेश करने से पहले उसकी निवेश रणनीति, उद्देश्य और मौजूदा पोर्टफोलियो से उसका अंतर समझना जरूरी है। यदि नया फंड वही काम कर रहा है जो पहले से मौजूद फंड कर रहे हैं, तो उसमें निवेश करना केवल दोहराव बढ़ाएगा।

संतुलित एसेट एलोकेशन है सफलता की कुंजी

विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि निवेशकों को बाजार की तेजी या गिरावट देखकर फैसले लेने से बचना चाहिए। इसके बजाय लक्ष्य आधारित निवेश रणनीति अपनानी चाहिए। इक्विटी पोर्टफोलियो में लगभग 55 प्रतिशत निवेश लार्ज कैप, 25 प्रतिशत मिड कैप और 20 प्रतिशत स्मॉल कैप फंड में रखने से संतुलन बनाया जा सकता है। इसके साथ ही जरूरत के अनुसार डेट फंड या अन्य परिसंपत्तियों में भी निवेश रखना चाहिए, ताकि बाजार में उतार-चढ़ाव का प्रभाव कम हो।

छोटी-छोटी बचत से बनाएं बड़ा फंड, भविष्य होगा सुरक्षित

- लाइफस्टाइल से समझौता किए बिना हर माह कुछ न कुछ बचत करें
- अच्छी बचत का मतलब कंजूसी नहीं, बल्कि समझदारी से खर्च करना
- आय, खर्च और निवेश के बीच संतुलन बनाया जाना जरूरी
- स्मार्ट मनी मैनेजमेंट से वर्तमान और भविष्य दोनों होंगे खुशहाल
- हर खरीदारी से पहले खुद से सवाल पूछें क्या यह वास्तव में जरूरी है

मनी मंत्रा

बिजनेस डेस्क

बढ़ती महंगाई, बदलती जीवनशैली और बढ़ते खर्चों के बीच हर व्यक्ति की सबसे बड़ी चिंता होती है कि आखिर बचत कैसे बढ़ाई जाए। आम धारणा यह है कि पैसे बचाने के लिए अपनी पसंद, शौक और मनोरंजन पर रोक लगानी पड़ती है, लेकिन वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि अच्छी बचत का मतलब कंजूसी करना नहीं, बल्कि समझदारी से खर्च करना है। यदि आय, खर्च और निवेश के बीच संतुलन बनाया जाए तो बिना लाइफस्टाइल से समझौता किए हर महीने अच्छी-खासी बचत की जा सकती है। दरअसल, आज के समय में वित्तीय सुरक्षा केवल अधिक कमाई पर निर्भर नहीं करती, बल्कि इस बात पर भी निर्भर करती है कि कमाई का कितना हिस्सा सही तरीके से उपयोग और निवेश किया जा रहा है। यदि व्यक्ति छोटी-छोटी वित्तीय आदतों में बदलाव कर ले तो वह न केवल अपने मासिक खर्चों को नियंत्रित कर सकता है, बल्कि भविष्य के बड़े वित्तीय लक्ष्यों जैसे घर खरीदना, बच्चों की शिक्षा, रिटायरमेंट और इमरजेंसी फंड को भी आसानी से पूरा कर सकता है।

खर्चों का रिकॉर्ड रखना बचत की पहली सीढ़ी

वित्तीय योजना की शुरुआत हमेशा इस सवाल से होती है कि आपका पैसा आखिर खर्च कहां हो रहा है। अधिकांश लोग यह मानते हैं कि वे बहुत अधिक खर्च नहीं करते, लेकिन जब महीनेभर के बैंक स्टेटमेंट या डिजिटल भुगतान का रिकॉर्ड देखा जाता है तो कई ऐसे खर्च सामने आते हैं, जिनकी वास्तव में कोई जरूरत नहीं होती। बिना इस्तेमाल वाले ओटीटी सब्सक्रिप्शन, बार-बार ऑनलाइन खाना मंगाना, छोटी-छोटी ऑनलाइन शॉपिंग, महंगी कॉफी या बार-बार कैब का उपयोग जैसी आदतें महीने के अंत तक हजारों रुपये का अतिरिक्त खर्च करा देती हैं। यदि व्यक्ति अपने सभी खर्चों को मोबाइल ऐप, एक्सेल शीट या डायरी में दर्ज करना शुरू कर दे तो उसे तुरंत समझ आ जाएगा कि बचत की सबसे अधिक संभावना कहां है।

जरूरत और वैल्यू में फर्क समझना जरूरी

अक्सर लोग आकर्षक ऑफर या फैशन के प्रभाव में ऐसी चीजें खरीद लेते हैं, जिनकी उन्हें वास्तव में आवश्यकता नहीं होती। वित्तीय विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि हर खरीदारी से पहले खुद से तीन सवाल पूछें क्या यह वास्तव में जरूरी है? क्या इसका उपयोग लंबे समय तक होगा? और क्या इसे अभी खरीदना आवश्यक है? ऐसी वस्तुओं या अनुभवों पर खर्च करना बेहतर माना जाता है जो लंबे समय तक लाभ दें। उदाहरण के लिए, कोई नई स्किल सीखना, स्वास्थ्य पर खर्च करना, परिवार के साथ यात्रा करना या अच्छी किताबें खरीदना ऐसे निवेश हैं जो लंबे समय तक मूल्य देते हैं। इसके विपरीत केवल दिखावे के लिए की गई खरीदारी कुछ समय बाद महत्व खो देती है।

'फन बजट' बनाएं, बचत भी होगी व खुशी भी

कई लोग बचत करने के उत्साह में अपने सभी मनोरंजन संबंधी खर्च बंद कर देते हैं। शुरुआत में यह आसान लगता है, लेकिन कुछ समय बाद व्यक्ति मानसिक रूप से थक जाता है और फिर अचानक जरूरत से ज्यादा खर्च करने लगता है। इस स्थिति से बचने के लिए विशेषज्ञ हर महीने एक निश्चित राशि केवल मनोरंजन, घूमने-फिरने, फिल्म देखने या दोस्तों के साथ समय बिताने के लिए अलग रखने की सलाह देते हैं। इसे 'फन बजट' कहा जाता है। इससे व्यक्ति बिना किसी अपराधबोध के अपनी पसंद की गतिविधियों का आनंद ले सकता है और उसका कुल बजट भी नहीं बिगड़ता।

लाइफस्टाइल इन्फ्लेशन बड़ा वित्तीय जाल

वित्तीय दुनिया में एक शब्द काफी लोकप्रिय है। 'लाइफस्टाइल इन्फ्लेशन'। इसका मतलब है कि जैसे-जैसे आय बढ़ती है, वैसे-वैसे व्यक्ति अपने खर्च भी बढ़ा देता है। नई नौकरी मिलने पर महंगा मोबाइल खरीद लेना, वेतन बढ़ते ही लग्जरी कार की ईएमआई शुरू कर देना या हर सप्ताह महंगे रेस्टोरेंट जाना इसी प्रवृत्ति के उदाहरण हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि वेतन बढ़ने पर सबसे पहले बचत और निवेश की राशि बढ़ानी चाहिए। यदि हर वेतन वृद्धि का कम से कम 40 से 50 प्रतिशत हिस्सा सीधे एसआईपी, पीपीएफ, एनपीएस या अन्य निवेश विकल्पों में लगाया जाए तो कुछ वर्षों में बड़ा निवेश कोष तैयार किया जा सकता है।

रोजमर्रा की छोटी आदतों में करें बड़ा बदलाव

बचत के लिए हमेशा बड़े बदलाव की जरूरत नहीं होती। छोटी-छोटी आदतें भी लंबी अवधि में बड़ा असर डालती हैं। उदाहरण के लिए, किसी भी सामान को खरीदने से पहले ऑनलाइन कीमतों की तुलना करना, कैशबैक और डिस्काउंट ऑफर का लाभ उठाना, अनावश्यक गैजेट अपग्रेड से बचना, बिजली और पानी की बचत करना तथा सप्ताह में कुछ दिन बाहर खाने की बजाय घर का भोजन करना जैसी आदतें हर महीने अच्छी रकम बचा सकती हैं। इसी तरह क्रेडिट कार्ड का उपयोग केवल उतना ही करें, जितना समय पर चुका सकें। अनावश्यक ईएमआई से बचना और हर महीने आय का कम से कम 20 से 30 प्रतिशत बचत या निवेश के लिए अलग रखना वित्तीय अनुशासन का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है।

निवेशकों को मिला बड़ा फायदा

5 वर्ष में 101 इक्विटी फंड्स ने दोगुना किया निवेश

- 310 में से हर तीसरे फंड ने दिया 100% से अधिक रिटर्न
- चार स्कीमों ने सिर्फ तीन साल में किया कमाल
- पुराने रिटर्न देखकर निवेश न करें, सेक्टोरल फंड्स में लें एंट्री

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में पिछले दो वर्षों के उतार-चढ़ाव के बावजूद लंबी अवधि में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स ने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। आंकड़े बताते हैं कि पिछले पांच वर्षों में 310 इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में से 101 फंड्स ने निवेशकों का पैसा दोगुना या उससे अधिक कर दिया। यानी हर तीन में से लगभग एक इक्विटी फंड ने 100 फीसदी से ज्यादा एब्सोल्यूट रिटर्न दिया। इतना ही नहीं, चार म्यूचुअल फंड ऐसे भी रहे जिन्होंने केवल तीन वर्षों में ही निवेशकों का पैसा दोगुना कर दिया। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि निवेश का फैसला केवल पुराने रिटर्न के आधार पर नहीं करना चाहिए, क्योंकि बाजार और सेक्टर का प्रदर्शन समय के साथ बदलता रहता है।

इंफ्रास्ट्रक्चर और पीएसयू फंड्स रहे सबसे आगे

पांच साल के प्रदर्शन पर नजर डालें तो सबसे अधिक फायदा सेक्टोरल और थीमैटिक फंड्स में निवेश करने वालों को मिला। खासतौर पर इंफ्रास्ट्रक्चर, पीएसयू, पावर और मिडकैप से जुड़े फंड्स ने जबरदस्त रिटर्न दिए।

सबसे आगे आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इंफ्रास्ट्रक्चर फंड रहा, जिसने पांच साल में करीब 188 प्रतिशत का एब्सोल्यूट रिटर्न दिया। यानी एक लाख रुपये का निवेश लगभग 2.88 लाख रुपये हो गया। इसके बाद एसबीआई पीएसयू फंड और एलआईसी एमएफ इंफ्रास्ट्रक्चर फंड ने करीब 183 प्रतिशत का रिटर्न दिया। वहीं आदित्य बिड़ला सन लाइफ पीएसयू इक्विटी फंड ने 179 प्रतिशत, डीएसपी इंडिया टाइगर फंड ने 176.51 प्रतिशत और निप्पॉन इंडिया पावर एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड ने लगभग 174 प्रतिशत का रिटर्न दिया। डायवर्सिफाइड मिडकैप श्रेणी में मोतीलाल ओसवाल मिडकैप फंड ने पांच वर्षों में करीब 172 प्रतिशत का रिटर्न देकर निवेशकों को शानदार कमाई कराई।

तीन साल में पैसा दोगुना करने वाले फंड

अगर केवल तीन वर्षों के प्रदर्शन को देखें तो एचडीएफसी डिफेंस फंड सबसे आगे रहा। इस फंड ने करीब 174 प्रतिशत का एब्सोल्यूट रिटर्न दिया। यानी तीन साल पहले लगाए गए एक लाख रुपये बढ़कर लगभग 2.74 लाख रुपये हो गए। इसके अलावा बंधन स्मॉल कैप फंड ने 106 प्रतिशत, क्वांट बीएफएसआई फंड ने 101.73 प्रतिशत और एलआईसी एमएफ इंफ्रास्ट्रक्चर फंड ने 100.24 प्रतिशत का रिटर्न देकर निवेशकों का पैसा दोगुना कर दिया। हालांकि एसबीआई पीएसयू फंड 99.12 प्रतिशत रिटर्न के साथ इस सूची में शामिल होने से मामूली अंतर से चूक गया।

किन सेक्टरों ने दिलाया सबसे ज्यादा फायदा

पिछले कुछ वर्षों में जिन सेक्टरों ने निवेशकों को सबसे अधिक लाभ पहुंचाया, उनमें डिफेंस, इंफ्रास्ट्रक्चर, पीएसयू, पावर, स्मॉलकैप, हेल्थकेयर और बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाएं (बीएफएसआई) प्रमुख रहे। इन क्षेत्रों में सरकार के पूंजीगत खर्च, रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता, सार्वजनिक उपक्रमों के बेहतर प्रदर्शन और आर्थिक गतिविधियों में तेजी का सकारात्मक असर देखने को मिला। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि सेक्टोरल फंड हमेशा एक जैसी तेजी नहीं दिखाते। इनमें तेजी और मंदी आर्थिक चक्र के अनुसार आती-जाती रहती है।

क्या अब भी इनमें निवेश करना सही रहेगा?

आनंद राठी वेल्थ के संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी फिरोज अजीज का कहना है कि निवेशकों को केवल पिछले शानदार रिटर्न देखकर किसी सेक्टोरल या थीमैटिक फंड में निवेश नहीं करना चाहिए। किसी भी फंड का पिछला प्रदर्शन भविष्य में उसी तरह के रिटर्न की गारंटी नहीं देता। उनके अनुसार, सेक्टोरल फंड्स में सही समय पर निवेश करना और सही समय पर बाहर निकलना काफी महत्वपूर्ण होता है।

दो साल में कई स्टार फंड्स की रफ्तार हुई धीमी

- पांच वर्षों में शानदार प्रदर्शन करने वाले कई फंड्स का पिछले दो वर्षों का प्रदर्शन अपेक्षाकृत कमजोर रहा है।
- उदाहरण के लिए, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इंफ्रास्ट्रक्चर फंड ने पिछले दो वर्षों में केवल 5.28 प्रतिशत रिटर्न दिया। एसबीआई पीएसयू फंड का रिटर्न 0.75 प्रतिशत रहा, जबकि आदित्य बिड़ला सन लाइफ पीएसयू इक्विटी फंड और इनवेस्को इंडिया पीएसयू इक्विटी फंड ने इस अवधि में नकारात्मक रिटर्न दर्ज किया।
- इसी तरह एचडीएफसी इंफ्रास्ट्रक्चर फंड और डीएसपी इंडिया टाइगर फंड का प्रदर्शन भी पिछले दो वर्षों में काफी धीमा रहा। इससे साफ है कि किसी सेक्टर में तेज रैली के बाद कुछ समय तक ठहराव या गिरावट आना सामान्य बात है।

संसद का मानसून सत्र इस बार 20 जुलाई से शुरू होने जा रहा है। यह 13 अगस्त तक चलेगा। इस सत्र में कुल 25 दिनों में 19 बैठकें होंगी। मोदी सरकार विदेशी अंशदान (नारेबाजी/चंदे) विनियमन संशोधन विधेयक और राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' के अपमान पर 3 साल की सजा का बिल जैसे कई नए विधेयक पेश करने की तैयारी में है। वहीं, मानसून सत्र में कांग्रेस समेत विपक्षी दल नीट-यूजी पेपर लीक, अन्य भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी, अयोध्या राम मंदिर दान विवाद, ई-20 ईंधन और विदेश नीति जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी में हैं। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि क्या संसद का यह सत्र भी एक बार फिर विपक्ष के प्रदर्शन और हंगामे की भेंट चढ़ जाएगा या इस बार देश को सार्थक और सकारात्मक विमर्श देखने को मिलेगा। संसद की कार्यवाही सुचारू रूप से चलाने के लिए सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच संवाद, सहमति और संसदीय नियमों का पालन आवश्यक है। संसद की गरिमा तभी बहाल हो सकती है, जब सत्ता पक्ष विपक्ष को पर्याप्त सम्मान और समय दे तथा विपक्ष भी केवल विरोध के लिए विरोध करने के बजाय रचनात्मक आलोचना का मार्ग चुनें। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

मानसून सत्र के लिए आत्म अवलोकन जरूरी

विश्लेषण

डॉ. चन्द्र त्रिखा
वरिष्ठ स्तंभकार

आज ऐसा प्रतीत होता है कि कार्यवाहियों का एजेंडा पहले से ही तयशुदा होता है। प्रतिपक्ष को अक्सर लगता है कि चर्चा एवं खबरों में बने रहने का एकमात्र सुलभ उपाय, संसदीय कार्य में बाधा डालना है। सदन का बहिष्कार करना, नारेबाजी करना, तख्तियां लहराना और शोर का स्वर ऊंचा ले जाना ही प्रासंगिक बने रहने का एकमात्र तरीका मान लिया गया है। इस सबके लिए यदि सदन से बाहर भी आना पड़े तो वहां भी मीडिया कवरेज भरपूर मिल ही जाती है। इसी परिवर्तित राजनीतिक पृष्ठभूमि में, जब भी मानसून अपने साथ ग्रीष्म ऋतु की तपन से राहत की फुहारें लेकर आता है, सम्पूर्ण राष्ट्र की निगाहें दिल्ली के सत्ता-गलियारों और विशेषकर संसद के मानसून सत्र पर टिक जाती हैं। भारतीय लोकतंत्र का हृदय हमारी संसद है।

यह लगभग साढ़े तीन दशक पहले की बात है। उन दिनों की संसदीय जिन्दगी में सांसदों के पास न तो लैपटॉप थे, न 'गूगल' की त्वरित सुविधा और न ही सत्ता पक्ष या प्रतिपक्ष के पास अपने कोई भारी-भरकम मीडिया-वॉर रूम थे। पुरानी कतरनें एकत्र करने वाला कोई अत्याधुनिक तंत्र भी तब मौजूद नहीं था। मगर उन दिनों एचवी कामथ, नाथ पई, मधु लिमये, मधु दंडवते, डॉ. राममनोहर लोहिया और आचार्य कृपलानी सरीखे ऐसे प्रखर सांसदों की मौजूदगी, सत्ता पक्ष को भी सदा मुस्तैद व जवाबदेह बनाए रखती थी। नेहरू-लोहिया के मध्य 'साढ़े 5 आना औसत आय' और कृपलानी व नेहरू के मध्य कृष्ण मेनन प्रकरण पर होने वाली बहसें आज भी प्रासंगिक हैं और संसदीय दिशा की सच्ची सूचक हैं। तब ये दिग्गज जब सदन में प्रवेश करते थे, तो अपने तर्क के पक्ष में नियमित 'होमवर्क' भी करते थे और उनके दोनों हाथों में संदर्भ पुस्तकें होती थीं।

मगर अब इन सब बातों की कोई आवश्यकता भी महसूस नहीं होती। क्योंकि आज ऐसा प्रतीत होता है कि कार्यवाहियों का एजेंडा पहले से ही तयशुदा होता है। प्रतिपक्ष को अक्सर लगता है कि चर्चा एवं खबरों में बने रहने का एकमात्र सुलभ उपाय, संसदीय कार्य में बाधा डालना है। सदन का बहिष्कार करना, नारेबाजी करना, तख्तियां लहराना और शोर का स्वर ऊंचा ले जाना ही प्रासंगिक बने रहने का एकमात्र तरीका मान लिया गया है। इस सबके लिए यदि सदन से बाहर भी आना पड़े तो वहां भी मीडिया कवरेज भरपूर मिल ही जाती है। इसी परिवर्तित राजनीतिक पृष्ठभूमि में, जब भी मानसून अपने साथ राहत की फुहारें लेकर आता है, सम्पूर्ण राष्ट्र की निगाहें दिल्ली के सत्ता-गलियारों और विशेषकर संसद के मानसून सत्र पर टिक जाती हैं। भारतीय लोकतंत्र का हृदय हमारी संसद है, जहां देश की दिशा और दशा तय होती है। हर बार की तरह इस बार भी एक यक्ष प्रश्न पूरे देश के मानस पटल पर गूंज रहा है कि क्या संसद का यह सत्र भी एक बार फिर विपक्ष के प्रदर्शन और हंगामे की भेंट चढ़ जाएगा या इस बार देश को सार्थक और सकारात्मक विमर्श देखने को मिलेगा।

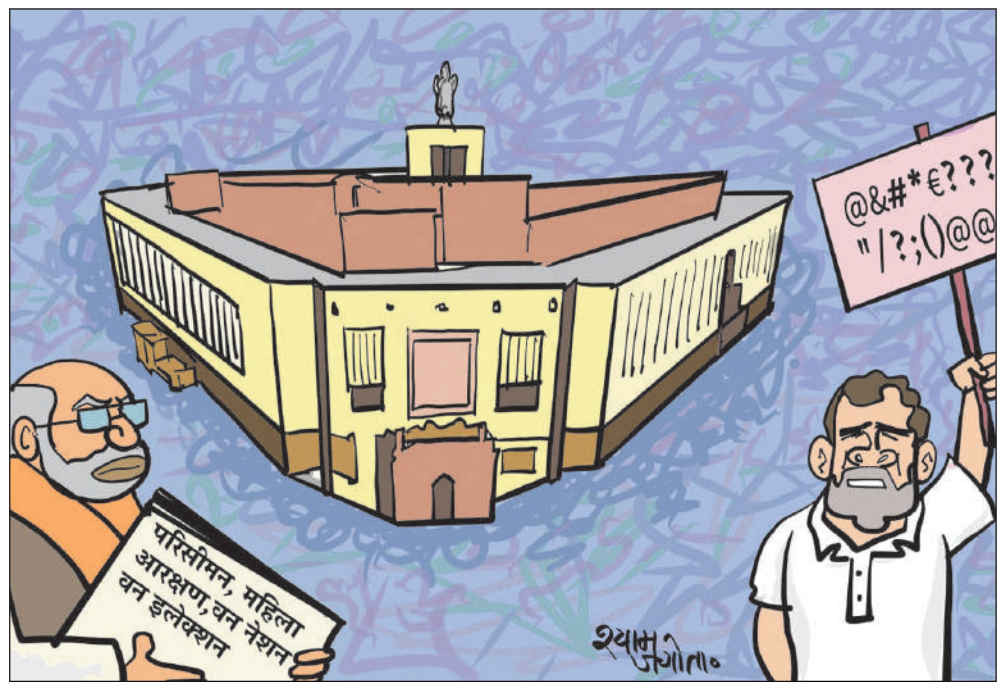

राष्ट्रहित को मिले सर्वोच्च प्राथमिकता

जब सरकारें विपक्ष की चिंताओं को उदारतापूर्वक सुनती हैं और विपक्षी नेताओं के साथ नेपथ्य में अनौपचारिक संवाद स्थापित करती हैं, तो प्रायः बड़े से बड़े गतिरोध भी बर्फ की भांति पिघल जाते हैं। इन गंभीर परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में, यह समय की सबसे बड़ी मांग है कि हमारे जन-प्रतिनिधि यह आत्मसात करें कि संसद कोई राजनीतिक अखाड़ा नहीं, अपितु राष्ट्रीय विमर्श का सर्वोच्च और पवित्र मंदिर है। इस मानसून सत्र से सम्पूर्ण राष्ट्र को यह अपेक्षा है कि विपक्ष अपना विरोध अवश्य दर्ज करे, परंतु तर्कों और प्रामाणिक तथ्यों की कसौटी पर। सरकार को भी विपक्ष के तीखे प्रश्नों का धैर्यपूर्वक सामना करना चाहिए और बिना किसी राजनीतिक दंभ के उनका उचित व पारदर्शी उत्तर प्रदान करना चाहिए। अंततः, यह प्रश्न अपनी जगह अडिग है कि क्या यह मानसून सत्र एक बार फिर विपक्ष के प्रदर्शन की वेदी पर स्वाहा हो जाएगा। इस प्रश्न का उत्तर पूर्णतः इस बात पर निर्भर करेगा कि सत्ता और विपक्ष, दोनों ही पक्ष अपने राजनीतिक अहंकार और दलगत स्वार्थों को किनारे रखकर राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं या नहीं। यदि दोनों ही पक्ष यह स्मरण रखें कि वे उस भव्य इमारत में इसलिए आसीन हैं क्योंकि देश की सवा सौ करोड़ से अधिक जनता ने उन पर अपना अटूट विश्वास जताया है तो निश्चित ही यह सत्र हंगामे की भेंट चढ़ने के बजाय भारत की प्रगति का नया अध्याय लिखेगा।

ज्वलंत मुद्दों की लंबी श्रृंखला

यह प्रश्न केवल एक राजनीतिक जिज्ञासा मात्र नहीं है, बल्कि यह भारत के कोटि-कोटि करदाताओं की उस गहरी चिंता का प्रकटीकरण है जो वे अपने द्वारा चुने गए जन-प्रतिनिधियों से रखते हैं। विगत कुछ वर्षों के संसदीय इतिहास के पन्नों को यदि हम पलटें तो एक अत्यंत निराशाजनक चित्र उभर कर सामने आता है। संसद के सत्र, चाहे वह शीतकालीन हो, बजट हो या मानसून, प्रायः शोरगुल, अध्यक्ष के आसन के समीप आकर की जाने वाली नारेबाजी और अंततः अनिश्चित काल के लिए कार्यवाही स्थगित होने के गवाह बने हैं।

विपक्ष के पास सदैव सरकार को घेरने के लिए ज्वलंत मुद्दों की एक लंबी श्रृंखला होती है। चाहे वह बढ़ती महंगाई का विषय हो, बेरोजगारी की चुभती समस्या हो, केंद्रीय जांच एजेंसियों के कथित दुरुपयोग का आरोप हो या फिर राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े संवेदनशील प्रसंग हों।

सशक्त और मुखर हो विपक्ष

विपक्ष का निरंतर यह तर्क रहता है कि सरकार सदन में उनके स्वर को दबाने का प्रयास कर रही है, महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा से पलायन कर रही है और बिना किसी सार्थक बहस के कानूनों को पारित करवा रही है। दूसरी ओर, सत्ता पक्ष का यह मुखर आरोप होता है कि विपक्ष जानबूझकर राष्ट्र के विकास कार्यों में बाधा उत्पन्न कर रहा है, उसके पास कोई ठोस तर्क नहीं है और वह केवल राजनीतिक स्वार्थ की पूर्ति के लिए सदन की कार्यवाही को बाधित कर रहा है। इस निरंतर चलने वाले आरोप-प्रत्यारोप के मध्य हमें यह कदापि विस्मृत नहीं करना चाहिए कि लोकतंत्र बिना एक सशक्त और मुखर विपक्ष के नितांत अधूरा है। प्रदर्शन करना, अपनी असहमति प्रकट करना और विरोध दर्ज कराना विपक्ष का नैसर्गिक लोकतांत्रिक अधिकार है। परंतु विरोध और व्यवधान के बीच एक अत्यंत सूक्ष्म किंतु महत्वपूर्ण लक्ष्मण रेखा होती है।

बहस के लिए तत्पर रहे सरकार

जब लोकतांत्रिक विरोध, अनियंत्रित व्यवधान में परिवर्तित हो जाता है तो विपक्ष अनजाने में उसी सर्वोच्च मंच को नष्ट कर देता है जो उसे सरकार को कटघरे में खड़ा करने के लिए प्रदान किया गया है। संसद में प्रश्नकाल और शून्यकाल जैसे बहुमूल्य प्रहर होते हैं, जब जन-प्रतिनिधि सीधे मंत्रियों से जवाब तलब कर सकते हैं। यदि सदन हंगामे की भेंट चढ़ जाता है तो विपक्ष सरकार का उत्तरदायित्व तय करने का अपना सबसे अचूक अस्त्र स्वयं ही त्याग देता है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का यह कथन आज भी प्रासंगिक है कि सरकारें बहुमत से बनती हैं, किंतु राष्ट्र सर्वसम्मति से चलता है। सत्ता पक्ष को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि विपक्ष को अपनी बात रखने का पूर्ण अवसर और सम्मान प्राप्त हो। यदि विपक्ष किसी विशेष और ज्वलंत मुद्दे पर विमर्श की मांग कर रहा है, तो सरकार को संसदीय नियमों की परिधि में उस पर खुली बहस के लिए तत्पर रहना चाहिए।

सदन में लगातार विरोध से विपक्ष की गिरती साख

व्यवधान

चरणजीत चरण
स्वतंत्र पत्रकार

दुनिया के किसी भी लोकतंत्र में वहां की संसद को सबसे पवित्र स्थान माना जाता है। भारतीय लोकतंत्र में संसद का स्थान किसी भी धर्मस्थल से ऊपर माना गया है, क्योंकि संसद ही वह स्थान है जहां आम जनमानस की समस्याओं के निवारण के कानून बनते हैं। देश के प्रत्येक नागरिक को ध्यान में रखकर किसी भी विषय पर चर्चा-परिचर्चा होती है। उसके बाद जनप्रतिनिधियों के वोट के आधार पर कोई विधेयक कानून का रूप लेता है। जब से देश में संविधान लागू हुआ है यह प्रक्रिया अत्यंत सुदृढ़ तरीके से आगे बढ़ रही है। भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था को विश्व की सबसे सुदृढ़ और पारदर्शी लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में से एक माना जाता है। आज, जब पूरी दुनिया हमारे लोकतंत्र को एक मानक मानकर अपने देश में लोकतांत्रिक सुधार कर रही है। तब हमारे देश के लोकतंत्र में कुछ अनावश्यक त्रुटियां जगह बना रही हैं।

संसद का काम होता है जनप्रतिनिधियों के माध्यम से देश की जनता की नब्ज टटोलना, फिर उन समस्याओं के निवारण के लिए कानून बनाना। कानून बनाने की इस प्रक्रिया को एक सकारात्मक और आलोचनात्मक बहस से गुजरना आवश्यक है। अगर कोई कानून संसद में पर्याप्त बहस के बिना कानून का रूप ले लेता तो वह कुछ लोगों को तो संतुष्ट कर सकता है, लेकिन देश के विकास की गति में कोई महत्वपूर्ण भूमिका नहीं निभा सकता है। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका कई मायनों में सत्ता पक्ष से भी महत्वपूर्ण होती है। क्योंकि सत्तापक्ष में बैठे लोग अपने अधिकारों का दुरुपयोग कर सकते हैं। ऐसी स्थिति में अगर विपक्ष अपनी रचनात्मक भूमिका नहीं निभाता तो सरकार निरंकुश हो जाती है। पिछले कई वर्षों से यह देखा गया है कि विपक्ष जो विरोध करता है, वह रचनात्मक न होकर नकारात्मक होता है। विरोध की अपनी कुछ मर्यादाएं होती हैं। तथ्यों और तर्क के आधार पर विरोध स्वीकार्य होता है। उसे सुना भी जाता है और उससे कुछ सकारात्मक व रचनात्मक निर्णय लेने में आसानी होती है। वर्तमान समय में होने वाला विपक्ष का विरोध, विरोध कम और व्यवधान अधिक होता है। विपक्ष का सजग होना और मुखर होना दोनों आवश्यक हैं। विपक्ष का काम है आईना बनकर सरकार के समक्ष खड़े रहना। सरकार की कमियों को उजागर करना और अगर कुछ गलत हुआ है तो उसे जनता के बीच तक ले जाना। लेकिन यही विरोध जब अपनी मर्यादा लाँघकर अनियंत्रित होने लगे, अभद्रता और हठधर्मिता पर उतर आए तो इसका मतलब होता है कि विपक्ष अपने कर्तव्यों के निर्वहन में असफल है। संसद शुरू होने के पहले दिन से ही बिना किसी उचित कारण के तख्तियाँ और बैनर लेकर कुर्सियों पर खड़े हो जाना, लगातार नारेबाजी करना ,अध्यक्ष के आसन के सामने खड़े होकर शोर मचाना और इसी शोर शराबे के कारण संसद को अनिश्चित काल के लिए स्थगित करा देना न तो सरकार के पक्ष में होता है न ही विपक्ष के। इससे हर रोज जनता के टैक्स का लाखों रुपया बर्बाद होता है और बहुत से जनहित के विधेयक या तो लम्बे समय के लिए लटक जाते हैं या सरकार उन्हें बग़ैर किसी चर्चा के पास करा देती है जिसके कारण उन विधेयक में रचनात्मक सुधार की गुंजाईश समाप्त हो जाती है। इस प्रकार देश की जनता को मिलता है एक अधकचरा, अपरिपक्व कानून। जिसके दूरगामी परिणाम देश की जनता को झेलने पड़ते हैं। सरकार द्वारा बनाए गए किसी भी क़ानून के प्रावधानों को लेकर जनता में जाकर विरोध करना विपक्ष का कर्तव्य है। लेकिन देश की जनता यह भी पूछती है कि जब कानून बन रहा था उस वक्त विपक्ष कहाँ था। क्या संसद के गलियारे में खड़े होकर नारे लगा रहा था या कानून पर कोई रचनात्मक चर्चा कर रहा था। संसद का मंच सरकार की जवाबदेही तय करने के लिए और सरकार से जवाब मांगने के लिए है। शून्यकाल और प्रश्नकाल के द्वारा जनप्रतिनिधि सीधे सरकार के नुमाइंदों से जवाब मांग सकते हैं। जनता की मूलभूत समस्याएं जैसे महंगाई, बेरोजगारी, बिजली, पानी, सड़क, राशन होती हैं।

विपक्ष को अपनी खोई हुई गरिमा फिर से प्राप्त करनी है तो उसे अपने विरोध का तरीका भी बदलना होगा। विपक्ष को समझना होगा कि विरोध रचनात्मक और तर्कसंगत हो न कि सिर्फ हंगामे के लिए। पूरी संसदीय प्रक्रिया को ठप कर देना लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है।

इन समस्याओं पर सरकार से निरंतर प्रश्न करते रहना विपक्ष का मूल एजेंडा होना चाहिए। साथ ही राजमार्ग का निर्माण, रेल, नदी जल बंटवारा, राज्य सीमा विवाद, सांप्रदायिक सौहार्द, विदेश नीति, दूसरे देशों के साथ अच्छे सम्बन्ध, ये सभी किसी भी देश के लिए ऐसे महत्वपूर्ण कार्य हैं जो विपक्ष के सहयोग के बिना नहीं हो सकते हैं। इन विषयों पर चर्चा के समय अगर विपक्ष हंगामा करता है तो फिर जनता का विपक्ष के प्रति मोहभंग होता है। जनता भली-भांति समझती है कि विरोध तथ्यों और तर्कों के आधार पर है या सिर्फ हंगामा खड़ा करने के लिए है। निष्कर्ष यही है कि विपक्ष को अपनी कार्यशैली पर विचार करना चाहिए। अगर विपक्ष को अपनी खोई हुई गरिमा फिर से प्राप्त करनी है तो उसे अपने विरोध का तरीका भी बदलना होगा। विपक्ष को समझना होगा कि विरोध रचनात्मक और तर्कसंगत हो, न कि सिर्फ हंगामे के लिए। विरोध के लिए पूरी संसदीय प्रक्रिया को ठप कर देना लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। विपक्ष को चाहिए कि वह अपने तर्कों को और मजबूत करे, संसद में रचनात्मक बहस के द्वारा सरकार की नीतियों का विरोध करे यही जनता के हित में है। इसलिए आवश्यक है कि संसद की कार्यवाही निर्वाध रूप से चलती रहे। यही देश हित में है।

पक्ष व विपक्ष में बने व्यावहारिक संतुलन

मानसून सत्र

डॉ. विजेंद्र कुमार
वरिष्ठ स्तंभकार

भारतीय लोकतंत्र के मंदिर में जब भी नए सत्र की शुरुआत होती है, तो पूरे देश की निगाहें स्वाभाविक रूप से उस पर टिक जाती हैं। वर्तमान परिदृश्य में, संसद का यह सत्र केवल दैनिक कामकाज का गवाह बनने वाला नहीं है, बल्कि यह देश के भविष्य की आधारशिला रखने वाले दो ऐतिहासिक विषयों-परिसीमन विधेयक और 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर निर्णायक चर्चा का केंद्र बनने जा रहा है। आज हर किसी के मन में यह सवाल है कि क्या सरकार इस मानसून सत्र में इन दोनों बड़े बदलावों को सफलतापूर्वक लागू कर पाएगी।

देश के चुनावी भूगोल को बदल देने वाले इन विधेयकों का भविष्य अंततः इस बात पर निर्भर करेगा कि सदन के भीतर सरकार की रणनीति और विपक्ष की असहमति के बीच कैसा व्यावहारिक संतुलन स्थापित होता है। यदि हम परिसीमन विधेयक को समझें, तो यह केवल भौगोलिक सीमाओं का बदलाव नहीं है, बल्कि बदलती जनसंख्या के आधार पर लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व को अद्यतन करने की एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। इसके तहत लोकसभा सीटों को बढ़ाकर 850 तक करने का अभूतपूर्व प्रस्ताव रखा गया है। इसका सबसे संवेदनशील पहलू जनसंख्या से जुड़ा है, जिससे विशेष रूप से दक्षिणी राज्यों में यह आशंका उत्पन्न हो गई है कि जनसंख्या नियंत्रण में उनके अच्छे प्रदर्शन के कारण संसद में उनका प्रतिनिधित्व घट सकता है। हालांकि, गृह मंत्री ने स्पष्ट आश्वासन दिया है कि नए परिसीमन से किसी भी दक्षिणी राज्य को नुकसान नहीं होगा, बल्कि उनका आनुपातिक हिस्सा बरकरार रहेगा और कुल सीटों में भी वृद्धि होगी। इसके बावजूद, क्षेत्रीय दल इसे राज्यों के अधिकारों से जोड़कर देख रहे हैं, जिससे यह उत्तर और दक्षिण भारत के बीच एक नई राजनीतिक बहस का मुद्दा बन गया है। अब बड़ा प्रश्न यह है कि क्या सरकार इस सत्र में इस विधेयक को पारित करा सकेगी। इसे पास कराने के लिए संसद के दोनों सदनों में दो-तिहाई विशेष बहुमत की आवश्यकता होगी। लोकसभा में सत्ता पक्ष के पास पर्याप्त संख्याबल है, लेकिन राज्यसभा के आंकड़े और सहयोगी दलों की अपेक्षाओं को साधना एक कठिन चुनौती है। हालांकि, सत्तारूढ़ दल की कार्यप्रणाली में चौंकाने वाले निर्णयों का एक लंबा इतिहास रहा है, इसलिए राजनीति के इस खेल में किसी भी संभावना को पूरी तरह नकारा नहीं जा सकता।

इसी सरगर्मी के बीच, इस सत्र का दूसरा बड़ा मुद्दा 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की दूरगामी संकल्पना है। पूर्व राष्ट्रपति की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति ने लोकसभा, विधानसभा और स्थानीय निकाय चुनाव एक साथ कराने की ठोस वकालत की है। इसका तर्क है कि इससे हजारों करोड़ रुपये की भारी बचत होगी और बार-बार आचार संहिता लगने से विकास कार्यों में आने वाली बाधाएं दूर होंगी। वहीं, इसके विपरीत विपक्ष और कई विश्लेषकों का तर्क है कि एक साथ चुनाव होने से राष्ट्रीय मुद्दों की आंधी में स्थानीय समस्याएं पूरी तरह दब जाएंगी। उन्हें डर है कि मतदाता एक ही पार्टी के पक्ष में एकतरफा मतदान कर सकते हैं, जिससे क्षेत्रीय दलों का स्वतंत्र अस्तित्व और देश का संघीय ढांचा कमजोर हो सकता है। इन दोनों महत्वाकांक्षी विधेयकों की राह में केवल संसदीय गणित ही एकमात्र बाधा नहीं है, बल्कि संवैधानिक संशोधनों की वह जटिल प्रक्रिया भी है जिसमें राज्यों की प्रत्यक्ष भागीदारी अनिवार्य होती है। विशेष रूप से 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की संकल्पना को साकार करने के लिए संविधान के कई महत्वपूर्ण अनुच्छेदों में व्यापक संशोधन की आवश्यकता होगी। वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में, जहां कई प्रमुख राज्यों में विपक्षी दलों की मजबूत सरकारें आसीन हैं, वहां से इस विधेयक के पक्ष में समर्थन जुटाना केंद्र सरकार के लिए लोहे के चने चबाने जैसा होगा। निष्कर्ष के तौर पर कहा जा सकता है कि यह मानसून सत्र भारतीय लोकतंत्र के लिए एक ऐतिहासिक और निर्णायक पड़ाव बनने जा रहा है। परिसीमन और समकालिक चुनाव, दोनों ही ऐसे परिवर्तनकारी कदम हैं, जिनके लिए केवल साधारण बहुमत नहीं, बल्कि एक व्यापक राष्ट्रीय सहमति की आवश्यकता है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या सरकार अपने राजनीतिक कौशल से इस जटिल चक्रव्यूह को भेद पाती है या विपक्ष एकजुट होकर इन विधेयकों को फिलहाल रोकने में सफल रहता है। पूरे देश को प्रतीक्षा है कि पक्ष और विपक्ष राजनीतिक स्वार्थों से ऊपर उठकर इन गंभीर विषयों पर परिपक्व विमर्श प्रस्तुत करेंगे।

यह मानसून सत्र भारतीय लोकतंत्र के लिए एक ऐतिहासिक और निर्णायक पड़ाव बनने जा रहा है। परिसीमन और समकालिक चुनाव, दोनों ही ऐसे परिवर्तनकारी कदम हैं, जिनके लिए केवल साधारण बहुमत नहीं, बल्कि एक व्यापक राष्ट्रीय सहमति की आवश्यकता है।

सांसदों के दैनिक भत्तों में करें कटौती

आर्थिकी

डॉ. पवन कुमार शर्मा
स्वतंत्र पत्रकार

भारतीय संसद देश की संप्रभुता, लोकतांत्रिक मूल्यों और जन-आकांक्षाओं का प्रतीक है। पिछले कुछ दशकों में संसद के भीतर बढ़ते गतिरोध और घटती उत्पादकता ने करदाताओं की धनराशि के सदुपयोग और जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही पर बड़े सवाल खड़े किए हैं। भारतीय संसद को चलाने में भारी जन-धन का व्यय होता है। हालिया बजटीय आकलनों और संसदीय आंकड़ों के अनुसार, संसद के दोनों सदनों लोक सभा और राज्य सभा को सुचारू रूप से चलाने का अनुमानित खर्च लगभग 2.5 लाख प्रति मिनट यानी 1.5 करोड़ प्रति घंटा आता है। इस हिसाब से एक दिन की सामान्य कार्यवाही का खर्च करीब 9 करोड़ तक पहुंच जाता है। इस खर्च में सांसदों के वेतन-भत्ते, संसद भवन का रखरखाव, सुरक्षा, सचिवालय का स्टाफ, मुद्रण और सत्र के दौरान होने वाले अन्य प्रशासनिक खर्च शामिल हैं। जब सदन में व्यवधान के कारण कार्यवाही स्थगित होती है तो यह पूरा पैसा बिना किसी विधायी परिणाम के व्यर्थ हो जाता है।

क्या संसद न चलने पर सांसदों का भत्ता काटा जाना चाहिए? यह मुद्दा भारतीय लोकतंत्र में ज्वलंत बहस बन चुका है। इसके दो मुख्य पहलू हैं। सकारात्मक पक्ष (भत्ता काटे जाने के) यह है कि कॉरपोरेट या किसी भी संगठित क्षेत्र में 'नो वर्क, नो पे' का नियम लागू होता है। जनता का तर्क है कि जब करदाताओं की गाढ़ी कमाई से सांसदों को प्रतिदिन 'सदन उपस्थिति भत्ता' और अन्य सुविधाएं मिलती हैं तो बिना काम किए इसे प्राप्त करना नैतिक रूप से गलत है। व्यवधान के दिनों का भत्ता काटने से सांसदों में जवाबदेही बढ़ेगी। नकारात्मक पक्ष यह है कि संसदीय लोकतंत्र में विरोध दर्ज कराना भी एक वैध उपकरण माना जाता है। कई बार विपक्ष को अपनी बात रखने का समय नहीं मिलता, जिससे मजबूरन वे सदन के बीचों-बीच वेल में आकर प्रदर्शन करते हैं। सांसद का काम केवल संसद में बैठना नहीं होता, वे समितियों में काम करते हैं और अपने निर्वाचन क्षेत्र की समस्याओं का निवारण भी करते हैं। जब बजट या महत्वपूर्ण कानून बिना किसी बहस के 'गिलोटीन' (बिना चर्चा के पास करना) के जरिए पारित हो जाते हैं तो यह न केवल वित्तीय नुकसान है बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों का भी हनन है। 2024 के आम चुनावों के बाद गठित 18वीं लोक सभा में विपक्ष ने पहले की तुलना में अपनी आवाज़ मजबूत की है। इसके प्रारंभिक और बजट सत्रों (2024) में लोक सभा और राज्य सभा क्रमशः 22 और 20 दिनों तक चलीं। हालांकि 2026 के बजट सत्र में विपक्ष और सत्तापक्ष के बीच तीखी नोंकझोंक के कारण लगभग 20-25 घंटे व्यवधान की भेंट चढ़ गए, जिससे टैक्सपेयर मनी का नुकसान हुआ। नीट परीक्षा विवाद, विभिन्न केंद्रीय मुद्दों पर विपक्ष के तीखे तेवर, हिंडनबर्ग रिपोर्ट और सेना के पूर्व जनरलों की किताबों के अंशों पर सदन में चर्चा को लेकर हुए विवादों ने सदन को बार-बार बाधित किया। भारतीय संसद के इतिहास को देखें तो पहली तीन लोक सभाओं (1952-1967) में वार्षिक बैठकों का औसत 120-130 दिन होता था, जो अब घटकर औसतन 60-70 दिन रह गया है। संसद में होने वाले व्यवधान महज तात्कालिक राजनीतिक विवाद नहीं होते बल्कि इनके पीछे कुछ गहरे संस्थागत और सियासी कारण होते हैं। विपक्ष का अकसर यह आरोप रहता है कि सरकार महत्वपूर्ण और संवेदनशील राष्ट्रीय मुद्दों पर स्थगन प्रस्ताव के तहत चर्चा से बचती है। करदाताओं का पैसा देश के निर्माण के लिए है न कि राजनीतिक गतिरोध की बलिवेदी पर चढ़ने के लिए। संसद की उत्पादकता सुधारने और वित्तीय नुकसान को रोकने के लिए कुछ ठोस सुधारात्मक कदम उठाने की आवश्यकता है। न्यूनतम कार्य दिवस तय करना इस दिशा में पहला कदम हो सकता है। यदि कोई सांसद या दल जानबूझकर बिना किसी ठोस विधायी कारण के सदन को लगातार बाधित करता है तो आनुपातिक रूप से उनके दैनिक भत्तों में कटौती का कानून बनना चाहिए। हर महत्वपूर्ण विधेयक को संसद में पारित होने से पहले अनिवार्य रूप से विभाग-संबंधित स्थायी समितियों के पास भेजा जाना चाहिए ताकि उन पर विशेषज्ञता के साथ चर्चा हो सके। संसद की गरिमा, सर्वोच्चता और उत्पादकता तभी बहाल हो सकती है, जब सत्ता पक्ष विपक्ष को पर्याप्त सम्मान और समय दे और विपक्ष भी केवल विरोध के लिए विरोध करने के बजाय रचनात्मक आलोचना का मार्ग चुने।

संसद की उत्पादकता सुधारने और वित्तीय नुकसान को रोकने के लिए कुछ ठोस सुधारात्मक कदम उठाने की आवश्यकता है। यदि कोई सांसद या दल जानबूझकर बिना किसी ठोस विधायी कारण के सदन को लगातार बाधित करता है तो आनुपातिक रूप से उनके दैनिक भत्तों में कटौती का कानून बनना चाहिए।

बैठक में सरकार अपने विधायी एजेंडे की रूपरेखा पेश करेगी विपक्ष दल अपने-अपने मुद्दों को सरकार के सामने रखेंगे

संसद के मानसून सत्र से पहले सरकार ने आज बुलाई सर्वदलीय बैठक

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

20 जुलाई को संसद के मानसून सत्र शुरू होने से पहले सरकार ने कल सर्वदलीय बैठक बुलाई है। बैठक में सरकार सभी राजनीतिक दलों से संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही सुचारू रूप से चलाने में सहयोग की अपील करेगी। संसद का मानसून सत्र सोमवार से शुरू होकर 13 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान कई महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा और उन्हें पारित किए जाने की संभावना है। केंद्र सरकार ने संसद के मानसून सत्र की शुरुआत से एक दिन पहले यानी 19 जुलाई को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। इस बैठक में सरकार अपने विधायी एजेंडे की रूपरेखा पेश कर सकती है, जबकि विपक्षी दल उन मुद्दों को सामने रख सकते हैं जिन्हें वे उठाना चाहते हैं।

20 जुलाई को संसद के मानसून सत्र शुरू होने से पहले सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाई है। बैठक में सरकार सभी दलों से संसद के सदनों की कार्यवाही सुचारू रूप से चलाने में सहयोग की अपील करेगी।

पीएम, सीएम व मंत्रियों को हटाने वाले बिल को मंजूरी देने की उम्मीद

जेपीसी के मंजूरी लेने के संकेत

130वें संविधान संशोधन बिल की जांच कर रही संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) ने संसद में अपनी रिपोर्ट सौंपने से पहले उसे मंजूरी देने की उम्मीद है। बताया जा रहा है कि समिति ने सुझाव दिया है कि अगर प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों को गंभीर अपराधों के आरोप में लगातार 30 दिनों तक हिरासत में रखा जाता है, तो उन्हें उनके पदों से हमेशा के लिए हटाने के बजाए सस्पेंड कर दिया जाए।

विपक्ष ने सरकार को घेरने के लिए बनाई रणनीति

सांसद सुधाकर सिंह ने रविवार को कहा कि 'इंडिया' गठबंधन संसद के मानसून सत्र में राम मंदिर चढ़ावा मामले और नीट पेपर लीक जैसे मुद्दों पर केंद्र सरकार को घेरेगा। साथ ही, वे विपक्षी दलों में विभाजन करके दो-तिहाई बहुमत हासिल करने की भाजपा की कथित कोशिशों का भी विरोध करेंगे।

संसद मार्च को लेकर हाई अलर्ट

दिल्ली पुलिस ने दिए बड़े संकेत अभी तक नहीं मांगी गई अनुमति

मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) द्वारा प्रस्तावित संसद मार्च को लेकर सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं। दिल्ली पुलिस के सूत्रों के अनुसार, इस मार्च के लिए संगठन की ओर से अब तक कोई आधिकारिक अनुमति नहीं मांगी गई है। अगर अब अनुमति के लिए आवेदन किया भी जाता है, तो संसद सत्र के दौरान कड़े सुरक्षा प्रोटोकॉल को देखते हुए इसकी मंजूरी मिलने की संभावना बेहद कम है।

धारा 163 लागू रहेगी

संसद सत्र के दौरान नई दिल्ली जिले, विशेषकर संसद भवन और इंडिया गेट के आसपास सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी रहती है। पुलिस इस दौरान भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 (पूर्व में धारा 144) के तहत निषेधाज्ञा लागू रखती है, जिसके तहत चार या अधिक लोगों के इकट्ठा होने, अनधिकृत रैलियों और विरोध प्रदर्शनों पर पूरी तरह प्रतिबंध रहता है।

डीजीपी की अध्यक्षता में आपात बैठक

सोनम वांगचुक को हटाए जाने के बाद जंतर-मंतर पर बढ़े तनाव को देखते हुए दिल्ली पुलिस के नवनियुक्त कमिश्नर अनुराग कुमार ने शनिवार दोपहर 1 बजे पुलिस मुख्यालय में एक उच्च स्तरीय आपातकालीन रणनीति बैठक बुलाई। बैठक में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और बिना अनुमति संसद मार्च की कोशिश करने वाले प्रदर्शनकारियों से सख्ती से निपटने की रणनीति तैयार की गई।

खबर संक्षेप

अमरनाथ-वैष्णो देवी यात्रा रोकी गई

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में 3 दिन भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है, जिसके चलते

अमरनाथ यात्रा 19 जुलाई से स्थगित रहेगी। वहीं वैष्णो देवी यात्रा भी शनिवार से रोक दी गई है। यह निर्णय श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और भूस्खलन के जोखिम को देखते हुए लिया गया है। श्राइन बोर्ड ने मौसम की चेतावनी को देखते हुए यात्रा को रोका है।

पूर्व पीएम देवगौड़ा की पत्नी का निधन

बेंगलुरु। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा की पत्नी चेन्नम्मा का शनिवार को बेंगलुरु के मणिपाल

अस्पताल में निधन हो गया। शाम करीब 4 बजे उन्हें अचानक गंभीर कार्डियक अरेस्ट आया। उन्हें सांस लेने में दिक्कत होने की शिकायत के बाद इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनकी हालत में पहले सुधार हो रहा था और वह रिकवरी की ओर बढ़ रही थीं।

कोलकाता में रिहायशी इमारत में विस्फोट

कोलकाता। कोलकाता के पूर्वी बाहरी इलाके में में हुए विस्फोट में एक इमारत आंशिक रूप से

क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस को संदेह है कि यह घटना देसी बम बनाने में इस्तेमाल होने वाले विस्फोटकों के कारण हुई। दक्षिण नारायणपुर इलाके में हुए इस विस्फोट में कोई हताहत नहीं हुआ। पुलिस ने एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है। मुख्य संदिग्ध मोहम्मद शमीम फरार है।

मानसूनी गतिविधियां बढ़ेंगी बिजली गिरने का भी खतरा

नई दिल्ली। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने 15 राज्यों में भारी बारिश और आंधी-तूफान का

अलर्ट जारी किया है। देश के कई हिस्सों में मानसून की गतिविधियां तेज होने के साथ ही भारी बारिश, तेज हवाएं और बिजली गिरने की घटनाएं हो सकती हैं।उत्तर प्रदेश और बिहार समेत कई राज्यों में 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं।

हत्या मामले में 4 को आजीवन कारावास

नोएडा। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले की एक अदालत ने दनकौर थाना क्षेत्र के बिलासपुर

गांव में वर्ष 2016 में पुरानी रंजिश की वजह से एक युवक की गोली मारकर हत्या करने के मामले में 4 आरोपियों को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश आशीष कुमार चौरसिया की अदालत ने 60-60 हजार का जुर्माना लगाया।

पुलिस ने वांगचुक को प्रदर्शनस्थल से हटाकर अस्पताल में भर्ती कराया

भड़के विपक्ष ने केंद्र पर साधा निशाना, कहा केंद्र सरकार का मूल सिद्धांत- असत्य व हिंसा

सुबह 7.40 बजे पुलिस धरनास्थल पर पहुंची

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने सोमवार को जंतर-मंतर पर आमरण अनशन पर बैठे पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को प्रदर्शनस्थल से हटाकर अस्पताल में भर्ती करा दिया। वांगचुक को अनिश्चितकालीन अनशन के 21वें दिन तबीयत बिगड़ने के बाद दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने इसे लेकर कहा है कि उसने दिल्ली हाईकोर्ट के निर्देशों का पालन करते हुए सोनम वांगचुक को अस्पताल में भर्ती कराया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि मोदी सरकार के मूल सिद्धांत 'असत्य और हिंसा' हैं। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर से उस समय हटाया जाना गलत है, जब वह अहिंसक भूख हड़ताल पर बैठे थे।

वांगचुक को अनिश्चितकालीन अनशन के 21वें दिन तबीयत बिगड़ने के बाद दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया। विपक्ष ने केंद्र पर हमला किया

वांगचुक को जंतर-मंतर से हटाने पर भड़के राहुल गांधी

सरकार ने किसी को नहीं बख्शाः खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर केंद्र सरकार की आलोचना की। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा कि प्रोफेसर जीडी अग्रवाल, जिन्होंने गंगा को बचाने के लिए 111 दिनों तक आमरण अनशन किया था, से लेकर हरियाणा की ओलंपिक पहलवानों, 750 किसान आंदोलनकारियों, दलितों, आदिवासियों और पेपर लीक मामलों से प्रभावित छात्रों और उनके परिवारों तक, किसी को भी सरकार ने नहीं बख्शा।

अहंकार ठीक नहीं, ये सरकार की हार

वांगचुक को जंतर-मंतर से हटाने पर पूर्व सीएम केजरीवाल ने केंद्र पर हमला बोला है। केजरीवाल ने कहा कि इतना अहंकार ठीक नहीं है। उन्हें जबरन उठाने की बजाय, मोदी सरकार को सोनम से बात करनी चाहिए थी। आंदोलन को कुचलने की बजाय शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था सुधारो।

पूरी दुनिया में गहरी चिंता छाईः अखिलेश

अखिलेश यादव ने एक्स पर लिखा- 'सोनम वांगचुक को 'बल-प्रयोग' करके, जबरदस्ती उनके आमरण अनशन स्थल से उठाकर ले जाना अत्यंत निंदनीय समाचार है। आज सुबह घटी ये घटना थोड़ी ही देर में पूरे देश और संपूर्ण विश्व में फैल चुकी है। सारी दुनिया और देशभर में वांगचुक को लेकर गहरी चिंता है।

आंदोलन खत्म नहीं

मंच पर फूट-फूटकर रोए दीपके, संसद चलो अभियान होगा

सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके हटाए जाने के बाद प्रदर्शन के दौरान फूट-फूटकर रो पड़े। दीपके ने भूख हड़ताल शुरू करने की घोषणा की। आंदोलन खत्म नहीं होगा। संसद तक मार्च करेंगे। प्रधानमंत्री से इस्तीफा की मांग करेंगे।

दीपके पर स्याही फेंकी, महिला हिरासत में

जंतर-मंतर पर सीजेपी के संस्थापक दीपके पर स्याही फेंकी का मामला सामने आया है। एक महिला ने अभिजीत पर स्याही फेंक दी। दिल्ली पुलिस ने आरोपी महिला को हिरासत में ले लिया है। इस पर दीपके ने कहा कि उन्हें नीला रंग पसंद है।

सरकार पर बरसे सेलेब्स

तानाशाही की इंतहाःप्रकाश

आम जनता के साथ-साथ कई सेलेब्स की भी इस पर प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। प्रकाश राज, विशाल ददलानी, काम्या पंजाबी जैसे एक्टर्स के रिएक्शन

इस मामले पर देखने मिल रहे हैं। इन सभी ने सरकार की जमकर आलोचना की है। इस घटना को लोकतंत्र की हत्या और तानाशाही का नाम दिया है। सोनाक्षी सिन्हा ने वांगचुक की भूख हड़ताल की तुलना महात्मा गांधी की भूख हड़ताल से की गई है। श्रेया धनवंतरी ने लिखा है, हर प्रदर्शन संदेह के घेरे में है। हर असहज करने वाला सवाल एंटी-नेशनल है। आमिर खान की भतीजी और अभिनेत्री जैन खान ने वीडियो में कहती दिखी हैं, मैं यह देखकर बहुत हैरान हूं। शब्द ही नहीं हैं।

वांगचुक अभी भी भूख हड़ताल पर हैंः पत्नी

वांगचुक की पत्नी ने खुलासा किया है कि सोनम अभी भी भूख हड़ताल पर हैं। डॉक्टरों को उन्हें इलेक्ट्रोल देने से मना किया है। वो किसी

दूसरे लैब से भी सोनम की जांच करवाएंगी, उन्हें सफदरजंग अस्पताल पर भरोसा नहीं है। जल्द ही विश्वसनीय अस्पताल में भर्ती कराएंगे। 20 जुलाई को अगर सोनम मार्च में शामिल नहीं हो पाएंगे, तो मैं उनकी जगह मार्च का नेतृत्व करूंगी।

अभिषेक की बढ़ीं मुश्किलें

अमताला में पार्टी ऑफिस पर चला बुलडोजर,ध्वस्त

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

दक्षिण 24 परगना जिला प्रशासन ने शनिवार को अमताला स्थित तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बेनर्जी के कार्यालय को ध्वस्त कर दिया है।

विभागीय जांच में पाया गया था इस कार्यालय का निर्माण स्वीकृत भवन योजना के बिना और लागू नियमों का उल्लंघन करते हुए किया गया था। मामले में एक अधिकारी ने बताया कि भारी सुरक्षा के बीच जेसीबी की मदद से कार्यालय को ध्वस्त किया गया। इस दौरान पुलिस और केंद्रीय बलों को घटनास्थल के आसपास तैनात किया गया था और एहतियात के तौर पर अग्निशमन और आपातकालीन सेवा कर्मी भी मौके पर मौजूद थे।

शिकायतों के बाद की गई कार्रवाई

अधिकारी ने बताया कि कार्यालय के निर्माण में सभी नियमों का उल्लंघन करने की शिकायतों के बाद यह कार्रवाई की गई है। उन्होंने आगे बताया कि संबंधित व्यक्तियों को 15 जुलाई को नोटिस जारी कर शिकायतों के आधार पर शुरू की गई वैधानिक प्रक्रिया के तहत सुनवाई के लिए उपस्थित होने को कहा गया है।

बागी लौटें तो तुरंत दे दूंगा इस्तीफा

टीएमसी के सांसद अभिषेक बेनर्जी ने शनिवार को पार्टी छोड़ने वाले नेताओं और सांसदों को खुली चुनौती देते हुए कहा कि अगर वे दोबारा मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी के नेतृत्व में पार्टी में लौट आते हैं तो वह सिर्फ एक घंटे के भीतर अपने पद से इस्तीफा दे देंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी छोड़ने वाले नेताओं ने भाजपा से सौदा कर लिया है और अब उसी की भाषा बोल रहे हैं। कोलकाता में पत्रकारों से बातचीत करते हुए अभिषेक ने कहा कि भाजपा के दबाव में कुछ नेता उन्हें निशाना बना रहे हैं। मुझ पर ये नेता जबरन हमला कर रहे हैं। मैं पार्टी के लिए सब कुछ करने को तैयार हूं।

उद्धव ठाकरे को जोर का झटका

6 बागी लोकसभा सांसद अब शिंदे गुट के खाते में

टीएमसी के बागी 20 सांसद अलग बैठेंगे

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने

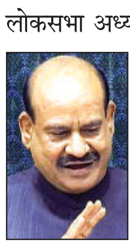

शनिवार को टीएमसी और शिवसेना (यूबीटी) के बागी सांसदों की स्थिति पर फैसला लिया है। लोकसभा सचिवालय के अनुसार, शिंदे गुट में उद्धव गुट के 6 बागी सांसदों के विलय को मंजूरी मिल गई है, जबकि टीएमसी के 20 सांसद सदन में अलग बैठेंगे। स्पीकर के फैसले से उद्धव के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) को बड़ा झटका लगा है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना में उद्धव गुट के 6 सांसदों के विलय को मंजूरी दे दी है। इसके तहत संजय हरिभाऊ जाधव, भाऊसाहेब राजाराम वाकचौरे, ओमप्रकाश भूपाल सिंह निंबालकर, संजय दीना पाटिल, संजय उत्तमराव देशमुख और नागेश पाटिल अष्टीकर अब शिंदे गुट के सांसद हो गए हैं।

बार काउंसिल की सख्त चेतावनी

कोर्टरूम में रील बनाई तो खैर नहीं, अब शपथपत्र देना होगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय बार काउंसिल (बीसीआई) ने वकीलों, कानून के छात्रों और इंटर्न के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म के इस्तेमाल को लेकर नई आचार संहिता जारी की है। अब अदालत परिसर, कोर्टरूम, बाररूम, वकीलों के चैंबर और न्यायिक भवनों में रील, वीडियो, फोटो या कप्रचार वाला कंटेंट बनाने पर रोक लगा दी गई है। वकीलों के बैंड और गाउन का उपयोग भी सोशल मीडिया पर प्रचार या व्यक्तिगत ब्रांडिंग के लिए करने से मना किया गया है।

सोशल मीडिया एथिक्स नोडल अधिकारी नियुक्त होंगे

कानूनी शिक्षा से जुड़े छोटे वीडियो, रील, पॉडकास्ट क्लिप या पोस्ट साझा करने की इजाजत रहेगी, बशर्ते वे भ्रामक दावे करने वाले न हों। बीसीआई ने सोशल मीडिया एथिक्स नोडल अधिकारी नियुक्त करने का निर्देश दिया है।

2047 के लक्ष्य को रफ्तार देने के लिए नीति आयोग ने जारी की रैंकिंग

निवेश आकर्षित करने में गुजरात देश में अव्वल, महाराष्ट्र व तमिलनाडु भी आगे

निवेश अनुकूलता सूचकांक

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नीति आयोग ने शनिवार को नई दिल्ली में देश का प्रतिष्ठित 'निवेश अनुकूलता सूचकांक 2026 जारी की। इस में गुजरात भारत के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पछाड़कर निवेश आकर्षित करने के मामले में शीर्ष प्रदर्शन करने वाला राज्य बना। गुजरात के बाद महाराष्ट्र, तमिलनाडु, गोवा और ओडिशा भी शीर्ष प्रदर्शन करने वाले राज्यों में शामिल हैं। सीईओ निधि छिब्बर ने कहा कि यह सूचकांक केवल एक रैंकिंग नहीं है, बल्कि राज्यों के लिए

एक व्यावहारिक सुधार उपकरण है। इससे राज्यों को अपनी कमियों को पहचानने और एक-दूसरे की सर्वोत्तम प्रथाओं से सीखकर स्वस्थ प्रतिस्पर्धा करने का मौका मिलेगा।

कारणों को रेखांकित किया

रिपोर्ट में उन प्रमुख कारणों को रेखांकित किया है, जिससे इन राज्यों को उच्च रैंकिंग मिली है। गुजरात में मजबूत बंदरगाह संचालन और बेहतरीन विद्युत क्षेत्र, महाराष्ट्र में निजी इक्विटी और वेंचर कैपिटल को आकर्षित करने की बेजोड़ क्षमता। वहीं तमिलनाडु में शानदार बुनियादी ढांचा आदि हैं।

8 प्रमुख स्तंभ – अवसंरचना (इन्फ्रास्ट्रक्चर), कारोबारी माहौल, संसाधन, सरकारी नीति, नियामक सुगमता, संस्थागत वातावरण, वित्तीय स्थिति, पर्यावरणीय लचीलापन।

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान में 'सौश्रुतम 2026' का समापन

आयुर्वेदाचार्यों की पहचान कुशल सर्जन के रूप में हो रही

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आयुष मंत्रालय के तहत अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए), नई दिल्ली में आयोजित 3 दिनी अंतरराष्ट्रीय सेमिनार 'सौश्रुतम 2026' का शुक्रवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। 15 से 17 जुलाई तक आयोजित इस संगोष्ठी में भारत और विदेशों के प्रमुख विशेषज्ञों ने आचार्य सुश्रुत की शल्य चिकित्सा विरासत, आयुर्वेदिक सर्जरी में नवाचार और आधुनिक विज्ञान के साथ समन्वय पर विचार-विमर्श किया। खास बात यह रही कि अतिथियों ने कहा कि अब आयुर्वेद आचार्यों की पहचान सर्जन की हो रही।

खास बातें

- थाईलैंड, इजराइल, ऑस्ट्रिया, यूनाइटेड किंगडम, श्रीलंका, इंडोनेशिया, नेपाल, ग्रीस और भारत के प्रतिष्ठित शिक्षाविदों तथा सर्जनों ने भाग लिया
- एआईआईए, आईएमएस-बीएचयू, आयुर्वेद संस्थान, जयपुर, इंस्टीट्यूट ऑफ टीचिंग एंड रिसर्च इन आयुर्वेद, जामनगर की भागेदारी

समापन सत्र में शामिल हुए कई गणमान्य

समापन सत्र में राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा प्रणाली आयोग की अध्यक्ष वैद्य मनीषा कोठेकर और दक्षिण दिल्ली से सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। एनसीआईएसएम के 'बोर्ड ऑफ एथिक्स एंड रजिस्ट्रेशन' के अध्यक्ष डॉ. सुश्रुत कनौजिया और पद्मश्री प्रो. मनोरंजन साहू विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

वैज्ञानिक संवाद और नवाचार को मिला बड़ा मंच

निदेशक प्रो. (वैद्य) पीके प्रजापति ने कहा कि इसका का उद्देश्य वैज्ञानिक संवाद को बढ़ावा देना, साक्ष्य-आधारित शल्य चिकित्सा पद्धतियों का आदान-प्रदान करना, उभरती तकनीकों को प्रदर्शित करना और आचार्य सुश्रुत की शल्य चिकित्सा विरासत को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाना था।

आईआईटी दिल्ली के साथ एमओयू का नवीनीकरण

समापन समारोह के दौरान एआईआईए और आईआईटी दिल्ली के बीच सहयोगी अनुसंधान एवं नवाचार के लिए एमओयू को 5 वर्षों के लिए नवीकृत किया। 'आयुषवल्लारी' के तीसरे संस्करण, 'नेत्र रोग : सामान्य जानकारी और निवारण' पुस्तक तथा 'सौश्रुतम 2026' की स्मारिका का भी विमोचन किया ।

पुरस्कार समारोह में बोले रक्षा मंत्री

47 करोड़ तक पहुंच गया ई-संजीवनी प्लेटफार्म का परामर्श देने का आंकड़ा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को दिल्ली में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के पुरस्कार समारोह को संबोधित करते

हुए कहा कि बीते कई वर्षों में देश के स्वास्थ्य क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव देखने को मिला है। जिसके तहत 2019 के बाद से लेकर आज तक ई-संजीवनी प्लेटफार्म द्वारा ऑनलाइन रूप से दिए जा रहे चिकित्सा परामर्श का आंकड़ा 47 करोड़ तक जा पहुंचा है। रक्षा मंत्री ने समारोह के दौरान 5 प्रतिष्ठित डॉक्टरों को चिकित्सा के क्षेत्र में दिए गए उनके सराहनीय योगदान के लिए सम्मानित भी किया। जिसमें डॉ. भारत अग्रवाल, डॉ. एके पटेल, डॉ. नवीन डांग, डॉ. एस. राजशेखरन और डॉ. सीपी ठाकुर शामिल हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार का मानना है कि स्वास्थ्य क्षेत्र में किया जा रहा निवेश एक दीर्घकालिक निवेश होना चाहिए। न कि महज कल्याण के लिए दी जाने वाली धनराशि के रूप में इसे देखा जाना चाहिए। बीते 12 वर्षों में देश के स्वास्थ्य बजट में 194 फीसदी का बड़ा उछाल देखने को मिला है।

अमेरिका का लगातार सातवीं रात ईरान पर भीषण हमला

सीरिक, बुशेहर, बंदर अब्बास, केश्म द्वीप और यज्द को बनाया निशाना

ईरानी सांसद अहमद बख्शायेश अर्देस्तानी ने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका ने जमीनी हमला किया, तो ईरान कुवैत और बहरीन में घुस जाएगा और वहां मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को तबाह कर देगा

एजेंसी ▶▶ तेहरान/वॉशिंगटन

अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने कहा कि उसने लगातार सातवीं रात ईरान के सैन्य ठिकानों, हथियार भंडार और समुद्री सैन्य क्षमताओं पर हमले किए। इन हमलों में सीरिक, बुशेहर, बंदर अब्बास, केश्म द्वीप और यज्द को निशाना बनाया गया।

वहीं, ईरानी सांसद अहमद बख्शायेश अर्देस्तानी ने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका ने जमीनी हमला किया, तो ईरान कुवैत और बहरीन में घुस जाएगा और वहां मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को तबाह कर देगा। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया कि होर्मुज स्ट्रेट में दो तेल टैंकरों में विस्फोट हो गया। आईआरजीसी ने बताया कि अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की गलत जानकारी के कारण दोनों टैंकर समुद्र में बिछी माइंस से टकराने के बाद आग की चपेट में आ गए। हालांकि, सेंटकॉम) ने इस दावे को झूठा बताया।

समुद्र में बिछी माइंस से टकराने के बाद दो तेल टैंकरों में लगी आग

अमेरिकी हमले में क्षतिग्रस्त ईरान में बंदर अब्बास-रुदान पुल

ईरान का समझौते से पीछे हटने का ऐलान

ईरान ने अमेरिका के साथ एक महीने पहले हुए समझौते से पीछे हटने का ऐलान किया है। उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने कहा कि अमेरिका ने खुद समझौते का उल्लंघन किया, इसलिए तेहरान अब उसकी शर्तों का पालन नहीं करेगा। पिछले सप्ताह अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भी कहा था कि उन्हें लगता है कि ईरान के साथ हुआ युद्धविराम अब खत्म हो चुका है।

ताबूत में ट्रंप की फैमिली लिखा- 'खून के बदले खून'

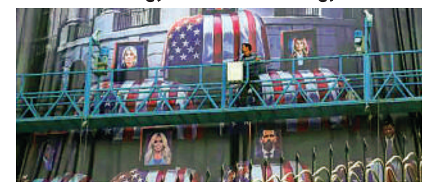

ईरान ने राजधानी तेहरान में एक नया होर्डिंग लगाया है, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और उनके पूरे परिवार को ताबूतों में दिखाया गया है। इन ताबूतों पर अमेरिकी झंडा लिपटा हुआ है, जबकि पीछे व्हाइट हाउस को आग की लपटों में घिरा दिखाया गया है। होर्डिंग में ट्रंप के साथ उनकी पत्नी मेलानिया और उनके पांचों बच्चों की तस्वीरें भी हैं। इस पर फारसी भाषा में 'खून के बदले खून' का नारा लिखा गया है।

कुवैत में आग लगने से कई यूनिट बंद

कुवैत के बिजली, जल और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने बताया कि ईरान के ताजा हमलों के बाद एक बिजली और समुद्री जल विलवणीकरण (डिसैलिनेशन) संयंत्र के एक हिस्से में आग लग गई। इसके बाद एहतियात के तौर पर बिजली उत्पादन की कई यूनिटों को बंद कर दिया गया।

ईरान के 20 गांवों में पानी संकट

ईरान के जस्क काउंटी के बुंजी तटीय गांव में समुद्री पानी को मीठा बनाने वाले सिस्टम पर अमेरिकी हमले के बाद 20 गांवों के करीब 10 हजार लोग पेयजल संकट का सामना कर रहे हैं। होर्मोजगान वाटर और वेस्टवाटर कंपनी के प्रमुख हमजेह पूर ने कहा कि हमले में समुद्र से पानी खींचने वाला पंपिंग स्टेशन और बुंजी के डिसैलिनेशन प्लांट का पावर ट्रांसफॉर्मर पूरी तरह नष्ट हो गया। उन्होंने इन हमलों को अपराध और आतंकवादी हमला बताया।

जॉर्डन में ईरान का हमला

जॉर्डन स्थित अमेरिकी मिलिट्री बेस पर हुए ईरानी हमले में 2 अमेरिकी सैनिकों की मौत हो गई, जबकि एक सैनिक लापता है। अमेरिकी सेना के बयान के मुताबिक, ईरान ने बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से हमला किया। सेना ने बताया कि हमले में घायल चार अन्य सैनिकों को इलाज के लिए जॉर्डन के अस्पतालों में भर्ती कराया गया था। इलाज के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई।

खबर संक्षेप

यूक्रेनी ड्रोन हमले में 7 रूसी लोगों की मौत

मॉस्को। रूस में रात में यूक्रेन के ड्रोन हमलों में 7 लोगों की मौत हो गई और 51 अन्य घायल हो गए।

रूसी अधिकारियों के अनुसार, यूक्रेनी ड्रोन ने रात में रूस की प्रमुख ऑनलाइन रिटेल कंपनी वाइल्डबेरीज के दो बड़े गोदामों को निशाना बनाया। इनमें से एक यूक्रेन की सीमा से लगभग 360 किमी दूर तांबोव क्षेत्र के कोतोव्स्क कस्बे में और दूसरा मॉस्को से लगभग 50 किमी पूर्व स्थित इलेक्ट्रोस्टाल शहर में है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने भी इसकी पुष्टि की है।

नॉर्वे में भीषण आग से 100 घर जलकर खाक

ड्रामेन। दक्षिणी नॉर्वे में लगी भीषण आग में 100 से अधिक घर जलकर खाक हो गए। सैकड़ों

लोगों को यहां से निकाल कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार अपराह्न करीब साढ़े तीन बजे ड्रामेन शहर में एक इमारत में आग लगी और देखते ही देखते आसपास के इलाके और नजदीकी जंगलों तक फैल गई। पुलिस ने बताया कि शनिवार सुबह भी दमकलकर्मी आग पर काबू पाने के प्रयास में जुटे रहे।

चीन में भूस्खलन से 8 की मौत, बचाव कार्य जारी

चोंगकिंग। दक्षिण-पश्चिमी चीन के चोंगकिंग शहर में हुए भूस्खलन में कम से कम 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 34

अन्य लापता हैं। बचाव दल शनिवार को जीवित बचे लोगों की तलाश में अभियान चला रहा है। यह भूस्खलन शुक्रवार सुबह चोंगकिंग नगर पालिका के बाहरी क्षेत्र स्थित पेंगशुई काउंटी में हुआ, जब बड़ी मात्रा में चट्टानें और मिट्टी ढलान से नीचे खिसक गईं और 10 से अधिक रिहायशी इमारतें इसकी चपेट में आ गईं।

'ऑपरेशन सिंदूर' भारतीय सशस्त्र बलों के अद्वितीय शौर्य का प्रतीक

'फोर्सेस फर्स्ट कॉन्क्लेव' में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बोले

आतंकवाद के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' केवल एक बयान नहीं, सरकार की कार्यशैली

राजनाथ सिंह ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसे जटिल अभियान की सफलता में भारत के बदले हुए रक्षा क्षेत्र की बड़ी भूमिका रही। इस अभियान के दौरान आकाश तीर, आकाश मिसाइल प्रणाली और ब्रह्मोस जैसी उन्नत प्रणालियों के साथ कई अन्य अत्याधुनिक उपकरणों का प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किया गया

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को नई दिल्ली में आयोजित 'फोर्सेस फर्स्ट कॉन्क्लेव' में कहा कि आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस केवल एक बयान नहीं, बल्कि सरकार की कार्यशैली है। उन्होंने दोहराया कि भारत आतंकवाद के खिलाफ केवल अपनी सीमा पर ही नहीं, बल्कि जहां से आतंकवाद संचालित होता है, वहां तक पहुंचकर भी कार्रवाई करने की क्षमता रखता है।

उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' भारतीय सशस्त्र बलों के अद्वितीय शौर्य का प्रतीक है। हमारे जवानों ने आतंकवादियों और उन्हें संरक्षण देने वालों को करारा जवाब दिया, जिससे आतंकवाद के प्रति सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति स्पष्ट हुई।

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ा भारत

आधुनिकीकरण और स्वदेशीकरण पर ध्यान

भारतीय सैनिक राष्ट्र गौरव का प्रतीक

राजनाथ सिंह ने कहा कि सीमाओं पर तैनात सैनिक, समुद्र की गहराइयों में देश की सुरक्षा कर रहे नौसैनिक और आकाश में राष्ट्र की रक्षा करने वाले वायु योद्धा भारत के राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि जो देश अपने सैनिकों का सम्मान करना नहीं जानता, उसका भविष्य कभी सुरक्षित नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसे जटिल अभियान की सफलता में भारत के बदले हुए रक्षा क्षेत्र की बड़ी भूमिका रही। उन्होंने कहा कि इस अभियान के दौरान आकाश तीर, आकाश मिसाइल प्रणाली और ब्रह्मोस जैसी उन्नत प्रणालियों के साथ कई अन्य अत्याधुनिक उपकरणों का प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किया गया।

रक्षा औद्योगिक गलियारे में 70 हजार करोड़ का निवेश

रक्षा मंत्री ने कहा कि यूपी और तमिलनाडु में रक्षा औद्योगिक गलियारों की स्थापना आत्मनिर्भरता के लक्ष्य की दिशा में एक बड़ा सुधार है। इन गलियारों में उन्नत रक्षा विनिर्माण का काम हो रहा है और कई कंपनियां वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा बन चुकी हैं। इन दोनों रक्षा औद्योगिक गलियारों में लगभग 70 हजार करोड़ रुपए के निवेश का प्रस्ताव है, जिनमें से करीब 10 हजार करोड़ रुपए का निवेश हो चुका है।

12 वर्षों में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाए

उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने 'राष्ट्र सर्वोपरि' और 'सेना सर्वोपरि' की भावना के साथ रक्षा क्षेत्र के आधुनिकीकरण, स्वदेशीकरण और आत्मनिर्भरता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। पिछले 12 वर्षों में भारत ने रक्षा क्षेत्र में निर्भरता से आत्मनिर्भरता की ओर महत्वपूर्ण कदम बढ़ाए हैं।

भारत की क्षमता पर भरोसा जरूरी

उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार का दृष्टिकोण भारत की क्षमता और कौशल पर विश्वास करने का है, जबकि पहले की सरकारों का नजरिया देश की क्षमताओं को लेकर उतना भरोसेमंद नहीं था। उन्होंने कहा कि भारत के पास रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की पूरी क्षमता है और सरकार उसी दिशा में लगातार काम कर रही है। यदि किसी देश को हथियार, गोला-बारूद, मिसाइल, रडार, ड्रोन, नेवीगेशन सिस्टम और अन्य रक्षा उपकरणों के लिए दूसरे देशों पर निर्भर रहना पड़े, तो उसकी रणनीतिक और सैन्य स्वायत्तता भी सीमित हो जाती है।

रक्षा उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा

राजनाथ सिंह ने बताया कि वर्ष 2025-26 में भारत का वार्षिक रक्षा उत्पादन बढ़कर लगभग 1.78 लाख करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, जबकि वर्ष 2014 के आसपास यह करीब 40 हजार करोड़ रुपए था। उन्होंने कहा कि रक्षा निर्यात भी बढ़कर अब तक के सबसे ऊंचे स्तर 38 हजार करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। वित्त वर्ष 2013-14 में यह केवल 686 करोड़ रुपए था।

जल्द जारी होगी नई सूची

राजनाथ सिंह ने कहा कि अब तक सशस्त्र बलों की ओर से 509 वस्तुओं वाली पांच सकारात्मक स्वदेशीकरण सूचियां जारी की जा चुकी हैं। इसके अलावा रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (डीपीएसयू) की ओर से 5,012 वस्तुओं वाली पांच सकारात्मक स्वदेशीकरण सूचियां भी जारी की गई हैं।

बीएसएफ के जवानों के साथ अमित शाह

'चिकन नेक' पर सुरक्षा का ध्यान

शाह ने सिलीगुड़ी के पास सीमा सुरक्षा इंतजाम का लिया जायजा

एजेंसी ▶▶ सिलीगुड़ी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को उत्तरी बंगाल में संवेदनशील राष्ट्रीय सीमाओं पर बॉर्डर फेंसिंग के साथ सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया। उन्होंने बीएसएफ के लिए 77.06 करोड़ रुपए की लागत वाली विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। उनका दौरा 'चिकन नेक' पर सुरक्षा पर ध्यान बढ़ता है, यह क्षेत्र भारत और पूर्वोत्तर राज्यों के बीच एकमात्र जमीनी संपर्क है। शाह उत्तरी बंगाल के शहर सिलीगुड़ी के बाहरी इलाके में फुलबारी बॉर्डर आउटपोस्ट के जुमागाछ इलाके में बीएसएफ की 18वीं बटालियन की सीमा चौकी पर पहुंचे। यहां उन्होंने अर्द्धसैनिक बलों के जवानों से बातचीत की, फेंसिंग के पास बने वॉच टॉवर का दौरा किया और एक पौधा भी लगाया। बता दें, केंद्रीय गृह मंत्री राज्य के तीन दिवसीय दौरे पर शुक्रवार शाम बागडोगरा पहुंचे थे।

3 अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के बीच है 'चिकन नेक'

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार बैठक में मुख्य रूप से 'चिकन नेक' के नाम से प्रसिद्ध सिलीगुड़ी गलियारे की सुरक्षा व्यवस्था पर चर्चा हुई है। 17 से 22 किलोमीटर लंबा यह महत्वपूर्ण क्षेत्र पूर्वोत्तर के 8 राज्यों को शेष भारत से जोड़ने वाला एकमात्र जमीनी संपर्क का माध्यम है। यह गलियारा तीन अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के बीच स्थित है। इसके उत्तर में नेपाल, दक्षिण में बांग्लादेश और उत्तर-पूर्व में भूटान है। हाल ही में राज्य में बनी सुवेंदु अधिकारी सरकार ने इस क्षेत्र में सीमा पर बाड़ लगाने के लिए 120 एकड़ भूमि बीएसएफ को हस्तांतरित की है।

सीमा प्रबंधन पर की चर्चा

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उत्तर बंगाल स्थित राज्य सचिवालय की शाखा 'उत्तर कन्या' में सीमा प्रबंधन और अन्य प्रशासनिक मुद्दों पर कई बैठकों की अध्यक्षता की। इन बैठकों में राज्य में नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन तथा जन्म और मृत्यु पंजीकरण से जुड़े मुद्दों की भी समीक्षा की गई। शाह शनिवार शाम कोलकाता पहुंचें।

22 को नौसेना बेड़े में होगा शामिल

मालवन युद्धपोत के प्रतीक चिन्ह में दिखा बाघ का पंजा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

नौसेना ने पनडुब्बी रोधी युद्ध-कौशल में माहिर उथले जल क्षेत्र में

कार्रवाई करने वाले मालवन युद्धपोत के शिखर (प्रतीक चिन्ह) का उद्घाटन किया है। जिसके केंद्र में 'बाघ के पंजे यानी बाघ नख' की अनोखी तस्वीर लगाई गई है। यह युद्धपोत 22 जुलाई को नौसेना में आधिकारिक रूप से शामिल होगा। कर्नाटक के कारवार में समारोह आयोजित किया जाएगा। जिसकी अध्यक्षता वायुसेना प्रमुख एयरचीफ मार्शल ए.पी. सिंह करेंगे। मालवन का बाघ के नख वाला यह प्रतीक चिन्ह साहस, चपलता और निर्भीकता का प्रतीक है। समुद्र में लहरों से घिरा हुआ यह जहाज अपनी दृढ़ता को प्रतिबिंबित करता है। यह बताता है कि हमेशा सतर्क रहें और देश की समुद्री सीमाओं की रक्षा में चुपचाप प्रहार करें। छत्रपति शिवाजी ने 1659 में प्रतापगढ़ युद्ध के दौरान बीजापुर सल्तनत के सेनापति अफजल खां के हमले से बचाव में बाघ नख का ही उपयोग किया था।

सीसीपीए का स्पाइसजेट पर एक्शन

डार्क पैटर्न अपनाने पर 1 लाख रुपए का जुर्माना, जांच में दोषी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने फ्लाइट बुकिंग प्लेटफॉर्म पर 'डार्क पैटर्न' (भ्रामक डिज़ाइन प्रथाओं) का इस्तेमाल करने के मामले में स्पाइसजेट लिमिटेड पर 1 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। प्राधिकरण ने कहा कि कंपनी की ये प्रथाएं उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019, उपभोक्ता संरक्षण (ई-कॉमर्स) नियम, 2020 के नियम 4(9) और डार्क पैटर्न्स की रोकथाम एवं विनियमन संबंधी दिशानिर्देश, 2023 का उल्लंघन हैं।

सीसीपीए की अध्यक्ष मुख्य आयुक्त स्मति निधि खरे और आयुक्त अनुपम मिश्रा की अगुवाई में हुई जांच में पाया गया कि स्पाइसजेट अपने फ्लाइट बुकिंग प्लेटफॉर्म पर पहले से टिक किए गए चेकबॉक्स के जरिए उपभोक्ताओं को स्वतः 'स्पाइसक्लब' लॉयल्टी प्रोग्राम में नामांकित कर रही थी।

टाइगर हिल अभियानः वीरता का सम्मान

मिलिट्री टूरिज्म को बढ़ावा दे रहे

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने द्रास के सिविल प्रशासन के साथ मिलकर, 27वें कारगिल विजय दिवस समारोह के हिस्से के तौर पर 'टाइगर हिल अभियान 2026' को सफलतापूर्वक आयोजित किया। द्रास के जिला मुख्यालय बनने के बाद यह अपनी तरह की पहली पहल थी। इस अभियान ने कारगिल युद्ध की विरासत को संजोते हुए मिलिट्री टूरिज्म को बढ़ावा दिया। इसमें गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, द्रास के ग्यारह प्रशिक्षित टूर और ट्रेक गाइड भी शामिल हुए।

पीओके में हो रही हिंसा पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर घिरा पाक

यूएन मानवाधिकार ने जताई चिंता, मौतों की त्वरित, गहन और निष्पक्ष जांच की भी मांग

एजेंसी ▶▶ न्यूयॉर्क

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में जारी अशांति को लेकर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय (ओएचसीएचआर) ने गहरी चिंता जताई है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच संयम बरतने की अपील की है।

उन्होंने प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों, दोनों पक्षों में हुई मौतों की परिस्थितियों की पारदर्शी जांच कराने की मांग की है ताकि जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके। जिनेवा से जारी बयान में

ओएचसीएचआर ने कहा कि 27 जुलाई को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले जून से अब तक दर्जनों लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें अधिकांश प्रदर्शनकारी हैं, जबकि कुछ कानून-व्यवस्था बनाए रखने वाले सुरक्षाकर्मी भी शामिल हैं।

निष्पक्ष सुनवाई होनी चाहिए

वोल्कर तुर्क ने अशांति के दौरान हुई सभी मौतों की त्वरित, गहन और निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। वोल्कर तुर्क ने कहा कि गिरफ्तार किए गए संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) नेताओं को कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए और उन्हें अपने परिवारों से संपर्क करने का अवसर मिलना चाहिए। साथ ही उनके निष्पक्ष सुनवाई और विधिसम्मत प्रक्रिया के सभी अधिकारों की पूरी तरह गारंटी दी जानी चाहिए।

पीयूष गोयल ने फिनलैंड की प्रमुख कंपनियों से की मुलाकात

नोकिया के साथ 5जी और 6जी तकनीक पर की चर्चा

दूरसंचार, निवेश सहित कई क्षेत्रों में साझेदारी और मजबूत करने पर जोर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने फिनलैंड

■ स्मार्ट सिटी इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग में बढ़ेगा

की अग्रणी प्रौद्योगिकी और औद्योगिक कंपनियों के साथ रणनीतिक बैठकों के जरिए भारत-फिनलैंड आर्थिक एवं तकनीकी साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया। बैठकों में दूरसंचार, अनुसंधान, स्मार्ट अवसंरचना, उन्नत विनिर्माण, डिजिटल प्रौद्योगिकी और निवेश जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई।

वीटीटी के साथ नवाचार पर जोर

यूरोप के प्रमुख अनुसंधान संस्थानों में शामिल वीटीटी तकनीकी अनुसंधान केंद्र में हुई बैठक के दौरान अनुसंधान, नवाचार, उन्नत प्रौद्योगिकी, औद्योगिक परिवर्तन, उन्नत सामग्री, डिजिटलीकरण और सतत विकास के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने अनुसंधान साझेदारी और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को मजबूत करने की संभावनाओं पर भी विचार किया।

केओएनई के साथ स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर पर चर्चा

केओएनई कॉरपोरेशन के अध्यक्ष और वरिष्ठ नेतृत्व के साथ बैठक में स्मार्ट शहरी अवसंरचना, लिफ्ट और एस्केलेटर तकनीक, सतत निर्माण समाधान, उन्नत विनिर्माण और स्थानीयकरण पर सहयोग बढ़ाने के अवसरों पर चर्चा की गई। भारत के तेजी से विकसित हो रहे अवसंरचना और विनिर्माण क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं पर भी विचार हुआ।

केम्पी समूह के साथ औद्योगिक नवाचार पर फोकस

केम्पी समूह के नेतृत्व के साथ हुई बैठक में उन्नत औद्योगिक मशीनरी, वेल्डिंग तकनीक, विनिर्माण नवाचार, आधुनिक औद्योगिक समाधान और भारत के बढ़ते विनिर्माण एवं अवसंरचना क्षेत्रों में निवेश के अवसरों पर चर्चा हुई। इसके अलावा इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर और अन्य उभरते औद्योगिक क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाएं भी तलाशीं गईं।

भारत-फिनलैंड आर्थिक संबंधों को मिली नई गति

इन बैठकों ने फिनलैंड के उद्योग जगत के प्रमुख प्रतिनिधियों के साथ प्रत्यक्ष संवाद का अवसर प्रदान किया, जिससे भारत की विश्वसनीय विनिर्माण और नवाचार साझेदार के रूप में पहचान और मजबूत हुई। यह दौरा प्रौद्योगिकी, अनुसंधान, सतत विनिर्माण और निवेश के क्षेत्रों में दोनों देशों की साझेदारी को नई गति देने की साझा प्रतिबद्धता के साथ संपन्न हुआ।

खबर संक्षेप

कार्यकर्ताओं से अजय सिंह ने किया संवाद

मंडीदीप। मंडीदीप में शनिवार को नर्मदापुरम रोड गैलेक्सी कॉम्प्लेक्स में जिला कांग्रेस की बैठक की गई, जिसमें ब्लॉक एवं जिला स्तर के कांग्रेस कार्यकर्ताओं से पूर्व नेता प्रतिपक्ष चुरहट विधायक अजय सिंह ने संगठन को मजबूत करने के लिए संवाद किया। कांग्रेस के नेताओं को 2028 के विधानसभा चुनाव को मजबूती से लड़ने एवं घर बैठे कार्यकर्ताओं को पुनः सक्रिय कर उनमें ऊर्जा का संचार करने के लिए चर्चा की गई, जिसमें मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष देवेंद्र पटेल, पूर्व शिक्षा मंत्री राजकुमार पटेल, भोजपुर विधानसभा के प्रभारी विक्रम मस्ताल जिला उपाध्यक्ष दीपेश मीणा ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अनूप पाल, नगर कांग्रेस अध्यक्ष दशरथ मीणा समेत कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जन्मदिन पर सीएमओ किरण ने रौपा पौधा

औबेदुल्लागंज। औबेदुल्लागंज नगर परिषद की सीएमओ किरण रहंगडाले का शनिवार को जन्मदिन मनाया गया। जन्मदिन पर विधायक सुरेंद्र पटवा, नगर परिषद की उपाध्यक्ष नमीता बागिश अग्रवाल, तहसीलदार निलेश सरवटे ,एसडीओपी शीला सुराणा, टीआई बीपी सिंह, जनपद सीईओ निखिलेश कटारे, कन्हैया नंदवंशी, डॉ. कैलाश विनय नागर, वरिष्ठ अशोक मित्तल, व्यापार महासंघ के संरक्षक अशोक सेठी, मंडल अध्यक्ष डॉ. भूपेंद्र नागर, पार्षद हेमलता मनोज चौरसिया, पार्षद दीपू परमार, पार्षद भारती नरेश सेठी, शंकर इरपाचे, राजेंद्र गुड्डू साहू, सुजीत यादव आदि ने सीएमओ के जन्मदिन पर बधाई दी।

केस डायरी नहीं पेश करने पर जवाब तलब

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने आपराधिक मामलों में समय पर केस डायरी प्रस्तुत नहीं करने पर भोपाल पुलिस के रवैये पर कड़ी नाराजगी जताई है। जस्टिस विवेक अग्रवाल व जस्टिस अवनींद्र कुमार सिंह की डिवीजन बेंच ने टिप्पणी की कि यह स्थिति केवल एक मामले तक सीमित नहीं है, बल्कि कई मामलों में भोपाल पुलिस केस डायरी पेश नहीं कर रही है। इस पर हाई कोर्ट ने भोपाल पुलिस कमिश्नर से शपथपत्र पर जवाब मांगा है। मामला करीब डेढ़ लाख रुपये के नकली नोटों से जुड़ा है, जिसमें डाक्टर शैफुल अंसारी की गिरफ्तारी को चुनौती दी गई है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि कार बेचने के दौरान मिले नकली नोटों को स्वयं पुलिस के पास जमा कराने के बावजूद कोहेफिजा थाना पुलिस ने शिकायतकर्ता डाक्टर के खिलाफ ही आपराधिक कार्रवाई कर दी व बार-बार अवसर देने के बावजूद केस डायरी प्रस्तुत नहीं की गई।

जिला अभिभाषक संघ भोपाल के नवनिर्वाचित अध्यक्ष देवेंद्र रावत बोले

जिला न्यायालय परिसर में पार्किंग और बैठक व्यवस्था को पहली प्राथमिकता

जिला न्यायालय परिसर में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना पहला काम है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

जिला न्यायालय परिसर को एशिया का सबसे भव्य और बड़ा जिला न्यायालय परिसर में रूप में प्रचारित तो खूब कर दिया गया, लेकिन इस जिला न्यायालय परिसर में न तो वाहन पार्किंग के लिए पर्याप्त व्यवस्था की गई और न ही अधिवक्ताओं के बैठने के लिए ही पर्याप्त व्यवस्था की गई है। मेरी सर्वप्रथम प्राथमिकता न्यायालय परिसर में पार्किंग और बैठक व्यवस्था को ठीक करना है। यह बात जिला अभिभाषक संघ भोपाल के नवनिर्वाचित अध्यक्ष देवेंद्र रावत ने हरिभूमि से बातचीत में कही। उन्होंने कहा कि अधिवक्ताओं की सुरक्षा, उनका मान सम्मान की रक्षा करना और परिसर में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना उनका पहला काम है। रावत ने कहा कि राज्य सरकार और राज्य अधिवक्ता परिषद के सहयोग से अधिवक्ताओं की स्वास्थ्य सहायता राशि एवं मृत्यु दावा राशि में वृद्धि कराए जाने का भरपूर प्रयास करेंगें।

अधिवक्ताओं की सेवा और सम्मान के लिए काम करेंगे

देवेंद्र रावत ने बताया कि अध्यक्ष पद की इस नई पारी में वह पूर्व की तरह अधिवक्ताओं की सेवा, सुरक्षा और सम्मान के लिए काम करेंगे। जिला अभिभाषक संघ के निर्वतमान पदाधिकारियों पर भवन के निर्माण में लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों पर उनका कहना था कि हम भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचार के खिलाफ हैं। शिकायतकर्ताओं ने इस संबंध में शिकायतें की हैं। जांच एजेंसियां मामले की जांच कर रही हैं। हम सहयोग करेंगें।

हम भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारियों के खिलाफ हैं: देवेंद्र

स्वास्थ्य बीमा योजना लागू करेंगे

देवेंद्र ने कहा कि भोपाल के अधिवक्ताओं के लिए स्वास्थ्य बीमा योजना लागू करेंगें। उन्होंने बताया कि जब वह पहली बार जिला अभिभाषक संघ भोपाल के अध्यक्ष निर्वाचित हुए थे तो उन्होंने जिला न्यायालय परिसर की पार्किंग में पेवर ब्लाक लगाकर वाहन पार्किंग की समस्या को काफी हद तक दूर कर दिया था। अब समय की जरूरतों को देखते हुए जिला न्यायालय परिसर में मल्टी लेवल पार्किंग बनाएंगे। अधिवक्ताओं की सुरक्षा के लिए एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करवाने के लिए गंभीरता से प्रयास करेंगें।

सीएम से भेंट कर एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग करेंगे

देवेंद्र रावत ने बताया कि उनके पूर्व अध्यक्षीय कार्यकाल में मुख्यमंत्री निवास में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वकील पंचायत आयोजित कर अधिवक्ताओं की सुरक्षा के लिए एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की घोषणा की थी। इस कार्यकाल में वह वर्तमान मुख्यमंत्री से भेंट कर एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग करेंगें। उन्होंने कहा कि नई अधिवक्ताओं के लिए कल्याणकारी योजनाओं को लागू कराने के लिए शासन स्तर पर प्रयास किए जाएंगे। देवेंद्र रावत ने बताया कि वह अधिवक्ताओं को संगठित कर उनके कल्याण और उत्थान के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। उन्होंने बताया कि पुलिस द्वारा किसी भी अधिवक्ता विरुद्ध अपराध दर्ज करने से पहले जिला अभिभाषक संघ के अध्यक्ष और सचिव को सूचना देनी होगी। इसके लिए गृह विभाग को प्रस्ताव भेजा जाएगा।

निशातपुरा थाना क्षेत्र स्थित बेस्ट प्राइज के पीछे मित्तल कॉलेज रोड पर हादसा

कार ने घर के बाहर खेल रहे सोलह महीने के बच्चे को मारी टक्कर, मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

निशातपुरा थाना क्षेत्र स्थित बेस्ट प्राइज के पीछे मित्तल कॉलेज रोड पर ओरा कार ने सड़क पर खेल रहे सोलह महीने के बच्चे को टक्कर मार दी। शुक्रवार शाम हुए इस हादसे के बाद कार का चालक खुद बच्चे को लेकर भानपुर स्थित निजी अस्पताल पहुंचा था। वहां डॉक्टर ने बच्चे को चेक करने के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने कार जब्त कर ली है। आरोपी चालक के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस के अनुसार कायस्य राव अहिरवार पिता पप्पू अहिरवार सोलह महीने का था। उसके पिता मित्तल कॉलेज के पास बन रही कॉलोनी में झुग्गी बनाकर रहते हैं। शुक्रवार शाम करीब साढ़े 5 बजे उनका बेटा कायस्य राव झुग्गी के बाहर रोड पर खेल रहा था, तभी वहां से गुजर रहे ओरा कार के चालक ने तेजी और लापरवाहीपूर्वक कार चलाते हुए कायस्य को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से कायस्य राव को अंदरूनी चोट आई थी। कार चालक ने कार रोकी और परिजन के साथ कायस्य को लेकर भानपुर स्थित निजी अस्पताल पहुंचा।

मित्तल कॉलेज के पास बन रही कॉलोनी में झुग्गी बनाकर रहता है मृतक का परिवार

पुलिस ने मामला दर्ज कर कार जब्त कर ली

गौरव नगर मल्टी में दूसरी मंजिल से गिरकर डेढ़ साल के बच्चे की मौत

कजलीखेड़ा थाना क्षेत्र स्थित गौरव नगर मल्टी में दूसरी मंजिल की बालकनी से गिरकर डेढ़ साल के बच्चे की मौत हो गई। हादसा शुक्रवार सुबह करीब साढ़े सात बजे के आसपास का है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार मोक्ष चढ़ार पिता धनीराम चढ़ार 18 महीने का था। उसके पिता धनीराम प्राइवेट नौकरी करते हैं। धनीराम चढ़ार ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार सुबह उनका बेटा मोक्ष बालकनी में खेल रहा था, तभी बालकनी से नीचे गिर गया। चीख पुकार सुनकर परिजन नीचे पहुंचे और उसे उठाकर निजी अस्पताल ले गए।

बीटेक की छात्रा ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

कमला नगर थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह बीटेक फर्स्ट ईयर की छात्रा ने अपने कमरे में फांसी लगा ली। नजर पड़ते ही परिजन उसे फंदे से उतारकर अस्पताल ले गए थे। वहां डॉक्टर ने चेक करने पर छात्रा को मृत घोषित कर दिया। पुलिस को घटनास्थल का निरीक्षण करने पर सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। शोकाकुल परिजन के बयान होने के बाद ही आत्महत्या की वजह का पता चल सकेगा। पुलिस के अनुसार अंजली राय पिता देवनाथ राय (19) हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, कोटरा सुल्तानाबाद में रहती थी। वह एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज में बीटेक प्रथम वर्ष की छात्रा थी। अंजली ने शनिवार सुबह अपने कमरे में फांसी लगा ली। नजर पड़ते ही परिजन उसे निजी अस्पताल लेकर गए। वहां से हमीदिया अस्पताल जाने की सलाह दी गई। हमीदिया पहुंचने पर डॉक्टर ने अंजली को मृत घोषित कर दिया। पुलिस को अंजली के पास और कमरे से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने उसका मोबाइल जब्त किया है। पुलिस ने बताया कि अंजली के पिता शासकीय स्कूल में शिक्षक हैं, जबकि मां गृहिणी हैं।

नालों की लगातार हो रही मॉनिटरिंग

भोपाल। बारिश के दौरान जलभराव और प्रदूषण की चुनौती से निपटने के लिए नगर निगम ने नाला सफाई के बाद अब उनकी सतत निगरानी शुरू कर दी है। निगम का दावा है कि शहर के सभी प्रमुख नालों की प्री-मानसून सफाई पूरी कर ली गई है और अब टीमें लगातार यह तय कर रही हैं कि कहीं भी पानी की निकासी बाधित न हो। साथ ही तालाबों और अन्य जल संरचनाओं को प्रदूषण मुक्त रखने के लिए भी अभियान जारी है। निगम के अनुसार महापौर मालती राय और निगम आयुक्त संस्कृति जैन के निर्देश पर पोकलेन, जेसीबी और श्रमिकों की मदद से शहरभर के नालों की सफाई कराई गई थी। अब बारिश के दौरान जिन स्थानों पर कचरा या सिल्ट के कारण पानी का बहाव प्रभावित होता है, वहां तत्काल अमला पहुंचकर निकासी सुचारु करा रहा है।

तालाबों, कुओं और बावड़ियों की सफाई पर फोकस: जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत तालाबों, कुओं और बावड़ियों की सफाई व सौंदर्यीकरण के बाद भी नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग और झील संरक्षण प्रकोष्ठ तालाबों से कचरा, गाद हटाने का काम कर रहे हैं। साथ ही विभिन्न एसटीपी के माध्यम से तालाबों में मिलने वाले सीवेज का उपचार किया जा रहा है, ताकि जल प्रदूषण कम किया जा सके।

वार्ड 2 की महिलाओं का फूटा गुस्सा

मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर नगर पंचायत का घेराव

नगर पंचायत का घेराव करने पहुंचे महिलाएं व पुरुष।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ औबेल्लागंज

नगर पंचायत के वार्ड 2 की विद्यानगर एवं कल्याण नगर कॉलोनी के रहवासियों ने मूलभूत सुविधाओं की भारी कमी को लेकर नगर पंचायत कार्यालय पहुंचकर जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान 100 से अधिक महिलाओं ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) को ज्ञापन सौंपते हुए शीघ्र समस्या समाधान की मांग की। रहवासियों का कहना है कि दोनों कॉलोनियों में लंबे समय से सड़क, पेयजल, नाली और आवश्यक सुविधाओं का अभाव है। बरसात में कच्चे रास्ते कीचड़ में तब्दील हो जाते हैं, जिससे बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं का आवागमन मुश्किल हो जाता है। पर्याप्त पेयजल व्यवस्था नहीं होने से लोगों को रोजाना परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

कई बार शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं

महिलाओं ने आरोप लगाया कि कई बार शिकायत करने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उनका कहना है कि चुनाव के समय जनप्रतिनिधि बड़े-बड़े वादे करते हैं, लेकिन चुनाव समाप्त होते ही वार्ड की समस्याओं को नजरअंदाज कर दिया जाता है। ज्ञापन सौंपते हुए महिलाओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई गईं तो वे नगर पंचायत के खिलाफ उग्र आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगी। सीएमओ ने रहवासियों को उनकी समस्याओं के शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया। इस दौरान पार्षद नरेश सेठी दीपू परमार के साथ वार्डवासी उपस्थित रहे।

जनप्रतिनिधि त्रिलोचन सिंह को आचार्यश्री ने दिया आशीर्वाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ औबेदुल्लागंज

औबेदुल्लागंज में आचार्य श्री समय सागर महाराज के पद विहार में त्रिलोचन सिंह बिट्टू तीन दिन लगातार साथ रहे। आचार्यश्री ने बिट्टू को आशीर्वाद दिया और उनकी भक्ति को देखते हुए उनको भोपाल मिलने के लिए बुलाया। इस अवसर पर औबेदुल्लागंज जैन समाज ने बिट्टू की प्रशंसा की।

विधायक पटवा का नंदवंशी ने किया स्वागत एवं अभिनंदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ औबेदुल्लागंज

विधायक सुरेंद्र पटवा का महावीर कॉलोनी में आगमन पर युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष भूपेंद्र नंदवशी, जीतू नंदवंशी ने घर के सामने स्वागत एवं अभिनंदन किया।

3435 जर्जर भवनों में सिर्फ 280 पर कार्रवाई

3155 अब भी खतरे की जद में

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी में मानसून के दौरान जर्जर भवन लोगों की जान के लिए बड़ा खतरा बने हुए हैं। नगर निगम ने शहर में 3435 जर्जर और भयप्रद भवनों की पहचान की है, लेकिन अब तक सिर्फ 280 भवनों पर ही कार्रवाई हो सकी है। यानी 3155 भवन अब भी खतरे की जद में हैं। निगम ने 2184 भवन मालिकों को नोटिस जारी किए हैं, लेकिन अधिकांश मामलों में निर्देशों का पालन नहीं हुआ है। नगर निगम के सर्वे के मुताबिक 3435 भवनों में 971 निजी और 2464 शासकीय भवन शामिल हैं। इनमें 17 निजी और 740 शासकीय भवन अति जर्जर श्रेणी में हैं। सबसे गंभीर स्थिति ऐशबाग क्षेत्र की है, जहां हाउसिंग बोर्ड के 600 ईडब्ल्यूएस (जनता क्वार्टर) बेहद जर्जर हो चुके हैं। इन भवनों को लेकर निगम आयुक्त जैन ने हाउसिंग बोर्ड को पत्र लिखकर शिफ्टिंग की बात कही है।

एक नजर आंकड़ों पर

- कुल जर्जर भवन चिन्हित: 3435
- नोटिस जारी: 2184
- मरम्मत कराई गई: करीब 200
- ध्वस्त किए गए भवन: 80
- अब भी खतरे में भवन: 3155
- निजी भवन: 971
- शासकीय भवन: 2464
- अति जर्जर शासकीय भवन: 740
- अति जर्जर निजी भवन: 17

---

40 दिनों तक चलेगा झूलेलाल चालीहा महोत्सव: सबधाणी

विजयनगर, लालघाटी सिंधी समाज उत्थान पंचायत का आयोजन

भगवान झूलेलाल के जयकारों से भक्तिमय हुआ वातावरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ संतनगर

विजयनगर, लालघाटी सिंधी समाज उत्थान पंचायत द्वारा हरि सेवा गंगा दरबार में भगवान झूलेलाल के पावन चालीहा महोत्सव श्रद्धा एवं भक्ति भाव से बैराणा साहब का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने भगवान झूलेलाल की पूजा-अर्चना की तथा समाज की सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं विश्व कल्याण की प्रार्थना की। अध्यक्ष एवं व्यवस्थापक आनंद सबधाणी ने बताया कि भगवान झूलेलाल का यह पावन चालीहा महोत्सव 40 दिनों तक चलेगा। महोत्सव के अंतर्गत प्रथम दिन परंपरानुसार बैराणा साहब रखा गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर बैराणा साहब में आहुति दी। इसके बाद सामूहिक रूप से भक्त शीतलदास की बगिया पहुंचे, जहां धार्मिक परंपरा के अनुसार बैराणा साहब का विसर्जन किया गया।

चालीहा महोत्सव में शामिल होने का संकल्प लिया

श्रद्धालुओं ने समाज में सुख, शांति, समृद्धि एवं आपसी भाईचारे की कामना करते हुए नियमित रूप से चालीहा महोत्सव में शामिल होने का संकल्प लिया। इस अवसर पर आनंद सबधाणी, साध्वी मंजरी प्रिया, अशोक तिलवानी, सुशी डोडानी, इंदरदास मेघानी, राधेश्याम नाथाणी, किशन आसुदानी, मनोहर आसुदानी, अर्जुन वाधवानी, हरचंद ग्वालानी, नंदलाल मोतयानी, गीता सजदेवा सहित समाज के अनेक गणमान्य नागरिक एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

धाकड़ मैरिज गार्डन में औबेदुल्लागंज ब्लॉक का कांग्रेस सम्मेलन आयोजित

पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को किया संबोधित

कांग्रेस संगठन की मजबूती, जनसंपर्क के विस्तार एवं कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका को लेकर किया मंथन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ औबेदुल्लागंज

शनिवार को औबेदुल्लागंज धाकड़ मैरिज गार्डन में औबेदुल्लागंज ब्लॉक का कांग्रेस सम्मेलन हुआ, जिसमें पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह ने कहा कि संगठन की मजबूती, जनसंपर्क के विस्तार एवं कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका को लेकर सार्थक संगठनात्मक चर्चा की। इस अवसर पर सिंह ने कहा कि कांग्रेस के प्रत्येक वफादार कार्यकर्ता को सिर्फ कांग्रेस की बात करना चाहिए।

कांग्रेस भोजपुर क्षेत्र में बड़ी मजबूत है। कांग्रेस के कार्यकर्ता मन और तन से कांग्रेस को समर्पित हो। उन्होंने कहा कि 1993 में मैं भोजपुर से चुनाव लड़ा। सुंदरलाल पटवा को मैंने भोजपुर में बांध दिया था, इसीलिए उसे समय दिग्विजय सिंह की सरकार बनी थी। मालवा क्षेत्र में कांग्रेस के कई विधायक जीते। अगर मैं सुंदरलाल पटवा को भोजपुर क्षेत्र में नहीं बांधता तो मालवा क्षेत्र में कांग्रेस के इतने विधायक नहीं जीतते। मगर मैं पटवा से हार गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय सिंह।

संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने पर बल

सिंह ने कहा कि अगर मध्य प्रदेश के सभी कांग्रेसी कार्यकर्ता एकजुट होकर ठान लें तो 2028 में कांग्रेस की सरकार बनेगी। इस अवसर पर अजय सिंह ने संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने, आपसी समन्वय को और अधिक मजबूत करने तथा कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के संकल्प को दोहराया। राजकुमार पटेल, जिला कांग्रेस कमेटी रायसेन एवं विधायक सिलवानी देवेंद्र पटेल विधानसभा प्रभारी पूर्व विधायक देवेंद्र सिंह गडरवास विक्रम मस्ताल संजय सिंह चौहान के विशेष सहयोग से आयोजन सफल हुआ। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता जितेंद्र मिश्रा हाईकोर्ट एडवोकेट विजय धाकड़ जिला कांग्रेस सेवा दल मेघराज चौहान स्थानीय नेता विक्रांत राय विनोद इरपाचे इमारत दरबार हरजीत सिंह मंगू पवित्र कौर चंद्रा चौहान बसंत साहू एडवोकेट महेंद्र धाकड़ जमुना राजपूत संतोष सेन, विनोद इरपाचे अनिल पटेल राजेश खटीक जी महेश जैन राजू मेहरा, मोनी नागर पंकज शर्मा उत्तम याढव सहित वरिष्ठजन एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

छात्र परिषद के चुनाव हुए संपन्न

नेता को चुनते समय कौन सी बातों को ध्यान रखे... विद्यार्थियों को समझाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ संतनगर

छात्र परिषद के चुनाव में निर्वाचित छात्र पदाधिकारी।

नवयुवक सभा द्वारा संचालित अनन्दराम टी. शाहानी कन्या उमा विद्यालय एवं सिंधु माध्यमिक विद्यालय में छात्र परिषद के चुनाव संपन्न कराए गए। विद्यालय की प्राचार्या ज्योति चौहान ने लोकतंत्रिक प्रणाली द्वारा किस तरह चुनाव किया जाता है एवं अपने नेता को चुनते समय किस बिंदु को ध्यान रखा जाता है, विद्यार्थियों को अवगत कराया। अनन्दराम टी. शाहानी कन्या उमा विद्यालय के छात्र परिषद का चुनाव प्रक्रिया मे 70% से अधिक प्रतिशत वाले विद्यार्थियों को सर्व सहमति व सिंधु माध्यमिक विद्यालयों का चयन मेरिट सूची के आधार पर किया गय। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष वासदेव वाधवानी विद्यालय चुनाव द्वारा विद्यार्थी चुनाव प्रक्रिया सीखते है जीतने के लिए हिम्मत नहीं हारनी चाहिए कहानी के माध्यम से बताया व चयनित छात्रों को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। संस्कार स्कूल के सचिव बसंत चेलानी ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया में जनता द्वारा जनता के लिए जनता में से चुनाव होता है। धर्मप्रकाश मोटवानी ने चयनित उम्मीदवारों को बधाई देते हुए अपने उद्बोधन में हार और जीत को एक जैसा लेते हुए आगे बढ़ने व स्कूल अनुशासन को बनाये रखने के लिए प्रेरणा दी। इस अवसर पर पुरषोतम टिलवानी, विद्यालय की प्राचार्या सुश्री ज्योति चौहान प्रधानाचार्य प्रिया धर्मदासानी शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित थे।

आईएसबीटी के यार्ड में खड़ी साइकिलें खा रही जंग, फिर सड़कों पर दिखेंगी

स्मार्ट सिटी: पब्लिक बाइक शेयरिंग योजना का रेंट प्लान के 4 रूट तय, 300 रुपए में 12 घंटे के लिए साइकिल किराए पर ले सकेंगे लोग

एमएम सिद्दीकी ▶▶ भोपाल

हरिभूमि खास खबर

भोपाल स्मार्ट सिटी ने लंबे समय से आईएसबीटी यार्ड में जंग खा रही पब्लिक बाइक शेयरिंग (स्मार्ट साइकिल) परियोजना को दोबारा शुरू करने की तैयारी कर ली है। करीब 5.36 करोड़ रुपए की लागत से खरीदी गई 500 से अधिक स्मार्ट साइकिलों और ई-साइकिलों को रिपेयर कर फिर से सड़कों पर उतारा जाएगा।

इसके लिए स्मार्ट सिटी ने नई ऑपरेटर कंपनी के चयन की प्रक्रिया शुरू करते हुए टेंडर जारी कर दिए हैं। नई व्यवस्था के तहत आम लोग 300 रुपए में 12 घंटे के लिए एक स्मार्ट साइकिल किराए पर ले सकेंगे। वहीं किसी रैली, जागरुकता अभियान या समूह आयोजन के लिए कम से कम पांच साइकिलें एक साथ किराए पर लेना जरूरी होगा।

आईएसबीटी के यार्ड में लंबे समय से खड़ी साइकिलें।

ऑपरेटर कंपनी का एग्रीमेंट खत्म होने के बाद से ही साइकिलें सड़कों से हो गईं थीं गायब

स्मार्ट सिटी ने साइकिलों के संचालन के लिए बुलाए टेंडर, जल्द तय होगी ऑपरेटर कंपनी

लोगों को कम लागत में मिलेगा बेहतर पर्यावरण अनुकूल परिवहन का विकल्प

अप्रैल 2018 में पर्यावरण अनुकूल परिवहन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई पब्लिक बाइक शेयरिंग योजना ऑपरेटर कंपनी का अनुबंध समाप्त होने के बाद बंद हो गई थी। तब से सभी साइकिलें आईएसबीटी परिसर में खड़ी-खड़ी धूल और जंग खा रही थीं। अब इन्हें मरम्मत के बाद फिर से उपयोग में लाने की तैयारी की जा रही है। स्मार्ट सिटी अधिकारियों का दावा है कि नई व्यवस्था से योजना दोबारा पटरी पर आएगी और लोगों को कम लागत में पर्यावरण अनुकूल परिवहन का विकल्प मिलेगा।

स्मार्ट सिटी ने यह तय किए हैं चार रूट

- पहला रूट- मैनिट वाया कोलार गेस्ट हाउस, चूना भट्टी, शाहपुरा लेक, 10 नंबर मार्केट बिट्टन मार्केट होते हुए 6 नंबर मार्केट।
- दूसरा रूट- आईएसबीटी वाया ज्योति टॉकीज, डीबी मॉल, रानी कमलापति स्टेशन, एमपी नगर, एम्स, बरकतउल्ला विवि होते हुए सी-21 मॉल।
- तीसरा रूट-वन विहार गेट क्रमांक-2, सैर सपाटा स्क्वायर, भारत माता चौराहा, जवाहर चौक।
- चौथा रूट-मैनिट वाया प्लेटिनम प्लाजा, टीन शेड, रोशनपुरा चौराहा, पॉलिटेक्निक चौराहा, बोट क्लब, वन विहार गेट क्रमांक-1

स्मार्ट सिटी का तर्क

स्मार्ट सिटी पीआरओ नितिन दवे का कहना है कि स्मार्ट साइकिलों के संचालन के लिए टेंडर प्रक्रिया चल रही है। इनके संचालन के लिए रेंट प्लॉन बना लिया गया है। रूट भी तय हो गए हैं। जो साइकिलें खराब हो गई हैं उन्हें सुधरवाया जाएगा।

खबर संक्षेप

धर्म की प्रभावना निर्मल भावनाओं से होती है: आचार्य समय सागर

भोपाल। आचार्य समय सागर महाराज ससंघ का शनिवार को राजधानी भोपाल पहली बार पहुंचे। श्रद्धा और भक्ति के माहौल में जगह-जगह स्वागत हुआ। नागपुर से पद विहार करते हुए आचार्यश्री 20 मुनिराजों के साथ भोपाल की सीमा में प्रवेश कर 11 मील स्थित विद्योदय तीर्थ पहुंचे। यहां उनके सानिध्य में नवीन जिनालय का शिलान्यास एवं आचार्य विद्यासागर वाटिका का लोकार्पण किया गया। अब रविवार को नारायण नगर से विद्योदय तीर्थ तक उनकी भव्य अगवानी शोभायात्रा निकलेगी, जिसमें गुरु-शिष्यों का भावपूर्ण मिलन भी होगा। समारोह के दौरान आचार्य श्री ने श्रद्धालुओं को प्रथम आशीर्वचन देते हुए कहा कि धर्म की प्रभावना निर्मल भावनाओं से होती है। शुद्ध भाव ही जीवन और भवबंधन को समाप्त करने का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

बरकतउल्ला विवि: बीएड फोर्थ सेम परीक्षा तारीख में किया बदलाव

भोपाल। राजधानी स्थित बरकतउल्ला विश्वविद्यालय ने 2 वर्षीय बीएड (आरआईई) चतुर्थ सेमेस्टर प्रश्नपत्रों की तिथियों में बदलाव किया है। बीयू के परीक्षा नियंत्रक द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार दिनांक 23/06/2026 के द्वारा जारी समय सारणी अधिसूचना के अनुक्रम में 2 वर्षीय बी.एड. (आरआईई) चतुर्थ सेमेस्टर के सुबह 11 से 2 बजे के बीच होने वाली क्रिएटिंग एन एन्क्ल्यूसिव स्कूल विषय का पेपर पूर्व निर्धारित 3 जुलाई के स्थान पर अब 22 जुलाई को होगा।

निगम अमले ने हटाए मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के दायरे में आ रहे कब्जे

भोपाल। नगर निगम के अतिक्रमण विरोधी अमले ने शनिवार को मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के दायरे में आ रहे अवैध कब्जे, अतिक्रमण और अस्थाई निर्माण को हटाने की कार्रवाई की। इंद्रपुरी, गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र से लगी दीवार के पास से अस्थाई छप्पर और टपरे हटाए गए।

27 फीट ऊंचे रथ में सवार होकर निकले जगन्नाथ, सुभद्रा और बलराम

रिमझिम बारिश की फुहारों के बीच जय जगन्नाथ के जयकारों की गूंज

हरे कृष्ण के संकीर्तन में झूमे शहरवासी, रूस अमेरिका के श्रद्धालु भी हुए शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी भोपाल में शनिवार शाम रिमझिम बारिश की फुहारों के बीच श्री श्री गौर राधा वल्लभ मंदिर इस्कॉन, पटेल नगर द्वारा भगवान श्रीजगन्नाथ की भव्य रथयात्रा निकली। हमीदिया रोड पर हजारों श्रद्धालुओं की मौजूदगी में भगवान श्रीजगन्नाथ, श्री बलराम और माता सुभद्रा का रथ जैसे ही आगे बढ़ा, पूरा क्षेत्र हरे कृष्ण, हरे कृष्ण के महामंत्र और भक्ति गीतों से गूंज उठा।

बारिश के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा है। रथयात्रा में महिलाएं, पुरुष, युवा और बच्चे पारंपरिक व रंग-बिरंगे परिधानों में शामिल हुए हैं। श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए भगवान के रथ के साथ चल रहे हैं और जगह-जगह नृत्य कर भगवान के दर्शन कर रहे हैं। पूरे मार्ग पर भक्तिमय और आध्यात्मिक माहौल बना हुआ है। इस बार रथयात्रा में देश के साथ-साथ विदेशों से आए श्रद्धालु भी आकर्षण का केंद्र हैं। रूस और अमेरिका सहित कई देशों से पहुंचे कृष्ण भक्त भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा के रंग में रंगे नजर आए। विदेशी श्रद्धालु भी "हरे कृष्ण, हरे राम के संकीर्तन में शामिल होकर भक्तों के साथ नृत्य कर रहे हैं।

भोपाल टाकीज क्षेत्र से निकली भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा में जय जगन्नाथ के उद्घोष पर नृत्य करते श्रद्धालुगण।

भाजपा के वरिष्ठ नेता दवे ने खींचा प्रभु जगन्नाथ का रथ

भोपाल। हर्षवर्धन नगर में इस्कॉन के भक्तों द्वारा भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र एवं माता सुभद्रा की भव्य रथयात्रा श्रद्धा, उत्साह और भक्तिभाव के साथ निकाली गई। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता महेंद्र दवे ने श्रद्धापूर्वक प्रभु श्री जगन्नाथ के रथ की रस्सियां खींचकर रथयात्रा का शुभारंभ किया तथा भक्तों के साथ यात्रा में सहभागी बने। रथयात्रा में वरिष्ठ समाजसेवी शरद माहुरकर ने परंपरा के अनुसार स्वर्णिम झाड़ से मार्ग का प्रतीकात्मक शुद्धिकरण कर प्रभु के प्रति अपनी श्रद्धा अर्पित की। पूरे मार्ग में जय जगन्नाथ के जयघोष गूंजते रहे। बड़ी संख्या में श्रद्धालु भजन-कीर्तन और नृत्य करते हुए रथयात्रा में शामिल हुए। भक्ति और उल्लास से ओतप्रोत इस आयोजन में श्रद्धालुओं ने भगवान श्री जगन्नाथ से सभी के सुख, समृद्धि एवं कल्याण की प्रार्थना की।

27 फीट ऊंचे रथ में हुए सवार जगदीश

भगवान जगन्नाथ संग बहन सुभद्रा और बलराम 27 फीट ऊंचे,13 फीट चौड़ाई व 17.5 फीट लंबे रथ में सवार होकर निकले। यात्रा भोपाल टॉकीज से दोपहर 4 बजे पूजा अर्चना व अभिषेक श्रृंगार के साथ शुरू हुई। रथ सुंदर सुगंधित पुष्प द्वारा सजाया गया था। रास्ते भर लोगों ने जहां आरती उतारी तो वहीं श्रद्धालुओं ने शामिल होकर रस्सी खींचने का सौभाग्य प्राप्त किया। साधु संत और श्रद्धालु भक्तिमय नृत्य करते हुए चल रहे थे। कोई आगे से रथ की डोर खींच रहा था तो कोई पीछे से रथ को धक्का लगा रहा था। यात्रा में रूस और अमेरिका जैसे देशों से भी कई भक्त इस उत्सव में भाग लिए। सुमधुर हरिनाम संकीर्तन की ध्वनि में सभी लोग आनंद विभोर हो उठे। इस पावन अवसर पर करीब 400 किलोग्राम खाजा महाप्रसाद यात्रा मार्ग में श्रद्धालुओं के मध्य वितरित किया गया। तो वहीं 8 से 10 हजार श्रद्धालुओं को शुद्ध देसी घी से निर्मित हलवा महाप्रसाद प्रदान किया गया। रथयात्रा का समापन प्लैटिनम प्लाजा पे संध्या आरती के साथ हुआ।

महापौर को ज्ञापन सौंपते व्यापारी।

व्यापारियों ने जन प्रतिनिधियों को सौंपा

मिक्स लैंड यूज लागू करने की 5 क्षेत्र के व्यापारियों ने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

10 नंबर मार्केट व्यापारी महासंघ के बैनर तले शनिवार को व्यापारियों के प्रतिनिधिमंडल ने सांसद आलोक शर्मा, दक्षिण पश्चिम विधायक भगवान दास सबनानी, भोपाल जिला प्रभारी मंत्री चेतन कश्यप, महापौर मालती राय, निगम कमिश्नर को ज्ञापन सौंपकर 10 नंबर मार्केट एवं अरेरा कॉलोनी मुख्य, 11 नंबर मार्केट, सहयोग विहार, रोहित नगर एवं बावड़या कला मुख्य मार्ग क्षेत्र में मिक्स लैंड यूज लागू करने की मांग की।

प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि वर्ष-2005 के बाद से भोपाल विकास योजना का नया मास्टर प्लान लागू नहीं होने के कारण व्यापारियों को व्यावसायिक भूखंड उपलब्ध नहीं हो सके, जिससे उन्हें वर्षों से आवासीय भवनों में ही व्यापार संचालित करना पड़ रहा है। महासंघ के अध्यक्ष आनंद सोनी ने बताया कि क्षेत्र के व्यापारी नगर निगम को नियमित रूप से कमर्शियल टैक्स, मध्य प्रदेश बिजली वितरण कंपनी को व्यावसायिक दरों पर बिजली शुल्क तथा नगर निगम से प्राप्त कमर्शियल लाइसेंस का शुल्क जमा कर रहे हैं।

राजस्व पर पड़ेगा प्रतिकूल प्रभाव

इसके बावजूद सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में आवासीय भूखंडों पर संचालित व्यावसायिक गतिविधियों को बंद करने के नोटिस जारी किए जा रहे हैं। इससे हजारों व्यापारियों और कर्मचारियों के सामने रोजगार का संकट खड़ा हो सकता है, वहीं शासन के राजस्व पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। ज्ञापन में सांसद आलोक शर्मा से मांग की गई कि 10 नंबर मार्केट एवं अरेरा कॉलोनी के मुख्य मार्ग क्षेत्र में मिक्स लैंड यूज लागू कराने, नए मास्टर प्लान में आवश्यक संशोधन कराने तथा व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए शासन स्तर पर प्रभावी पहल की जाए। सांसद आलोक शर्मा ने व्यापारियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित स्तर पर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

स्मृतियों को चिरस्थाई बनाने का संकल्प

डेमोलाइट साथियों की स्मृति में स्कूल परिसर में पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

एक्स फेलो स्टूडेंट्स सोसायटी ऑफ डिमांस्ट्रेशन स्कूल (डेमोलाइट) ने शनिवार को डिमांस्ट्रेशन स्कूल परिसर में दिवंगत पूर्व विद्यार्थियों की स्मृति में पौधरोपण किया। डिमांस्ट्रेशन स्कूल के पूर्व प्राचार्य एवं मार्गदर्शक स्व. एबी सक्सेना तथा पूर्व विद्यार्थी स्व. रमेश चन्द्र शर्मा गट्टू भैया, स्व. अखिलेश कुमार सिंह सहित वर्ष 1968 बैच से 1984 बैच के दिवंगत पूर्व विद्यार्थियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर उनके नाम से पौधे

रोपकर उनकी स्मृतियों को चिरस्थाई बनाने का संकल्प लिया गया। संस्था के अध्यक्ष संजय कुदेशिया ने बताया कि कार्यक्रम में वर्ष 1968 से 1984 बैच तक के लगभग 200 पूर्व विद्यार्थी एवं उनके परिजन शामिल हुए। सभी ने अपने दिवंगत साथियों एवं परिजनों की स्मृति में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

मप्र कर्मचारी मंच ने उठाया मुद्दा

समयावधि बीतने के बाद भी नहीं भेजी दैवेभो कर्मियों की जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

जनजातीय कार्य विभाग मुख्यालय ने प्रदेश के जिला कार्यालयों को पत्र लिखकर विभाग में कलेक्टर दर पर कार्यरत दैवेभो कर्मचारियों की जानकारी 15 जुलाई तक मंगाई थी लेकिन जिला कार्यालय द्वारा अभी भी पूर्ण रूप से जानकारी जनजातीय कार्य विभाग के मुख्यालय में नहीं भेजी गई है।

जिस कारण दैवेभो के नियमित कारण की कार्यवाही आगे नहीं बढ़ पा रही है। मप्र कर्मचारी मंच के प्रदेशाध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि संगठन ने जनजातीय कार्य विभाग के मंत्री को पत्र लिखकर जनजातीय कार्य विभाग में कार्यरत दैवेभो की वास्तविक जानकारी तत्काल मंगाकर उनके नियमित कारण की कार्यवाही की जाए। पांडे ने बताया कि 10-20 साल दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी के रूप में सेवा करने के बादजूद भी जनजातीय कार्य विभाग में दैनिक वेतन भोगियों को नियमित नहीं किया गया है। स्पष्ट आदेश हैं कि 10 साल की सेवा पूर्ण कर चुके दैवेभो को नियमित किया जाए लेकिन विभाग की नौकरशाही विभाग के दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी को नियमित करने के विषय को संज्ञान में नहीं ले रही है।

सीएमएचओ ने मैदानी कार्यकर्ताओं के कार्यों की सराहना की

परिवार कल्याण में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्यकर्ता हुए सम्मानित, दिए प्रशस्ति-पत्र

उत्कृष्ट कार्य करने वाले हुए सम्मानित।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

विश्व जनसंख्या दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित जागरुकता सप्ताह के समापन अवसर पर परिवार कल्याण में बेहतर कार्य करने पर स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया। सीएमएचओ डॉ मनीष शर्मा के निर्देशन में मैदानी कार्यकर्ताओं को उनकी सराहनीय भूमिका के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। विश्व जनसंख्या स्थिरता दिवस जागरुकता सप्ताह में विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं एवं सामुदायिक स्तर जागरूकता रैलियों, नुक्कड़ नाटकों एवं नवदम्पत्ति परामर्श कार्यक्रमों द्वारा परिवार कल्याण के उपायों की जानकारी दी जा रही है।

परिवार नियोजन के साधनों पर दी जानकारी

नवदंपत्तियों को नई पहल किट प्रदान कर परिवार नियोजन के अस्थाई साधनों की जानकारी दी गई है। कार्यक्रम में परिवार कल्याण कार्यक्रम में पहले और दूसरे बच्चे में अंतर रखने, अंतरा इंजेक्शन के लिए प्रोत्साहित करने एवं अंतरा इंजेक्शन लगवाने, पीपीआईयूसीडी लगवाने वाले कार्यकर्ता सम्मानित हुए। ये कार्यकर्ता हुए सम्मानित हेमलता वर्मा, विमला वर्मा, सोनम खटिक, नशरीन, रजिया बंसकार, अनिल सिंगरौले, एकता पटेल, कोमल सोनी, सोनल धोटे, बबिता शाह, अंजुम खान, और कंचन गीद।

सुरक्षित मातृत्व पर मंथन करने राजधानी में जुटे देशभर के स्त्री रोग विशेषज्ञ

मातृ मृत्यु दर में कमी, प्रसूति एवं स्त्री रोग चिकित्सा की नई तकनीकों पर मंथन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

महिलाओं के सुरक्षित मातृत्व, मातृ मृत्यु दर में कमी और प्रसूति एवं स्त्री रोग चिकित्सा की नई तकनीकों पर मंथन के लिए राजधानी में मध्य प्रदेश ऑब्स्टेट्रिक्स एवं गायनेकोलॉजिकल सोसायटी का दो दिवसीय राज्य स्तरीय सम्मेलन शुनिवार से शुरू हुआ। होटल हयात प्लेस में आयोजित सम्मेलन में प्रदेशभर के विशेषज्ञों, मेडिकल कॉलेजों के चिकित्सकों, निजी प्रैक्टिशनर्स और पीजी छात्रों की भागीदारी के साथ भोपाल की वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. मीनाक्षी पटेल को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

आयोजन समिति की अध्यक्ष डॉ. अंजली कान्हेरे ने बताया कि सम्मेलन में सुरक्षित मातृत्व, मातृ मृत्यु दर में कमी, उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था, स्त्री रोग संबंधी नई तकनीकों और आधुनिक उपचार पद्धतियों पर विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिए जा रहे है। इस राज्य स्तरीय सम्मेलन का उद्देश्य प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञों को नवीनतम चिकित्सा तकनीकों, शोध और उपचार पद्धतियों से अवगत कराना है।

देशभर के विशेषज्ञों के व्याख्यान

आयोजित समिति के मीडिया प्रभारी डॉ आईके चुघ ने बताया कि सम्मेलन में पद्मश्री डॉ. नीरजा भाटला, डॉ. शशि खरे, डॉ. शैलजा सप्रे, डॉ. नलिनी मिश्रा, डॉ. माधुरी चंद्रा, डॉ. उद्धव दास दुधेदिया सहित कई वरिष्ठ विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं। तमिलनाडु से आई डॉ. जयन कानन मातृ मृत्यु दर को कम करने के प्रभावी उपायों पर विशेष व्याख्यान देंगी। प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों के विशेषज्ञों के साथ बड़ी संख्या में निजी चिकित्सक और पोस्ट ग्रेजुएट छात्र भी सम्मेलन में शामिल हो रहे हैं।

आज होंगी कार्यशालाएं

डॉ. अंजली कान्हेरे ने बताया कि सम्मेलन के दूसरे दिन रविवार 19 जुलाई को चिरायु मेडिकल कॉलेज में विभिन्न विषयों पर व्यावहारिक कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा, जिसमें विशेषज्ञ आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण देंगे। इस सम्मेलन से प्रदेश के चिकित्सकों का ज्ञान और कौशल बढ़ेगा, जिसका सीधा लाभ महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के रूप में मिलेगा तथा मातृ मृत्यु दर कम करने के प्रयासों को नई गति मिलेगी।

डॉ. मीनाक्षी पटेल को मिला लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर भोपाल की वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. मीनाक्षी पटेल को चिकित्सा क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड प्रदान किया गया। जयप्रकाश चिकित्सालय भोपाल में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग में बड़ी संख्या में जटिल और सामान्य शल्यक्रियाएं सफलतापूर्वक संपन्न कराई। परिवार कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत एलटीटी ऑपरेशनों में उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें राज्य सरकार द्वारा भी सम्मानित किया जा चुका है।

लेजर एवं एस्थेटिक डमेर्टोलॉजी समिट आज, 200 से अधिक चर्म रोग विशेषज्ञ होंगे शामिल

भोपाल। इंडियन एसोसिएशन ऑफ डमेर्टोलॉजिस्ट्स, वेनेरियोलॉजिस्ट्स एंड लेप्रोलॉजिस्ट्स (आईएडीवीएल) तथा भोपाल डमेर्टोलॉजी सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को लेजर एवं एस्थेटिक डमेर्टोलॉजी समिट का आयोजन किया जाएगा। इस एक दिवसीय वैज्ञानिक सम्मेलन में मध्य प्रदेश सहित मध्य भारत के विभिन्न शहरों से 200 से अधिक चर्म रोग विशेषज्ञ भाग लेंगे। आयोजन समिति के कॉन्फ्रेंस प्रेसिडेंट डॉ. नीरज राय, ऑर्गेनाइजेशन चेयरपर्सन एवं आईएडीवीएल के अध्यक्ष डॉ. नितिन पंड्या तथा ऑर्गेनाइजिंग को-चेयरपर्सन डॉ. अनिमेष सक्सेना ने बताया कि सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य चर्म रोगों के उपचार में अत्याधुनिक लेजर तकनीकों के प्रभावी उपयोग पर विशेषज्ञों के बीच विचार-विमर्श करना तथा युवा त्वचा रोग विशेषज्ञों को आधुनिक लेजर एवं एस्थेटिक प्रक्रियाओं का व्यावहारिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराना है। सम्मेलन में देश के प्रसिद्ध चर्म रोग विशेषज्ञ एवं मास्टर ट्रेनर डॉ. अविटस जॉन विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

एक समय तक रोजमर्रा की आपा-धापी, दुख और तनाव को दूर करने के लिए लाफ्टर क्लब्स को कारगर माना जाता था। लेकिन हाल के वर्षों में दुख-अवसाद से राहत दिलाने में क्रायिंग क्लब को ज्यादा कारगर माना जाने लगा है। इसीलिए विदेशों में ही नहीं अपने देश में भी इसका ट्रेंड बढ़ रहा है। ये क्रायिंग क्लब कैसे दुखों से राहत दिलाते हैं, यहां बता रहे हैं विस्तार से।

क्रायिंग क्लबों का बढ़ता ट्रेंड
मिलकर रोने से-दुःख हो जाए कम

{ कवर स्टोरी / शाहिद ए. चौधरी }

एक दिन सुबह चहलकदमी करने के दौरान मैंने पार्क के एक कोने में कुछ बुजुर्गों को एक सुर में जोर-जोर से हंसते हुए देखा। अपने-अपने दुःखों को दूर करने, डिप्रेशन से बचे रहने और अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का उनका यह तरीका है। बीते कई वर्षों से दुनिया भर में हंसी को सबसे अच्छी दवा मानकर उसे अपनाने का ट्रेंड काफी पॉपुलर हो चुका है। यह देखकर अच्छा लगा। लेकिन संयोग रहा कि जब पार्क से घर लौटा तो दुःखद समाचार मिला कि पड़ोस में रहने वाले एक व्यक्ति की दिल का दौरा पड़ने से डेथ हो गई। मैं शोक व्यक्त करने के लिए उनके घर पहुंचा तो देखा कि गुमसुम बैठी मृतक की पत्नी को अनेक महिलाएं रुलाने का प्रयास कर रही हैं और उनमें से एक को मैंने यह कहते हुए सुना, 'अरे, इन्हें रुला दो, कुछ तो गम गलत होगा, वर्ना सदमे की वजह से डिप्रेशन में चली जाएंगी।' इन दोनों घटनाओं से मैं इस नतीजे पर पहुंचा कि मनुष्य के लिए हंसने और रोने दोनों का बहुत अधिक महत्व है। वैसे भी कुदरत ने ये दोनों गुण इंसानों को ही दिए हैं। चोट लगने पर जानवर चिल्लाते अवश्य हैं, लेकिन इंसानों की तरह रोते नहीं हैं।

रोने के लिए बन रहे क्लब

आमतौर पर रोने को कमजोरी की निशानी मान लिया जाता है। शायद तभी सुदर्शन फाकिर ने अपने एक शेर में कहा है, 'आप कहते थे कि रोने से न बदलेंगे नसीब/उम्र भर आपकी इस बात ने रोने न दिया।' यह कहा भी भले ही जाता हो कि मर्द को दर्द नहीं होता या मर्द रोते नहीं हैं। लेकिन आज दुनिया भर के डॉक्टर्स इस बात को स्वीकार करते हैं कि रोने से मन हल्का होता है और कुछ लोगों के साथ मिलकर रोने से दुःख से राहत महसूस होती है। इसलिए देश के कई शहरों में क्रायिंग क्लब खुल रहे हैं। देश-समाज का यह नवीनतम सामूहिक संस्कार है, जिसमें हंसी की जगह आंसुओं ने ले ली है। इनमें व्यक्ति उस समय तक रो सकता है, जब तक उसके दिल का बोझ हल्का न हो जाए और वह जिंदगी की नई शुरुआत करने के लिए तैयार न हो जाए।

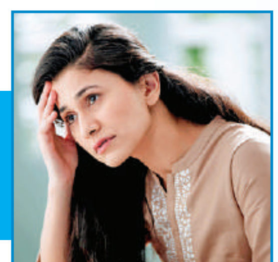

काफी लोग हो रहे शामिल

क्रायिंग क्लब, दशकों पुराने लाफ्टर क्लबों का जवाब-सा प्रतीत हो रहे हैं। मुंबई, दिल्ली, बैंग्लुरु और हैदराबाद में लोग कॉफी शॉप्स, पब्स में आयोजित होने वाले क्रायिंग सेशन में शामिल हो रहे हैं। सूरत में तो 'हेल्दी क्रायिंग क्लब' को चलते हुए अब आठ वर्ष हो गए हैं, जिसके सदस्य हर माह के अंतिम रविवार को एकत्र होते हैं और जी भरकर रोते हैं।

ऐसे हुई क्रायिंग क्लब की शुरुआत

सबसे पहले टोक्यो (जापान) के हिरोकी तेराई ने ग्रुप थेरेपी के तौर पर वर्ष 2013 में रुइ कत्सू (आंसू बहाना) आरंभ किया। पहले तेराई, तलाक समारोह आयोजित करने के लिए विख्यात थे, जिसमें पूर्व जोड़े अपनी शादी की अंगूठी पर हथोड़े मारते थे ताकि अपने अतीत के बोझ से मुक्त हो सकें। तेराई ने बाद में आक्रामकता को खत्म करते हुए इसका एक कोमल रूप विकसित किया, जिसमें हल्की रोशनी में भावनात्मक फिल्में देखी जाती हैं। आपसी सहमति से एक-दूसरे को खाना खिलाते हैं और क्रायिंग सेशन में लोग हिस्सा लेते हैं। अपने देश में 'स्मॉल वर्ल्ड' (डिजिटल से इतर रियल सोशल कनेक्शन को प्रमोट करने वाली संस्था) के संस्थापक सौरव आर्य ने क्रायिंग क्लब लांच किया। इसे शुरू करने के पीछे उनका तर्क यह था कि 'ऑनलाइन दोस्तों से घिरे रहने के बावजूद लोग अकेलापन महसूस कर रहे हैं।' इस क्लब के सत्र प्राइवेट कैफे व पब्स में आयोजित किए जाते हैं, जिनमें दोस्त के लिविंग रूम जैसा एहसास होता है। सेशन में सभी को बोलना जरूरी नहीं होता। बहुत से लोग दूसरों को सिर्फ सुनते हैं। सुनते हुए ही उसके दर्द को सुनकर या अपना दर्द यादकर वे रोने लगते हैं। सत्र में पुरुष और महिलाएं सभी भाग लेते हैं। आमतौर पर इसमें 20-40 वर्ष के लोग आते हैं।

रोने की विभिन्न वजहें

अमेरिका में रहने वाले 45 वर्षीय रमेश, मुंबई लौटे थे। वह ग्रुप एक्टिविटी की तलाश करते हुए एक ऐसी जगह पहुंच गए, जिसकी उन्हें उम्मीद भी न थी। एक क्रायिंग क्लब, जिसका आयोजन मुंबई के एक बार में हो रहा था, जो उन्हें दिलचस्प लगा, विशेषकर इसलिए कि उन्हें भी अपनी कुछ भावनाओं से मुक्ति पानी थी। रमेश को वह जगह नकारात्मक भावना दूर करने से अधिक संपर्क स्थापित करने वाली अधिक लगी, क्योंकि उनकी वहां ऐसे लोगों से बॉन्डिंग बनी, जो अपनी नकारात्मक भावनाओं से जूझ रहे थे। सच यही है कि ऐसे क्लबों में आने वाले लोगों के रोने के विविध कारण हो सकते हैं- ब्रेकअप, जीवन में अनपेक्षित परिवर्तन या नुकसान। अनाम थकान जिसे शब्दों में व्यक्त न किया जा सके। एक लड़की तो रोने के लिए केवल इसलिए क्रायिंग क्लब में पहुंची कि उसने पांच दिन से किसी से बात ही नहीं की थी। उसे अपने गुमनाम होने का एहसास हो रहा था। उसने सत्र में दो नए दोस्त बनाए। सत्र में शामिल होने की एक व्यक्ति ने यह वजह बताई, 'मुझे राहत नहीं चाहिए। मुझे तो बस वह जगह चाहिए, जहां मेरी उदासी को बरकरार रहने का अवसर मिले।'

सच यह है कि अलग-अलग स्थानों और परिवेश के लोग अलग-अलग तरह से रोते हैं। महानगरों में लोग बर्नआउट और अकेलेपन की वजह से रोते हैं। छोटे शहरों में रहने वाले लोग अकसर पारिवारिक या सामाजिक दबाव के कारण रोते हैं। ऐसे क्लबों में एक बार जब रोना बंद हो जाता है, तो आपसी समानुभूति का संपर्क स्थापित होना शुरू हो जाता है। लोग नए संपर्क और मुस्कान लेकर लौटते हैं। *

लाफ्टर मैन से बने क्रायिंग मैन

लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने कमलेश मसाला वाला को 'पहला लाफ्टर टीचर' घोषित किया था। तकरीबन आठ साल पहले उन्होंने तय किया कि लोगों को 25 साल तक बहुत हंसा लिया, अब उन्हें रुलाया जाए और उन्होंने 'हेल्दी क्रायिंग क्लब' की स्थापना सबसे पहले गुजरात के सूरत में की। गौरतलब है कि 2008 में मसाला वाला ने इंटरनेशनल लाफ्टर योग कांफ्रेंस के दौरान अविरल रोने की प्रतियोगिता जीती थी। उन्होंने अपनी दिवंगत माता को याद करके एकदम से रोना शुरू कर दिया था। बाद में उन्हें एहसास हुआ कि भावनात्मक आंसुओं में भी मेडिकल लाभ होते हैं। अब तो कई स्टडीज में सामने आया है कि जब हम दुःख, तनाव या कुंठा की वजह से रोते हैं तो हमारा शरीर कोर्टिसोल स्ट्रेस हॉर्मोन उत्पन्न करता है। हंसने से जो आंसू निकलते हैं, उनमें यह हार्मोन नहीं होता है। यानी सुकून महसूस करने के लिए हंसी के साथ आंसू भी जरूरी हैं।

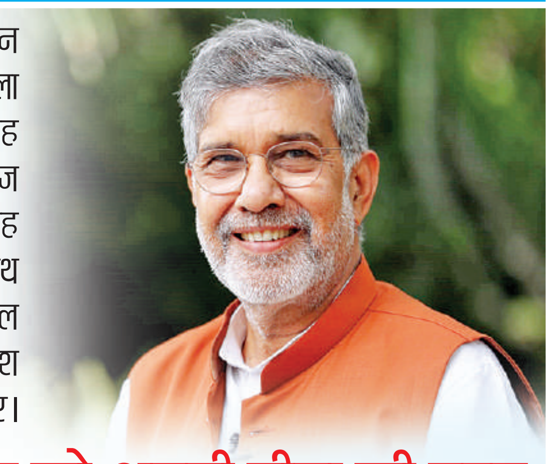

भूटान, ग्लोबल कंपैशन डिक्लेरेशन (जीसीडी) पर हस्ताक्षर करने वाला पहला देश बना है। क्या है यह डिक्लेरेशन और किस तरह समाज की चुनौतियों से निपटने में यह सहायक हो सकता है? इसके साथ ही कुछ ज्वलंत सवालों पर नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी ने साझा किए अपने विचार।

दूसरे की तकलीफ को अपनी पीड़ा की तरह महसूस करने से जन्मती है करुणा की शक्ति

{ विशिष्ट अभिव्यक्ति/ कैलाश सत्यार्थी }

हाल ही में हमारे पड़ोसी देश भूटान ने ग्लोबल कंपैशन डिक्लेरेशन (जीसीडी) पर हस्ताक्षर किया है। ग्लोबल कंपैशन डिक्लेरेशन, एक महत्वपूर्ण, अनूठा दस्तावेज है। पिछले साल सितंबर में संयुक्त राष्ट्र संघ के महाधिवेशन में सत्यार्थी मूवमेंट फॉर ग्लोबल कंपैशन ने मोनाको देश की सहभागिता में एक विशेष बैठक आयोजित किया, जो करुणा के वैश्वीकरण से शासन तंत्र को करुणामय बनाने के विचार से आयोजित किया गया था। उस उच्च स्तरीय बैठक में राष्ट्राध्यक्ष, संयुक्त राष्ट्र संघ के वरिष्ठ अधिकारी, नोबेल पुरस्कार विजेता और मानवाधिकार कार्यकर्ता शामिल हुए थे। इसमें संवाद के बाद जो सहमति बनी, वह एक घोषणापत्र के रूप में सामने आई, जिसमें सबसे बड़ी बात यह थी कि उन्होंने करुणा की हमारी बदली परिभाषा को स्वीकार किया। सामान्य तौर पर करुणा को एक नाजुक भाव मान लिया जाता है। हमारी परिभाषा में करुणा वह शक्ति है, जो दूसरे की तकलीफ को अपनी पीड़ा की तरह महसूस करने से जन्मती है और उसके समाधान की प्रेरणा शक्ति बनती है। इसी के आधार पर समाज के हर क्षेत्र में विवेकपूर्ण समाधान की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए यह घोषणापत्र तैयार हुआ। भूटान पहला देश है, जिसने इसे अनुमोदित किया और वहां के प्रधानमंत्री ने इस पर हस्ताक्षर किया। बाद में एक अन्य छोटे से देश तिमोर लेस्ते ने भी हस्ताक्षर किया।

विकसित करना होगा करुणामय नेतृत्व: आज जब समाधानकर्ताओं और पीड़ितों के बीच खाई चौड़ी होती चली जा रही है, तब यह आवश्यक है कि शासन व्यवस्था, शिक्षा, चिकित्सा, न्याय, मीडिया आदि में करुणामय नेतृत्व विकसित किया जाए। इसका अर्थ यह हुआ कि इन सभी संस्थाओं या क्षेत्रों में लोग दूसरे की समस्याओं को अपना समझकर उसके निपटान के लिए नेतृत्व करें। यह काम लगातार व्यावहारिक प्रशिक्षण संवाद और अनुभवजनित ज्ञान जैसे प्रयोगों से संभव है। ऐसे कुछ वैज्ञानिक शोध हुए हैं, जिनसे साबित हुआ है कि अस्पतालों में चिकित्साकर्मियों के करुणाजनित व्यवहार के परिणामस्वरूप मरीजों का जल्दी और प्रभावशाली उपचार हो सका। इसी तरह कॉरपोरेट जगत में करुणामय नेतृत्व के कारण प्रबंधन में परस्पर विश्वास और सक्रिय भागीदारी, कर्मचारियों में संतोष, उत्साह और कंपनियों में उत्पादन-मुनाफा बढ़ गया।

युद्ध का खामियाजा भुगतते हैं बच्चे: यह पूरी मानवता के लिए बेहद चिंताजनक तथ्य है कि आज दुनिया में लगभग 47 करोड़ बच्चे युद्धग्रस्त क्षेत्रों में रहने को विवश हैं। हम सबको यह समझना जरूरी है कि इतिहास में बच्चे कभी युद्ध का कारण नहीं रहे। न ही कभी वे युद्ध लड़ते हैं। परंतु युद्ध का सबसे ज्यादा खामियाजा उन्हीं को भुगतना पड़ता है। परिवार से बिछड़ना, पढ़ाई छूट जाना, मनोवैज्ञानिक और मानसिक आघात जैसे स्थाई घाव उनके पूरे जीवन को प्रभावित करते हैं। दुर्भाग्य है कि वे हमारी राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय प्राथमिकता नहीं हैं। यदि वैश्विक नेताओं, नेतृत्वकर्ताओं ने अपनी जिम्मेदारी को ठीक से समझा होता तो दुनिया भर में इतने बच्चे असमय मौत के मुंह में न समाते।

आवश्यक है करुणामय शिक्षा प्रणाली: जब तक शिक्षा का उद्देश्य खुद की और देशों की आर्थिक तरक्की मात्र रहेगा, तब तक नागरिक स्वार्थी और आत्मकेंद्रित बनते रहेंगे। इसलिए जरूरी है कि पाठ्यक्रम और शिक्षा नीतियों के माध्यम से बच्चों में एक-दूसरे के प्रति नैतिक जवाबदेही का भाव सिखाया जाए, जिसे हम करुणामय शिक्षा प्रणाली कहते हैं।

तभी होगा वैश्विक चुनौतियों का समाधान: आज दुनिया के सामने मौजूद प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसी तमाम वैश्विक चुनौतियों के लिए कई कारण जिम्मेदार हैं। सबसे बड़ा कारण कथनी और करनी का अंतर है। उपभोक्तावाद, औद्योगीकरण और मुनाफा पर आधारित जीवनशैली, पृथ्वी और पर्यावरण के विनाश का बड़ा कारण है। दूसरा कारण, इस दिशा में राजनैतिक इच्छा शक्ति का अभाव है। तीसरा, पर्यावरण विनाश और संरक्षण एकदेशीय नहीं हो सकता। यह धरती पर रहने वाले सभी लोगों को प्रभावित करता है। कम आबादी वाले अमीर देश, ज्यादा आबादी वाले गरीब देशों से कहीं अधिक कार्बन उत्सर्जन करते हैं। इसलिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जवाबदेही तय होनी चाहिए।

पर्यावरण संरक्षण के लिए मिसाल है भूटान: भूटान ने ऐसे कई प्रयोग किए हैं, जो पर्यावरण, मानवता और संस्कृति की रक्षा के लिए जाने जाते हैं। इसमें ग्रॉस हैप्पीनेस इंडेक्स भी शामिल है। खुशी के इस पैमाने को दूसरे कई देश भी मानते हैं। साथ ही भूटान के संविधान में यह प्रावधान है कि देश का सत्तर प्रतिशत जमीन वन क्षेत्र रहेगा, जिससे जैव विविधता और पर्यावरणीय संतुलन बना रहे। वहां के महाराज, जिग्मे खेसर नामग्येल वांगचुक और राजकुमारी सोनम जी सहित राजपरिवार, देश के मुख्य न्यायाधीश और अनेक राजनेताओं के साथ करुणामय समाज बनाने पर ठोस सहमति बनी, जिसे हम मिलकर लागू करने का समयबद्ध कार्यक्रम बना रहे हैं। *

प्रस्तुति: सरस्वती रमेश

{ लघुकथाएं }

यादों का बैंक

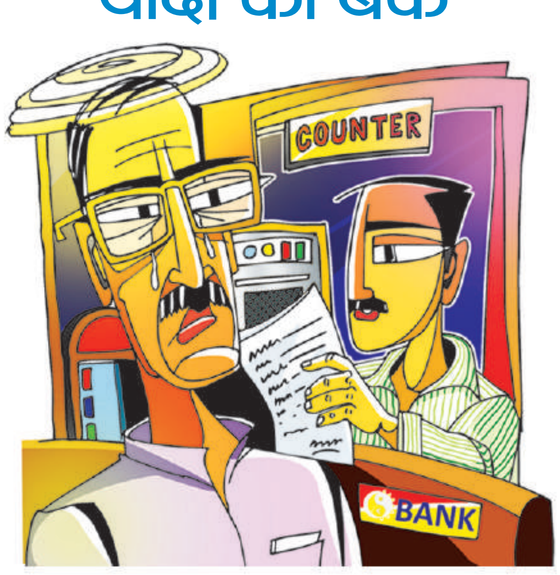

शहर में एक नया बैंक खुला-यादों का बैंक। यहां लोग पैसे नहीं, अपनी यादें जमा करते थे। खुशियों की यादों पर अच्छा ब्याज मिलता था, जबकि दुखद यादें हटाने के लिए लोग फीस देते थे।

एक दिन पचपन वर्षीय अजित वहां पहुंचा। उसने अपनी सबसे प्रिय याद जमा करने का फॉर्म भरा। कर्मचारी ने पूछा, 'कौन-सी याद है?'

अजित मुस्कुराया, 'वह दिन, जब मेरा पांच साल का बेटा पहली बार साइकिल चलाते हुए गिर पड़ा था। रोते-रोते फिर उठा और बोला-पापा, मैं हारूंगा नहीं।'

बैंक कर्मचारी चौंका, 'इतनी प्यारी याद क्यों जमा करना चाहते हैं? इस पर तो आपको अच्छा लाभ मिलेगा।'

अजित ने धीमे स्वर में कहा, 'इसलिए क्योंकि मेरा बेटा अब इस दुनिया में नहीं है। उसकी याद हर दिन मुझे रुलाती है।'

याद बैंक की मशीन ने अजीत की उस स्मृति को उसके मन से निकाल कर जमा कर लिया। अजित हल्का महसूस करने लगा।

कुछ महीने बाद वह फिर बैंक पहुंचा। इस बार उसके चेहरे पर बेचैनी थी, 'मुझे अपनी जमा की हुई याद वापस चाहिए।' उसने बैंक कर्मी से कहा।

'लेकिन क्यों? आपने तो दर्द से छुटकारा पाने के लिए उसे जमा किया था!' अजित की आंखें भर आईं। वह बोला, 'दर्द चला गया, पर उसके साथ मेरा बेटा भी चला गया। अब मैं रोता नहीं, लेकिन मुस्कुरा भी नहीं पाता। समझ में आया कि कुछ दुख बोझ नहीं होते, वे हमारे अपनों के आखिरी निशान होते हैं।'

बैंक कर्मी ने उसकी याद लौटा दी। बैंक से बाहर निकलते समय अजित की आंखों में आंसू थे, पर होंठों पर मुस्कान भी। उसे पहली बार लगा कि हर घाव भर जाना जरूरी नहीं, कुछ घाव ही हमें इंसान बनाए रखते हैं। *

-कृति आरके जैन

श्रम का संगीत

पत्नी खर्राटे ले रही थी। पति की नींद खर्राटे की आवाज से टूट गई थी।

यह पहली ही बार था, जब पति को पत्नी के खर्राटे सुनने का अवसर मिला था। रोज तो पत्नी ही पति के खर्राटे की वजह से नींद टूटने की शिकायत किया करती थी, आज पति को यह मौका मिल गया था!

बस सुबह होने की प्रतीक्षा थी।

पति फिर से सोने की कोशिश करने लगा। आंखें मूंदते ही पत्नी की दिनचर्या उसकी आंखों के आगे आ गई, सुबह-सुबह उठना, बच्चों को तैयार करना, नाश्ता कराना, स्कूल बस तक छोड़ना। आकर पति को जगाना, चाय पिलाना। नाश्ते और लंच की तैयारी में लग जाना। पति के कपड़े निकालकर रखना। उनको नाश्ता कराना। उनका लंच पैक करना। पति के जाने के बाद घर की साफ-सफाई और गंदे कपड़ों को वॉशिंग मशीन में डालना। नहाना-धोना, पूजा-पाठ, नाश्ता करना। बच्चों को स्कूल से लाना। खिलाना-पिलाना, उनको होमवर्क करवाना। शाम में बच्चों को पार्क ले जाना। फिर साग-सब्जी, दूध, फल और जरूरी सामानों की खरीदारी करना। सबके लिए रात का खाना पकाना। पति के आने पर उन्हें चाय-पानी देना। बच्चों को खिलाकर पति के साथ खाने बैठना। थोड़ी देर टीवी पर कोई सीरियल देखना और फिर सो जाना।

'यह खर्राटा तो श्रम का संगीत है!' पता नहीं कहां से पति के मन में यह साहित्यिक भाव आया?

पत्नी के खर्राटे अब उसे संगीतमय लगने लगे। खर्राटों से उसे अब कोई शिकायत नहीं रही। *

- संजीव ठाकुर

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

संवेदना से भरी कहानियां

चार दशक से अधिक समय से कहानी लेखन में सक्रिय वरिष्ठ लेखक गोविंद सेन की चयनित कहानियों का संकलन कुछ समय पूर्व प्रकाशित होकर आया है। इसमें उनकी अठारह कहानियां संकलित हैं।

ये कहानियां जीवन की विडंबनाओं और रिश्तों की पेचीदगियों को उजागर करने के साथ ही हमारी संवेदनाओं को झकझोरती भी हैं। मिसाल के तौर पर 'स्पीड ब्रेकर' कहानी मानवीय मनोवृत्ति को सामने लाती है, जिसमें पढ़े-लिखे व्यक्ति के मन में सहज तौर पर हीनभावना जन्म लेती है, जब उसे अपने से कम शिक्षित व्यक्ति, आर्थिक रूप से अधिक संपन्न दिखता है।

गरीब तबके के लोगों का जीवन, किस तरह छोटी-छोटी चीजों से भी वंचित रहने का दंश सहता रहता है, इसका मार्मिक वर्णन 'गुमशुदा चांद की वापसी' में किया गया है। संग्रह की एक छोटी सी कहानी 'दाढ़ी' में बहुत सरलता से सामाजिक विषमता की दुखती रग पर अंगुली रखी गई है।

संग्रह की लगभग सभी कहानियां पठनीयता से भरपूर हैं। इन कहानियों में न तो किसी वाद का झंडा उठाया गया है, न ही किसी विमर्श को लेकर हाय-तौबा की गई है। जानबूझ कर गढ़े गए शिल्प और भाषायी कलाबाजियों से मुक्त ये कहानियां बहुत सरल और सहज तरीके से हमारे मन के किसी कोने में हमेशा के लिए दर्ज होने में सक्षम हैं। *

किताब: चयनित कहानियां (कहानी-संग्रह), **लेखक:** गोविंद सेन,
मूल्य: 225 रुपए, **प्रकाशक:** न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली

ऐसे की जाती है सर्विस।

पहले दिन कुल 93 खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा

बैडमिंटन टैलेंट सर्च में 75 तो टेनिस में 18 खिलाड़ियों ने दिखाया दम, इनमें 25 बालिकाएं भी रहीं शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र के उभरते बैडमिंटन एवं टेनिस खिलाड़ियों के लिए शुक्रवार का दिन अपनी प्रतिभा साबित करने का महत्वपूर्ण अवसर बन गया। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित 'टैलेंट सर्च 2026-27' के तहत टीटी नगर स्टेडियम में आयोजित बैडमिंटन एवं टेनिस डे-बोर्डिंग चयन ट्रायल्स में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह के साथ अपनी खेल क्षमता का प्रदर्शन किया। बैडमिंटन ट्रायल्स में कुल 75 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिनमें 50 बालक एवं 25 बालिकाएँ शामिल रहीं। वहीं टेनिस चयन ट्रायल्स में 18 खिलाड़ियों ने सहभागिता की, जिनमें 12 बालक एवं 6 बालिकाएँ शामिल थीं। इस प्रकार दोनों खेलों में कुल 93 खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

टैलेंट सर्च में हिस्सा लेते खिलाड़ी।

चयनित खिलाड़ियों को मिलेगा व्यवस्थित प्रशिक्षण

टैलेंट सर्च अभियान के तहत चयनित खिलाड़ियों को विभाग की बैडमिंटन एवं टेनिस डे-बोर्डिंग योजनाओं से जोड़ा जाएगा। यहां उन्हें अनुभवी प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में नियमित प्रशिक्षण, आधुनिक खेल सुविधाएं, वैज्ञानिक फिटनेस कार्यक्रम तथा प्रतियोगी वातावरण उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे वे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धाओं के लिए बेहतर ढंग से तैयार हो सकें।

कोर्ट पर दिखा जुनून, चयनकर्ताओं ने परखे हर पहलू

सुबह से ही टी.टी. नगर स्टेडियम परिसर खिलाड़ियों की ऊर्जा और उत्साह से सराबोर रहा। बैडमिंटन चयन ट्रायल्स के दौरान प्रतिभागियों के फुटवर्क, तकनीक, गति, फिटनेस, खेल समझ एवं मैच परिस्थितियों में प्रदर्शन का विशेषज्ञ चयनकर्ताओं द्वारा बारीकी से मूल्यांकन किया गया। वहीं टेनिस ट्रायल्स में तकनीकी कौशल के साथ-साथ शारीरिक दक्षता का भी आयोजन किया गया।

सीबीएसई वेस्ट ज़ोन बालक तैराकी के लिए गणेश एक बार फिर बने सीबीएसई ऑब्जर्वर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

सागर पब्लिक स्कूल, रोहित नगर के वरिष्ठ तैराकी प्रशिक्षक गणेश कुंटे को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा सीबीएसई खेल सत्र 2026-27 के अंतर्गत आयोजित वेस्ट ज़ोन बालक तैराकी चैंपियनशिप के लिए सीबीएसई ऑब्जर्वर नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति 17 जुलाई को जारी आदेश के अनुसार की गई है। यह प्रतियोगिता 20 से 23 जुलाई तक स्प्रिंग फील्ड वर्ल्ड स्कूल, विदिशा में आयोजित होगी। ऑब्जर्वर के रूप में कुंटे प्रतियोगिता के तकनीकी संचालन, प्रबंधन, निष्पक्ष आयोजन तथा सीबीएसई के दिशा-निर्देशों के प्रभावी अनुपालन की निगरानी करेंगे। गणेश कुंटे की यह उपलब्धि न केवल सागर पब्लिक स्कूल बल्कि भोपाल के समस्त खेल जगत के लिए गर्व का विषय है। उनकी विशेषज्ञता, अनुभव एवं खेलों के प्रति समर्पण को राष्ट्रीय स्तर पर मिली यह जिम्मेदारी उनकी उत्कृष्ट कार्यशैली का प्रमाण है। कुंटे को इस महत्वपूर्ण दायित्व के लिए सागर पब्लिक स्कूल के सदस्यों के अलावा मध्य प्रदेश तैराकी संघ के जय वर्मा, पीयूष शर्मा के साथ दामोदर आर्य, मुमताज खान, विष्णु कांत सहाय आदि ने बधाई दी है।

कपिल भट्ट बॉस्केटबॉल प्रतियोगिता के तकनीकी पर्यवेक्षक नियुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा आयोजित क्लस्टर-12 बालिका बास्केटबॉल प्रतियोगिता 30 जुलाई से 2 अगस्त तक बैरसिया रोड स्थित एल.एन.सी.टी. वर्ल्ड स्कूल में आयोजित की जा रही है। इस प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश राज्य के लगभग 70 से अधिक सीबीएसई विद्यालय भाग ले रहे हैं। उक्त प्रतियोगिता के लिए भोपाल से कपिल भट्ट को सीबीएसई बोर्ड द्वारा तकनीकी पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है। वर्तमान में कपिल पोदार वर्ल्ड स्कूल, भोपाल में खेल अधिकारी के रूप में अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं। भट्ट स्वयं एक राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी रहे हैं तथा एस.जी.एफ.आई. राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच के रूप में भी कार्यरत रहे हैं। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या पूजा शर्मा ने कपिल भट्ट को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार की अनेक सफलताओं हेतु शुभकामनाएँ एवं अपना आशीर्वाद प्रदान किया।

कार्यालय कलेक्टर जिला बैतूल एवं समुचित सरकार मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग
दूरभाष :- 07141-230034 (का.) 07141-231033(नि.) फेक्स: 07141-230219
E-mail: dmbetul@nic.in

क्रमांक-0012/अ-82/2025-26/भू-अर्जन/रिधोरा/ घोषणा बैतूल दिनांक 16/07/2026

चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची (1) में वर्णित भूमि की कालम नंबर 5 में वर्णित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है। इस हेतु अनुसूची-2 में वर्णित प्रभावित कृषकों की भूमि एवं उक्त भूमि पर स्थित परिसंपत्तियां, भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 (क्रमांक 30 सन 2013) की धारा 19 के अंतर्गत यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:-

अनुसूची-2
(प्रभावित धारकों की सूची)

जिला	तहसील	ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
1.	2.	3.	4.	6.
बैतूल (म.प्र.)	मुलताई	रिधोरा	20.467	रिधोरा सिरकुंड स्टोरेज टैंक (सिंचाई परियोजना) हेतु भूमि का अर्जन

अनुसूची-2
(प्रभावित धारकों की सूची)

क्र.	भूमिस्वामी का नाम	ख.नं.	कुल रकबा (हे.मे.)	अर्जित रकबा (हे.में)
1	2	3	4	5
1	मुन्ना पिता लक्ष्मण	57/1	0.550	0.550
		57/3	0.255	0.255
		57/5	0.304	0.080
		53	0.409	0.409
		56/1	0.296	0.296
		8/2	0.390	0.390
2	गणेश व. टेनी, मीरा पिता टेनी, विजय अजय पिता गुलाबराव मैना बेवा गुलाबराव, रमला सारजी पिता घुड़िया, दिलीप धर्मेन्द्र पिता झनकलाल, बातो पिता झनकलाल जाति पवार सा. देह	57/2	0.540	0.540
		12	0.999	0.999
3	कन्हैया पुत्र घुड़िया जाति पवार	57/4	0.301	0.160
		55	0.243	0.243
		54	0.182	0.182
		8/1	0.897	0.260
4	गेंदू पुत्र हिरालाल जाति पवार सा. देह	57/6	0.127	0.127
		57/7	0.090	0.090
		17	0.510	0.510
5	ओझा पुत्र खुश्याली जाति पवार	57/8/2	0.600	0.380
		52	1.096	1.096
		50	0.344	0.344
		47	0.809	0.809
6	गेंन्दू, अमृतलाल पिता हिरालाल रूख्मा बेवा हिरालाल, चम्पा बल्लो पिता हिरालाल, किसनजी शंकर पिता गोंड, गणेश गुलाबराव पिता टेनी, जमना बेवा टेनी जाति पवार सा. देह	56/2	0.180	0.180
		56/3	0.055	0.055
7	चैतराम पुत्र दमड्या रागी पुत्री दमड्या जाति पवार	49/1	0.263	0.263
		51/1	0.225	0.225
8	कैलो, मुन्नी, मीरा, पुत्री धन्या झूवर पुत्री रोन्या गज्जी बेवा छोटे हीरा, दुल्लो, रूख्मणी, रेखा पुत्री छोटे जाति पवार	46/1	0.034	0.034
		46/9	0.066	0.040
9	जगदीश दसरू पुत्र हिराजी	46/3	0.181	0.141
		23/9	0.088	0.055
		23/10	0.065	0.065
		23/1	0.088	0.070
		46/4	0.141	0.101
10	निलेश ललीत पिता गोण्डू	23/8	0.129	0.055
		46/6	0.140	0.090
11	नरेश पिता बंशीलाल जाति पवार	46/5	0.101	0.035
12	प्यारेलाल, नान्हूलाल पुत्र पांडू पांडू पुत्र भोला	2	0.721	0.721
13	साहेबलाल पिता पांडू सा. देह	3	0.214	0.214
14	अम्बू, रामू, मटर, श्यामू मटुरबाई, झुनिया पिता बाबुलाल	4	0.995	0.995
		6	1.464	0.860
		10	0.138	0.138
15	कसिया रखिया मैना नान्ही पुत्री भोला मौजी पुत्र भोला, पुरनी बेवा पांडू, मीरा, साहेबलाल, नान्हू पिता पांडू, छोटी, मीना, रीना, कमलेश पिता प्यारे	5/1	0.219	0.219
		7/1	0.327	0.260
		9/1	0.063	0.063
16	छोटी, मीना, रीना, कल्पना, कमलेश पिता प्यारे	5/2/1	0.110	0.110
		7/2/1	0.164	0.007
		9/2/1	0.031	0.031
17	तुरजी पति प्यारे जाति पवार	5/2/2	0.109	0.109
		7/2/2	0.164	0.008
		9/2/2	0.031	0.031
18	राई, नाई पुत्री दमड्या, रामू श्यामू अम्बू मटर मुटुर झूनिया पिता बाबुलाल सा. रिधोंरा	11	0.874	0.874
19	गेंदू अमृतलाल चम्पा बल्लो पिता हिरालाल ओझाा कला मुन्नी गोंडन पिता खुश्याली मैना बायजा पिता दोलत अजय विजय पिता गुलाबराव मैना पिता गुलाबराव मनेशराव जमना पिता टेनी सा. देह	13	0.198	0.198
20	उजरी सुईला पुत्री बाज्या जाति पवार	14	0.138	0.138
21	गेंदू अमृतलाल पुत्र हीरालाल चम्पा बल्लो पुत्री हीरालाल अजय विजय पिता गुलाबराव मैना बेवा गुलाबराव ओझा गोंडन कला मुन्नी पुत्री खुश्याली मैना बायजा पुत्री दौलत गणेश पुत्र टेनी मीरा पुत्री टेनी धन्नी बेवा टेनी	15	0.138	0.138
22	सुकू पुत्र बाज्या जाति पवार	18/1	0.235	0.235
23	लंकी पत्नी धुन्दू जाति पवार	18/2	0.279	0.279
24	जगन पुत्र बाज्या जाति पवार	18/3	0.235	0.060
25	श्यामू पुत्र बाबू जाति पवार	19	0.454	0.120
26	रतनलाल पुत्र सुखलाल जाति पवार सा. देह	20/2	0.241	0.040
27	कारू नंदलाल पुत्र चैतराम जाति पवार	49/2	0.263	0.263
		51/2	0.225	0.225
28	अमरत पुत्र हिरालाल जाति पवार	16	0.393	0.393
29	कमला बेवा धुन्धू	58/2	0.783	0.040
30	टाटक्या पुत्र टेन्या सा. देह	71	1.287	0.020
31	नान्हू पुत्र पाण्डू	225/1/1	0.218	0.218
32	सकर्‌या पुत्र पाण्डू	225/1/2	0.217	0.217
33	मनीता, सुनील, सुनीता, कमल, रूपेश पिता बाबू, सैजाबाई बेवा बाबू	225/1/3	0.217	0.075
34	अमरलाल पुत्र पाण्डू	225/1/4	0.217	0.065
35	मनोहर पुत्र किसनजी जाति पवार	226/1	0.365	0.220
		228/4	0.440	0.230
36	चम्पा बेवा मारोती, किशोर पुत्र मारोती, कमल शशीकला किरण कंचन पुत्री मारोती जाति पवार	226/2	0.242	0.110
		227/1	0.651	0.225
37	इन्दल पुत्र शंकर जाति पवार	227/3	0.334	0.190
38	विनोदी पिता भीलू जाति पवार	228/2	0.688	0.520
39	नरेश पिता बंशीलाल सुनीता मीरा नान्ही पिता बंशीलाल कौशल बेवा बंशीलाल जाति पवार	228/5	0.797	0.070
40	गणपती पुत्र श्यामराव जाति पवार	229/3	0.360	0.090
41	भिवजी पुत्र रतन सुभाष संतोष ममता पिता रामजी, सरस्वती बेवा रामजी,	239/1	0.061	0.061
42	सुदामा दिलीप पुत्र नत्थू जाति पवार	238/5	0.728	0.030
		239/2	0.202	0.120
43	भिकारी पुत्र गोपाल जाति पवार	287/1	0.700	0.110
44	लल्लू पुत्र गोपाल जाति पवार	287/2	0.180	0.060
45	मुन्ना मारोती लुखी पिता सुकाली	288	0.619	0.155
46	फुन्दाबाई पत्नी हिराजी	23/2	0.254	0.202
		46/2	0.275	0.185
47	दसरू, जगदीश पिता हीराजी	23/3	0.101	0.035
48	गनाजी पिता ओझा	48/1	0.236	0.236
49	मनाजी पिता ओझा	48/2	0.236	0.236
50	विशाल पिता ओझा	48/3	0.236	0.206
51	सकर्या पिता पन्ना	48/4	0.767	0.637
52	सोजर पुत्र रोन्या जाति पवार	46/7	0.091	0.046
	योग	84	30.623	20.467

(2) चूंकि सिधोरा सिरकुंड स्टोरेज टैंक (सिंचाई परियोजना) से प्रभावित होने वाली उपरोक्तानुसार भूमि मय परिसंपत्ति के अर्जन से हितबद्ध व्यक्तियों में से कोई भी व्यक्ति का विस्थापन नहीं होने से धारा 19 की उपधारा (2) के तहत पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन स्कीम का सार प्रकाशित करने की आवश्यकता नहीं है।
(3) प्रश्नगत भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं भू-अर्जन अधिकारी मुलताई के न्यायालय में किया जा सकता है।
(4) समुचित सरकार की वेबसाईट www.betul.nic.in पर भी अपलोड किया गया है।

(सौरभ सं. सोनवणे)
कलेक्टर, बैतूल एवं समुचित सरकार
मध्यप्रदेश शासन (राजस्व विभाग)

जी- 15874/26
स्वच्छता ही सेवा

लाइफ स्टाइल

'द इंडिया स्टोरी' 24 को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

मुंबई। काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े की फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' काफी समय से चर्चा में हैं। पिछले महीने निर्माताओं ने इसका टीजर और पोस्टर जारी किए थे, जिसने रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित करने वाले विषय को जनता के सामने लाने का संकेत दिया था। जी स्टूडियोज और एमआईजी प्रोडक्शन एंड स्टूडियोज द्वारा निर्मित फिल्म का निर्देशन चेट्टन डीके ने किया है। फिल्म में काजल वकील के किरदार में हैं, जबकि श्रेयस एक लाचार पिता के रूप में बेटी के लिए न्याय की लड़ाई लड़ रहा है। फिल्म 24 जुलाई को हिंदी, तेलुगु और तमिल में दुनियाभर के सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

इस फिल्म से कहलाई थी एक्शन की रानी

मुंबई। अभिनेत्री कैटरीना कैफ 16 जुलाई, 2026 को 43 साल की हो गई हैं। फिलहाल वह बीते कुछ साल से सिनेमा से दूर चल रही हैं और अपना पूरा समय पति विक्की कौशल व बेटे विहान कौशल को दे रही हैं, लेकिन फैंस उनकी वापसी की राह तक रहे हैं। इस बीच, हम आपको कैटरीना की उस फिल्म के बारे में बताएंगे जिसने बॉक्स ऑफिस पर तबाही लाकर रख दी। लोगों ने अभिनेत्री को 'एक्शन की रानी' कहना शुरू कर दिया। यहां जिस फिल्म की बात हो रही है, उसका नाम 'टाइगर जिंदा है' (2017) है। यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स के बैनर तले बनी इस फिल्म में सलमान खान मुख्य किरदार में नजर आए थे। यह 'टाइगर' फ्रैंचाइजी की दूसरी कड़ी है, जिसमें कैटरीना ने अपने किरदार 'जोया' (पाकिस्तानी आईएसआई एजेंट) के रूप में दमदार वापसी की थी। फिल्म में उनके खतरनाक स्टंट और एक्शन दृश्यों ने दर्शकों को दांतों तले उंगली दबाने पर मजबूर कर दिया था।

बजट से कई गुना ज्यादा हुई थी कमाई

अली अब्बास जफर द्वारा निर्देशित 'टाइगर जिंदा है' ने दुनियाभर में करीब 569 करोड़ रुपये कमाए थे। इसका बजट 150 करोड़ रुपये था और इसने अपनी कमाई से 276 प्रतिशित से ज्यादा मुनाफा हासिल किया। फिल्म में सलमान और कैटरीना की जोड़ी लोगों को खूब पसंद आई। इसके दमदार एक्शन दृश्यों ने इसे 'फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ एक्शन पुरस्कार' भी दिलवाया था। बता दें, इस फ्रैंचाइजी की पहली कड़ी 'एक था टाइगर' 2012 में आई थी, जबकि 'टाइगर 3' 2023 में आई।

अगस्त 2024 में प्रकृति घर छोड़कर चली गईं, जिसके बाद दोनों ने अपने रिश्ते को सौहार्दपूर्ण तरीके से खत्म किया। काम के मोर्चे पर उन्हें कुछ मुश्किलों का सामना करना पड़ा। मार्च में उनका शो 'शहजादी है तू दिल की' कम टीआरपी के कारण बंद हो गया था।

प्रकृति दो साल में ही टूटा रिश्ता

एजेंसी ▶▶ मुंबई

'सैयाराब' सीरियल से मशहूर हुईं अभिनेत्री प्रकृति नौटियाल अपनी 2 साल पुरानी शादी को खत्म करने जा रही हैं। यह जोड़ा, जिसने 6 महीने के छोटे से रोमांस के बाद साल 2024 के वेलेंटाइन डे पर शादी की थी, अब अलग होने का फैसला कर चुका है। उनके बीच कुछ भी ठीक नहीं चल रहा था। उन्होंने आपसी सहमति से तलाक के लिए अर्जी दाखिल कर दी है और अब उनकी अगली कोर्ट की तारीख नवंबर में तय है।

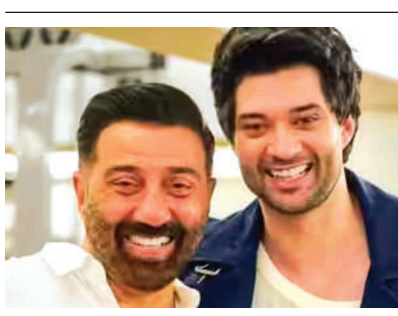

सनी अपने बेटे राजवीर को बनाएंगे एक्शन हीरो

मुंबई। सनी देओल आगामी फिल्म 'बटवारा 1947' को लेकर चर्चा में हैं, जो अगले महीने 28 अगस्त को सिनेमाघरों में आएगी। इसमें उनके बेटे करण देओल भी अहम किरदार में नजर आने वाले हैं। इस बीच, खबर है कि सनी अपने दूसरे बेटे राजवीर देओल को दोबारा सिनेमा की दुनिया में उतारने की तैयारी में हैं। इसके लिए वह 1985 में रिलीज हुई अपनी सुपरहिट फिल्म 'अर्जुन' का सहारा लेंगे, जिसमें राजवीर बतौर हीरो नजर आ सकते हैं। सनी अपनी फिल्म 'अर्जुन' का रीमेक बनाने जा रहे हैं, जिसमें उनके दूसरे बेटे राजवीर मुख्य भूमिका में होंगे। राहुल रवैल द्वारा निर्देशित ये एक सामाजिक-राजनीतिक एक्शन ड्रामा थी। उन्होंने बताया कि फिल्म के अधिकार करीम मोरानी और उनके साथी सुनील (बंटी) सूरमा के पास थे।

गोविंदा की वापसी से पहले ओटीटी पर जरूर देखें उनकी सुपरहिट फिल्में...

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा ने बड़े पर्दे पर वापसी का ऐलान कर अपने प्रशंसकों को खुशखबरी दी है। उन्होंने पुष्टि की है कि वह जल्द ही फिल्म 'रूपा' में नजर आएंगे। उनकी वापसी को लेकर फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह है। ऐसे में नई फिल्म के रिलीज होने से पहले आइए गोविंदा की उन शानदार फिल्मों पर नजर डालते हैं, जिनका आनंद आप विभिन्न ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर ले सकते हैं।

'हीरो नंबर 1' और 'कुली नंबर 1'

साल 1997 में आई डेविड धवन की कॉमेडी फिल्म 'हीरो नंबर 1' में गोविंदा के साथ करिश्मा कपूर, कादर खान और परेश रावल मुख्य भूमिका में थे। इस फिल्म को आप ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं। कॉमेडी फिल्म 'कुली नंबर 1' में गोविंदा के साथ-साथ करिश्मा कपूर, कादर खान, हरीश कुमार और शक्ति कपूर ने काम किया था। इस फिल्म का भी आप प्राइम वीडियो पर लुफ्त उठा सकते हैं।

'राजा बाबू' और 'दूल्हे राजा'

कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'राजा बाबू' में गोविंदा के साथ-साथ करिश्मा कपूर, शक्ति कपूर, कादर खान और अरुणा ईरानी अहम भूमिका में थे। इस फिल्म को लोगों ने खूब पसंद किया था। आप इस फिल्म को भी ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं। हरमेश मल्होत्रा के निर्देशन में बनी कॉमेडी फिल्म 'दूल्हे राजा' में गोविंदा के साथ-साथ रवीना टंडन, कादर खान, जॉनी लीवर और प्रेम चोपड़ा साथ दिखाई दिए थे। इस फिल्म को आप यूट्यूब पर देख सकते हैं।

'पार्टनर'

सन 2000 के दशक की गोविंदा की सबसे बड़ी हिट फिल्म 'पार्टनर' को डेविड धवन ने निर्देशित किया था। इसमें गोविंदा के साथ सलमान खान, कैटरीना कैफ और लारा दत्ता भी नजर आए थे। आप इस फिल्म को प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं।

'जना नायकन' ने मचाया तूफान की इतने करोड़ की बंपर बुकिंग

मुंबई। फिल्म प्रेमियों के लिए एक बड़ी खबर है। तमिलनाडु सरकार ने सुपरस्टार विजय की नई फिल्म 'जना नायकन' के टिकटों का अधिकतम मूल्य 190 रुपये तय कर दिया है। यह फैसला इसलिए लिया गया है ताकि निष्पक्षता बनी रहे और टिकटों की कालाबाजारी या मनमानी कीमत वसूली पर रोक लग सके। निर्देशक एच. विनोथ द्वारा निर्देशित यह फिल्म 23 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। राज्य में इसकी एडवांस बुकिंग 19 जुलाई से शुरू हो जाएगी।

दोपहर 3.30 बजे से आमने-सामने होगी गिल और ब्रुक की टीमें

लॉर्ड्स में महामुकाबला आज, रोहित की लय और गिल की साख दांव पर

एजेंसी ▶▶| लंदन

भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ निर्णायक तीसरे एक दिवसीय क्रिकेट मैच के लिए जब रविवार को लॉर्डस पर उतरेगी तो समूचे क्रिकेट जगत की नजरें 'हिटमैन' रोहित शर्मा पर लगी होंगी।

तमाम अटकलों के बीच बीसीसीआई ने साफ तौर पर कहा है कि यह रोहित के कैरियर का आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं होगा लेकिन पहले दो मैचों में नाकाम रहे भारत के पूर्व कप्तान खुद को साबित जरूर करना चाहेंगे। फ्रंटफुट पर बेहतरीन पूल शॉट खेलने और स्पिनरों को मैदान के चारों ओर खेलने वाले रोहित इस श्रृंखला में उस लय में नहीं दिखे, जिससे इन अटकलों को बल मिला कि 39 वर्ष का यह दिग्गज अगले साल दक्षिण अफ्रीका में होने वाला वनडे विश्व कप नहीं खेल सकेगा।

आर्चर और रोहित होंगे आमने-सामने

'क्रिकेट का घर' कहे जाने वाले लॉर्डस पर बल्लेबाजों की मददगार पिच पर शायद उन्हें लय हासिल करने में मदद मिले। बतौर कप्तान रोहित ने मोर्चे से अगुवाई करते हुए हमेशा पावरप्ले में जोखिमभरे शॉट्स खेले हैं। उनके प्रशंसक रविवार को उसी रोहित को देखना चाहते हैं। पहले दस ओवर में उन्हें जोफ्रा आर्चर की तूफानी गेंदों का सामना करना होगा। कप्तान शुभमन गिल भी बड़ी पारी खेलना चाहेंगे, जो सोफिया गार्डंस पर आसानी से आउट हो गए थे।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), इशान किशन (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बराड़, प्रिंस यादव।

इंग्लैंड : हैरी ब्रूक (कप्तान), बेन डकेट, जोस बटलर (विकेटकीपर), टॉम बैंटन, जो रूट, जैकब बेथेल, विल जैक्स, रेहान अहमद, लियाम डॉसन, जेम्स कोल्स, सैम कुरेन, गस एटकिंसन, जोफ्रा आर्चर, जोस टंग, साकिब महमूद, आदिल राशिद।

कोहली का शानदार फॉर्म बरकरार

दूसरी ओर विराट कोहली का शानदार फॉर्म बरकरार है। वह बृहस्पतिवार को दूसरे शतक की ओर बढ रहे थे लेकिन आर्चर की गेंद पर आउट हो गए, जिसके बाद भारत का मध्यक्रम ढह गया और टीम को पराजय का सामना करना पड़ा। अब भारतीय टीम उससे सबक लेकर उतरेगी। केएल राहुल की जगह उतरे ईशान किशन शॉर्ट गेंद पर विकेट गंवा बैठे। उछलती गेंदों के सामने भारतीय बल्लेबाजों की कमजोरी जाहिर हो गई। श्रेयस अय्यर ने मध्यक्रम में अच्छा खेला और आदिल रशीद के साथ स्पिनरों का बखूबी सामना किया।

कुलदीप यादव को मिल सकता है मौका

गेंदबाजी में कुलदीप यादव को उतारा जा सकता है क्योंकि वॉशिंगटन सुंदर चोटिल हैं। रविंद्र जडेजा की गैर मौजूदगी में अक्षर पटेल ने स्पिन हरफनमौला का काम अच्छे से किया है। भारतीय गेंदबाजों को रूट के बल्ले पर अंकुश लगाना होगा, जो कोहली की तरह रन बनाए जा रहे हैं। रूट के अलावा इंग्लैंड के बाकी बल्लेबाजों ने कुछ खास नहीं किया है।

खिताबी महासंग्राम आज

अर्जेंटीना के सामने स्पेन का स्टील डिफेंस

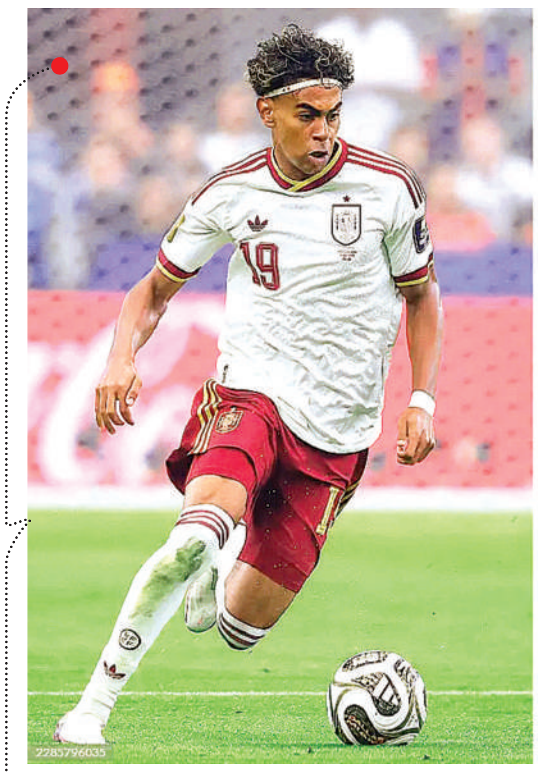

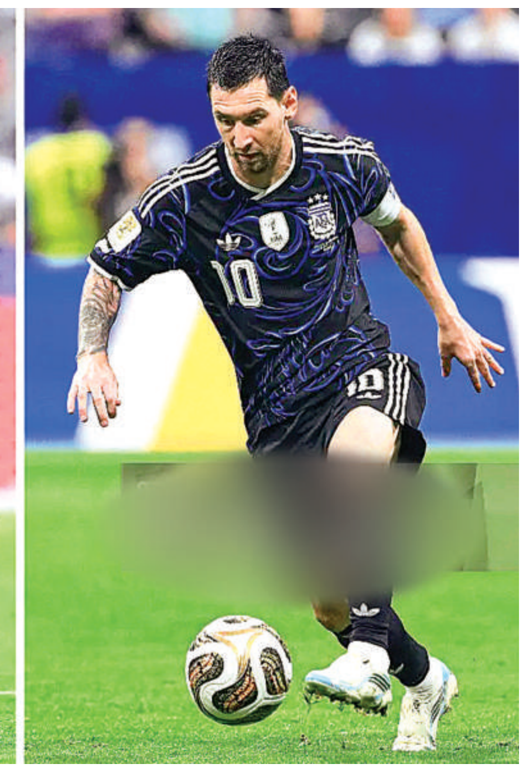

एजेंसी ▶▶| न्यूयॉर्क

एक ओर लियोनेल मेस्सी का करिश्मा है तो दूसरी तरफ टूर्नामेंट में सिर्फ एक गोल गंवाने वाली स्पेन का अभेद डिफेंस। विश्व फुटबॉल की बादशाहत के लिए मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना का सामना रविवार को स्पेन से होगा तो 'आक्रमण और बचाव' की रोचक जंग देखने को मिलेगी। 2010 की चैंपियन स्पेन ने टूर्नामेंट में फाइनल तक के सफर में सिर्फ एक गोल क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम के खिलाफ गंवाया है जबकि अर्जेंटीना ने अब तक इस टूर्नामेंट में सात मैचों में सबसे ज्यादा 19 गोल दागे हैं। यह मुकाबला केवल दो टीमों के बीच नहीं, बल्कि दो अलग-अलग फुटबॉल शैलियों का भी है।

मेस्सी-यमाल में होगी भिड़ंत

खिताबी मुकाबले को बार्सीलोना के पूर्व नंबर 10 मेस्सी और वर्तमान में 10 नंबर जर्सी पहनने वाले स्पेन के लामिन यमाल के बीच मुकाबले के तौर पर भी देखा जा रहा है। फाइनल से पहले मेस्सी और यमाल की वायरल हुई दो दशक पुरानी तस्वीर ने इसे और रोचक मोड़ दे दिया है, जिसमें मेस्सी बाथटब में 'बेबी यमाल' को नहलाते दिख रहे हैं। अब देखना यह है कि अर्जेंटीना 1958 और 1962 में ब्राजील के बाद लगातार दूसरी बार विश्व कप जीतने वाली टीम बनती है या स्पेन एक बार फिर 'जाइंटकिलर' साबित होता है।

यूरोप और दक्षिण अमेरिका में जंग

कागजों पर बराबरी के दिख रहे इस मुकाबले में यदि अर्जेंटीना का अनुभव और मेस्सी का जादू चलता है तो ट्रॉफी दक्षिण अमेरिका जा सकती है, लेकिन यदि स्पेन ने अपनी लय और अनुशासित खेल बरकरार रखा तो यूरोप की नई बादशाहत स्थापित हो सकती है। यही अनिश्चितता इस फाइनल को यादगार बनाने के लिए काफी है।

अर्जेंटीना को झेलनी पड़ी पक्षपात की तोहमतें

छह बार की चैंपियन अर्जेंटीना और मेस्सी को इस सफर में पक्षपात की भी तोहमतें झेलनी पड़ी लेकिन मेस्सी ने अब तक 8 और विश्व कप कैरियर में 21 गोल दागकर आलोचकों का मुंह बंद कर दिया। इस टूर्नामेंट में उनके और एमबाप्पे के आठ गोल हैं लेकिन चार में सहायता करके मेस्सी 'गोल्डन बूट' की दौड़ में फिलहाल आगे हैं। इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में दूसरे गोल में जिस तरह से उन्होंने सूत्रधार की भूमिका निभाई, उससे विरोधी भी दंग रह गए।

खबर संक्षेप

प.बंगाल में विश्व कप की लाइव स्क्रीनिंग

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार फीफा विश्व कप फाइनल की लाइव स्क्रीनिंग यहां नंदन पर विशाल स्क्रीन पर करेगी, जिससे फुटबॉलप्रेमियों को अर्जेंटीना और स्पेन के बीच यह मुकाबला देखने का मौका मिलेगा। अधिकारियों ने बताया कि अन्य जिलों में भी इस तरह विशाल स्क्रीन पर लाइव स्क्रीनिंग के इंतजाम किए जा रहे हैं। युवा सेवा और खेल विभाग दूसरे विभागों से बातचीत करके यह इंतजाम कर रहा है। इसके लिए हर जिला प्रशासन को एक लाख रुपए दिए गए हैं। मुख्य स्थल कोलकाता में नंदन, रबींद्र सदन और अकादमी परिसर होंगे, जहां दर्शकों के लिए स्टेडियम जैसा माहौल बनाया जा रहा है। पूर्व खिलाड़ियों और जानी मानी हस्तियों को भी आमंत्रित किया जा रहा है।

मुंबई सिटी एफसी के कोच बने मार्केज

मुंबई। मुंबई सिटी एफसी ने मनोलो मार्केज को 2026-27 सत्र के लिए एक वर्ष के अनुबंध पर टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया। मनोलो इससे पहले भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम के मुख्य कोच रह चुके हैं। उन्होंने हैदराबाद एफसी के मुख्य कोच के रूप में भी काम किया और क्लब को 2021-22 सत्र में पहली बार इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) कप का खिताब दिलाया। मुंबई सिटी एफसी ने कहा, 'मुंबई सिटी क्लब अपने नए मुख्य कोच के रूप में मनोलो मार्केज का स्वागत करता है। स्पेन के इस कोच ने एक वर्ष के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं और वह आगामी 2026-27 सत्र में मुंबई सिटी की टीम की कमान संभालेंगे।

भारतीय ध्वजवाहक होंगी मीराबाई और लवलीना

ग्लासगो में 23 जुलाई को राष्ट्रमंडल खेलों का उद्घाटन समारोह

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू और लवलीना बोरगोहेन ग्लासगो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के उद्घाटन समारोह में भारत की ध्वज और बैटन वाहक होंगी। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने शनिवार को यह घोषणा की। कम खिलाड़ियों वाले इस बहु-खेल आयोजन का उद्घाटन समारोह 23 जुलाई को आयोजित किया जाएगा।

आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा, 'यह गर्व का विषय है कि मीराबाई और लवलीना 'ओवीओ हाइड्रो' में यह जिम्मेदारी निभाएंगी। मैं दोनों खिलाड़ियों और पूरे भारतीय दल को शुभकामनाएं देती हूं।' उन्होंने कहा, ' भारतीय टीम के उद्घाटन समारोह में दो महिला खिलाड़ियों को यह सम्मान मिलना गर्व की बात है। इससे खेलों के माहौल और दिशा की शुरुआत होगी। दोनों खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई बार भारत का मान बढ़ाया है। वे इस समय ब्रिटेन में खेलों की तैयारी में पूरी मेहनत कर रही हैं।'

चानू एक दशक से प्रमुख भारोत्तोलक

बत्तीस साल की होने जा रहीं मीराबाई चानू पिछले करीब एक दशक से भारत की प्रमुख भारोत्तोलक रही हैं। उन्होंने 2021 तोक्यो ओलंपिक में महिलाओं की 49 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीता था। इसके बाद 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक हासिल किया। पेरिस ओलंपिक (2024) में वह अपने पिछले प्रदर्शन को दोहरा नहीं सकीं, लेकिन ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में वह अब भी भारत के लिए पदक की सबसे बड़ी दावेदारी में शामिल हैं।

प्रमुख पदक दावेदार लवलीना

मुक्केबाज लवलीना ने तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। इसके बाद उन्होंने 2023 विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल किया। उन्होंने 2023 एशियाई खेलों में हांगझोउ में रजत पदक भी जीता था। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में लवलीना को भी भारत की प्रमुख पदक दावेदार खिलाड़ियों में माना जा रहा है।

बांग्लादेश की शानदार वापसी, जिम्बाब्वे को हराया

एजेंसी ▶▶| बुलावायो

बांग्लादेश की टीम इन दिनों जिम्बाब्वे दौरे पर है, जहां पर आठ बैटर्स वाले प्लान से जिम्बाब्वे ने बांग्लादेश को पहले टी20 मैच में आसानी से हराया। लेकिन दूसरे मैच में वह बांग्लादेश के लेग ब्रेक स्पिन गेंदबाज रिशाद हुसैन की फिरकी को नहीं झेल सके। बांग्लादेश की टीम ने पहले खेलते हुए 186 रन का टोटल बनाया।

इसके जवाब में जिम्बाब्वे की टीम 152 रन पर ही ढेर हो गई, तो उसे 34 रन से हार का सामना करना पड़ा। इस तरह तीन मैचों की टी20 सीरीज 1-1 की बराबरी पर आ गई और सीरीज का आखिरी मैच 19 जुलाई, रविवार को खेला जाएगा।

बांग्लादेश ने बनाए 186 रन

बांग्लादेश की टीम बुलावायो के मैदान पर पहले बल्लेबाजी करने उतरी तो उसके दोनों ओपनर्स ने जिम्बाब्वे के गेंदबाजों को धो डाला। सैफ हसन और तंजिद हसन ने मिलकर टीम को 14.4 ओवर में 120 रन की शुरुआत दिलाई। तभी सैफ 45 गेंद में आठ चौके और एक छक्के की मदद से 55 रन बनाकर चलते बने। जबकि तंजिद हसन ने भी 44 गेंद में छह चौके और दो छक्कों की मदद से 58 रन की पारी खेली। इन दोनों के अलावा अंत में सैफुद्दीन ने 10 गेंद में चार छक्के लगाकर 31 रन की नाबाद और तूफानी पारी खेली, तो टीम ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 186 रन का टोटल बनाया।

हुसैन और मेहदी ने मिलकर दिलाई जीत

187 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे के बल्लेबाज अपने ही घरेलू मैदान पर टिक नहीं सके। उनके लिए सबसे अधिक 29 रन सिर्फ रयान बर्ल ही बना सके, तो 28 रन कप्तान सिकंदर रजा ने बनाए। लेकिन ये पारियां जीत के लिए काफी नहीं थीं। बांग्लादेश के रिशाद हुसैन ने अपनी फिरकी से चार विकेट चटकाए, तो अन्य स्पिनर मेहदी हसन ने भी तीन विकेट लेकर जिम्बाब्वे को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। इससे जिम्बाब्वे की टीम 19.4 ओवर में 152 रन पर ही ढेर हो गई और उसे 34 रन से हार का सामना करना पड़ा।

भाकर ने परीक्षा पेपर कथित तौर पर लीक होने के विरोध प्रदर्शन पर चिंता जताई

हर बच्चे को निष्पक्ष अवसर मिलने का अधिकार : मनु

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर ने परीक्षा पेपर कथित तौर पर लीक होने का विरोध प्रदर्शन कर रहे छात्रों की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हर बच्चे को शिक्षा, सुरक्षा और जीवन में निष्पक्ष अवसर मिलने का अधिकार है।

इस स्टार निशानेबाज ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि यह मुद्दा राजनीति से कहीं बड़ा है और छात्रों के भविष्य की

रक्षा के लिए अधिक जवाबदेही की आवश्यकता है। मनु ने लिखा, 'इस समय बात हमारे देश के भविष्य से जुड़ी जिंदगियों की है। बात हम सबकी है।' मनु ने कहा, 'मैं एक छात्रा हूं और एक समय हम सभी छात्र रहे हैं। हर बच्चे को शिक्षा, सुरक्षा और जीवन में निष्पक्ष अवसर मिलना चाहिए। ये कोई विशेषाधिकार नहीं, बल्कि उनके मौलिक अधिकार हैं। ' जिन छात्रों और बच्चों ने अपनी जान गंवाई है, उनकी बात करते हुए उन्होंने कहा, 'वे हमारे देश का भविष्य बनने वाले थे। उनके सपनों, उनकी काबिलियत और उनके भविष्य की रक्षा की जानी चाहिए थी। '

महिला क्रिकेट

शतक बनाने के लिए नहीं बदलूंगी अपने खेलने का अंदाज : यास्तिका

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया का कहना है कि उन्होंने लॉर्ड्स में अपनी ऐतिहासिक शतकीय पारी के दौरान अपने बल्लेबाजी के अंदाज में कभी बदलाव लाने की कोशिश नहीं की। भाटिया ने कहा कि भारत के आक्रामक क्रिकेट ब्रांड पर टिके रहना उनके लिए निजी उपलब्धियों से ज्यादा अहम है।

भाटिया ने कहा, मैंने शतक के बारे में ज्यादा नहीं सोचा था। मेरा मकसद था कि मैं अपने हिसाब से खेलूंगी और आक्रामक क्रिकेट खेलूंगी। बेशक में 80 या 90 रन के आस-पास रहूं, लेकिन गेंद को उसकी मेरिट के हिसाब से खेलूंगी। मैं सिर्फ शतक बनाने के लिए अपने खेलने का अंदाज नहीं बदलूंगी।

यास्तिका ने अपने शतक को व्यक्तिगत से ज्यादा टीम की उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि पिछले तीन सालों से हम सकारात्मक क्रिकेट खेल रहे हैं। उन्होंने कहा, अमोल सर मुझे टी20 के दौरान भी यही बता रहे थे

कि हम सब एक तरह का क्रिकेट खेल रहे हैं, जहां हम आक्रामक रहना चाहते हैं और समय सकारात्मक रहना चाहते हैं।

सभी फॉर्मेट में भारत की बनी पहचान

यास्तिका ने कहा कि उस अप्रोच को अपनाने से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी आसान हो गई और इसने उनकी ऐतिहासिक पारी को पूरा करने के तरीके पर असर डाला। उनके शतक ने न केवल उन्हें लॉर्ड्स ऑनर्स बोर्ड में जगह दिलाई, बल्कि उस निडर अप्रोच को भी दिखाया, जिसने सभी फॉर्मेट में भारत की बल्लेबाजी की पहचान बनाई है।

जापान ओपनः फाइनल में आज सामना जापान की यामागुची से

सिंधु खिताब के करीब, युफेई ने बीच में छोड़ा कोर्ट

एजेंसी ▶▶| टोकियो

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू दो साल से अधिक समय में पहली बार फाइनल में पहुंच गई जब जापान की चेन युफेइ ने जापान ओपन महिला एकल सेमीफाइनल में शनिवार को बीच में ही कोर्ट छोड़ दिया।

सिंधू उस समय 21-19, 15-10 से आगे थी जब चेन को मांसपेशी की चोट के कारण पीछे हटना पड़ा। यह लखनऊ में सैयद मोदी इंटरनेशनल के बाद सिंधू का पहला फाइनल होगा। वह 2024 मलेशिया ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट में भी उपविजेता रही थी। आखिरी बार उन्होंने 2022 में सिंगापुर ओपन सुपर 500 खिताब जीता था।

यामागुची का सिंधू के खिलाफ रिकॉर्ड 14-10 का

फाइनल में रविवार को सिंधू का सामना जापान की अकाने यामागुची से होगा, जिन्होंने इंडोनेशिया की पुत्री कुसुमा वरदानी को दूसरे सेमीफाइनल में हराया। यामागुची का सिंधू के खिलाफ रिकॉर्ड 14-10 का है, जिनमें पिछले छह में से पांच मैच उन्होंने जीते हैं।

मेरे लिए हर मैच पहले मैच की तरह : सिंधू

मैच के बाद सिंधू ने कहा,'मुझे खुशी है कि फाइनल में पहुंच सकी।' उन्होंने कहा,' मेरे लिए हर मैच पहले मैच की तरह है , खासकर आज का मैच। शुरू से ही फोकस बनाए रखना जरूरी था क्योंकि शीर्ष रैंकिंग के खिलाड़ियों के खिलाफ हर अंक मायने रखता है।' सिंधू ने कहा,' मैंने अपना फोकस बनाए रखा था और मेरे कोच भी बार बार यही कह रहे थे। पहले गेम में मैने बढत बना ली थी लेकिन वह काफी करीब आ गई, जिसके बाद फोकस बनाए रखना जरूरी था। कई बार आगे चलने के बाद अंक गंवाने से निराशा आ जाती है। दिमाग में काफी कुछ चल रहा होता है।'

श्रीकृष्ण को निभाना अभिनय नहीं, आत्मा से जुड़ने की साधना है: सौरभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

टेलीविजन पर भगवान श्रीकृष्ण के रूप में करोड़ों दर्शकों के दिलों में विशेष पहचान बनाने वाले अभिनेता सौरभ जैन अपनी टीम के साथ शनिवार को 'मेरे कृष्ण' की नाट्य प्रस्तुति देने भोपाल आए। रविंद्र भवन में मंचित नाटक के दौरान हरिभूमि से बातचीत में कलाकारों ने नाटक से जुड़े अनुभव साझा किए। सौरभ ने कहा कि श्रीकृष्ण को निभाना मेरे लिए अभिनय नहीं, बल्कि आत्मा से जुड़ने की साधना है। भले ही मैंने चंद्रगुप्त मौर्य में क्रूर शासक धनानंद जैसा नकारात्मक किरदार निभाया, वहीं 'संगीत' में डॉक्टर आदित्य की भूमिका भी निभाई। लेकिन दर्शकों का अथाह प्यार मुझे श्री कृष्ण के रूपी में मिला।

हरिभूमि चर्चा

'मेरे कृष्ण' की भव्य रंगमंचीय नाट्य प्रस्तुति के कलाकारों से हरिभूमि की खास बातचीत

लाइव थिएटर में दर्शकों की धड़कन महसूस होती है

टीवी और रंगमंच के अनुभवों की तुलना करते हुए सौरभ कहते हैं कि दोनों माध्यमों की अपनी अलग आत्मा है। टेलीविजन कैमरे का माध्यम है, जहां दर्शक आपको स्क्रीन के जरिए देखते हैं। लेकिन थिएटर में दर्शक आपके सामने बैठा है। उसकी हर मुस्कान, हर आंसू, हर तालियां और हर प्रतिक्रिया उसी पल महसूस होती है। कलाकार और दर्शक के बीच का यही जीवंत संवाद थिएटर को जादुई बना देता है।

मुझे लगता है द्रौपदी के किरदार ने मुझे चुना: पूजा

मैं करीब 10–12 साल से ऐसे ही एक खास किरदार का इंतजार कर रही थी। उस दिन मैं अपने दोस्तों के साथ बैठी थी, तभी अचानक फोन आया और मुझे बताया गया कि मेरा चयन द्रौपदी के लिए हो गया है। वह पल मेरे लिए बेहद भावुक और यादगार रहा। इतने वर्षों तक लगातार काम करने के बाद मुझे यह महसूस हुआ कि हम किसी किरदार को नहीं चुनते, बल्कि कई बार किरदार ही हमें चुन लेते हैं।

काली के किरदार को मिला दर्शकों का गहरा प्यार

एक कलाकार कभी यह सोचकर काम नहीं करता कि उसका परिणाम कितना बड़ा या कैसा होगा। हमारा पूरा ध्यान सिर्फ अपने काम पर होता है। मैं खुद को बहुत ही सौभाग्यशाली मानती हूं कि मेरे निभाए गए किरदारों को दर्शकों ने इतना प्यार दिया खासकर काली के किरदार ने, यह ईश्वर की कृपा है कि मेरी मेहनत को लोगों ने सराहा और उसका सकारात्मक परिणाम आज मुझे मिल रहा है।

आने वाले समय में मैं सकारात्मक भूमिका में दिखूंगा: अर्पित रंका

अब तक मैंने जितने भी खलनायक के किरदार निभाए हैं, दर्शकों ने उन्हें काफी पसंद किया है। लेकिन अब आने वाले समय में मैं एक बेहद दमदार और सकारात्मक भूमिका निभाने जा रहा हूं। मुझे विश्वास है कि यह किरदार दर्शकों को लंबे समय तक याद रहेगा और अपनी जगह बनाएगा।

'कालमुख' मेरे करियर का सबसे बेहतरीन रोल

अर्पित ने कहा कि 'कालमुख' मेरे करियर का सबसे चुनौतीपूर्ण विलेन रहा है। इस प्रोजेक्ट में कई बड़े कलाकार थे, लेकिन कालमुख का किरदार अपनी अलग पहचान रखता है। मैंने इस भूमिका को पूरी मेहनत और ईमानदारी से निभाया है।

'स्वर्णिका' उत्सव में पद्म विभूषण नृत्यांगना सोनल मानसिंह की नृत्य प्रस्तुति

भाव, भक्ति और नृत्य के साथ दिव्यता का अद्भुत संगम बनी 'कथा सियाराम की'

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भारतीय शास्त्रीय नृत्य की अप्रतिम साधिका और पद्म भूषण सम्मानित नृत्यांगना सोनल मानसिंह ने शनिवार की शाम अपनी विलक्षण नृत्याभिव्यक्ति और भावपूर्ण अभिनय से राजधानी के कला प्रेमियों को भक्ति और अध्यात्म के ऐसे संसार में पहुंचा दिया, जहां हर दृश्य में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की दिव्यता साकार होती दिखाई दी। राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के वीथी संकुल में प्रस्तुत उनकी बहुचर्चित नृत्य-नाटिका 'कथा सियाराम की' ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

श्री कामाख्या कलापीठ के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित स्वर्ण जयंती समारोह 'स्वर्णिका' के अंतर्गत, आरकेडीएफ समूह के सहयोग से आयोजित इस विशेष प्रस्तुति में सोनल मानसिंह ने अपनी भाव-भंगिमाओं, मुद्राओं और सशक्त अभिनय के माध्यम से रामकथा के विभिन्न प्रसंगों को जीवंत कर दिया।

संकटमोचन हनुमानाष्टक की भावपूर्ण नृत्य प्रस्तुति

प्रस्तुति की शुरुआत 'राम जन्म बधाई' से हुई। इसके बाद पुष्प वाटिका प्रसंग, सीता स्वयंवर और अंत में गोस्वामी तुलसीदास रचित संकटमोचन हनुमानाष्टक की भावपूर्ण नृत्य प्रस्तुति ने पूरे सभागार को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। हर दृश्य में उनकी अभिव्यक्ति इतनी प्रभावशाली थी कि दर्शक स्वयं को रामायण के घटनाक्रम का साक्षी महसूस करने लगे।

चेहरे के सूक्ष्म भाव, आंखों की भाषा, हस्तमुद्राओं ने मोहा मन

सोनल मानसिंह की प्रस्तुति केवल नृत्य नहीं, बल्कि भारतीय शास्त्रीय परंपरा, आध्यात्मिक चेतना और अभिनय कला का अद्भुत समन्वय थी। उनके चेहरे के सूक्ष्म भाव, आंखों की भाषा, हस्तमुद्राएं, सुर-ताल के साथ सधा हुआ नृत्य और वात्सल्य, करुणा, प्रेम, वीरता, क्रोध तथा विरह जैसे विविध रसों की अभिव्यक्ति ने प्रस्तुति को असाधारण ऊंचाई प्रदान की।

पद्म भूषण सोनल मानसिंह से हरिभूमि की खास मुलाकात

शास्त्रीय नृत्य कलाकार को अब तक भारत रत्न न मिलना दुर्भाग्यपूर्ण

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

प्रख्यात भरतनाट्यम एवं ओडिसी नृत्यांगना, पद्म भूषण सोनल मानसिंह ने कहा कि देश में संगीतकारों और गायकों को भारत रत्न से सम्मानित किया जा चुका है, लेकिन आज तक किसी भी शास्त्रीय नृत्य कलाकार को यह सर्वोच्च नागरिक सम्मान नहीं मिला। उन्होंने कहा कि यह आश्चर्य और चिंता का विषय है कि भारतीय शास्त्रीय नृत्य को अब भी अपेक्षित सम्मान नहीं मिल पाया है।

प्रधानमंत्री को लिखा पत्र, नहीं आया जवाब

उन्होंने बताया कि इस विषय पर मैंने स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर आग्रह किया था कि भारतीय शास्त्रीय नृत्य को अब तक भारत रत्न के योग्य क्यों नहीं माना गया। हालांकि, उस पत्र का अब तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है।

रील्स और व्यूज के बीच खो रही है नई पीढ़ी

सोशल मीडिया पर बढ़ते प्रभाव को लेकर उन्होंने कहा कि तकनीक का उपयोग समय की जरूरत है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि हम अपनी संस्कृति और परंपराओं से दूर हो जाएं। उन्होंने कहा कि आज का युवा न तो योग को जान पा रहा है और न ही प्रकृति से जुड़ पा रहा है। वह अधिकतर समय सोशल मीडिया, रील्स और व्यूज की दुनिया में व्यस्त है।

भारत के वास्तविक सांस्कृतिक स्वरूप को नहीं आने दे रहे बाहर

विद्यालयों में नृत्य को अब भी केवल सह-पाठ्यक्रम (एक्स्ट्रा करिकुलर) गतिविधि मानने के प्रश्न पर सोनल मानसिंह ने कहा कि नई शिक्षा नीति के लागू होने के बाद स्थिति में सकारात्मक बदलाव आया है। एनसीईआरटी भी नृत्य और अन्य भारतीय कलाओं को बढ़ावा देने गंभीर प्रयास कर रहा है। हालांकि इस व्यवस्था में आज भी कुछ ऐसे धुरंधर मौजूद हैं जो भारत के वास्तविक सांस्कृतिक और शास्त्रीय स्वरूप को सामने नहीं आने देना चाहते।

तीन भाषा फार्मूले पर भी उठाए सवाल

मातृभाषा को शिक्षा की मुख्य भाषा बनाए जाने के विषय पर उन्होंने कहा कि देश में लंबे समय से तीन-भाषा फार्मूला लागू है, जिसमें हिंदी, अंग्रेजी और एक विदेशी भाषा जैसे फ्रेंच या जर्मन को महत्व दिया जाता है। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था उन्हें पूरी तरह समझ में नहीं आती। इस संदर्भ में उन्होंने रूस और चीन का उदाहरण देते हुए कहा कि इन देशों ने अपनी मातृभाषा को ही शिक्षा और ज्ञान का प्रमुख माध्यम बनाया है, जिससे उनकी सांस्कृतिक और भाषाई पहचान मजबूत बनी हुई है।

'शोख नजर की बिजलियां' में गूंजेंगे सदाबहार नगमे

भोपाल। सरगम के सुरीले सितारे ग्रुप द्वारा अपनी 5वीं प्रस्तुति के अंतर्गत 'शोख नजर की बिजलियां' ट्रिब्यूट टू ऑल लीजेंड आर्टिस्ट का आयोजन रविवार दोपहर 3 बजे से होटल सिग्नेटिक ब्लू, जोन-2 में जाएगा। कार्यक्रम में महान एवं सदाबहार कलाकारों को संगीतमय श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। इस आयोजन के मुख्य अतिथि के रूप में रागरंग म्युजिकल ग्रुप के संचालक सुमीत शर्मा एवं सोनल सुमीत शर्मा उपस्थित रहेंगे। संचालन प्रसिद्ध एंकर नीलेश खरे एवं नीतिका वर्मा करेंगे। वहीं सुरंगमा सक्सेना, अतुल, हर्षद पाटीदार, डलेश श्रीवास्तव व अन्य प्रतिष्ठित गायक गायिकाएं अपनी प्रस्तुति देंगे। संयोजक धर्मेश खरे ने बताया कि कार्यक्रम में डॉ. रूचि श्रीवास्तव, डॉ. अभय वापट सहित शहर के अनेक प्रतिष्डित कलाकार एवं सहयोगी शामिल होंगे।

महिमा चौधरी को निर्भया की महिलाओं ने हाथों से बना भोपाली बटुआ किया गिफ्ट

भोपाल। राजधानी के निजी होटल में एक कार्यक्रम के दौरान प्रोफेसर कॉलोनी स्थित शक्ति सदन निर्भया महिला आश्रय गृह की महिलाओं ने एक्ट्रेट महिमा चौधरी को आश्रम की महिलाओं ने हाथों से बनाया भोपाली बटुआ भेंट किया, जिसकी महिमा ने तारीफ भी की।

आश्रम गृह की डायरेक्टर समर खान ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान आश्रह गृह की महिलाओं ने महिमा को आश्रम की महिलाओं द्वारा बनाया गया भोपाली बटुआ भेंट किया है। इस दौरान महिला ने मंच से कहा कि आश्रय गृह की महिलाओं का साहस और उनकी कारीगरी का सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने महिलाओं की हौंसला अफजाई करते हुए कहा कि जिंदगी के उतार-चढ़ाव हमें जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

चेतना ऑडिटोरियम में नाटक पोस्टमास्टर का मंचन

'पोस्टमास्टर' ने छुआ दर्शकों का मन, रतन और पोस्टमास्टर के रिश्ते ने किया भावुक

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मानवीय संवेदनाओं, अकेलेपन और बिछड़ने की पीड़ा को बेहद सादगी और गहराई से अभिव्यक्त करने वाली गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की कालजयी रचना 'पोस्टमास्टर' का मंचन किया गया। चेतना रंग समूह द्वारा आयोजित इस प्रस्तुति का निर्देशन कोलकाता के युवा रंगकर्मी सुवोजित बंद्योपाध्याय ने किया। नाटक ने अपनी संवेदनशील प्रस्तुति और सशक्त अभिनय से दर्शकों को अंत तक भावनाओं के प्रवाह में बांधे रखा।

गहरे मानवीय जुड़ाव में बदलता रिश्ता

ग्रामीण बंगाल की पृष्ठभूमि पर आधारित इस नाट्य प्रस्तुति में उलापुर गाँव में नियुक्त एक युवा पोस्टमास्टर और अनाथ बालिका रतन के बीच पनपते आत्मीय रिश्ते को बड़ी मार्मिकता से मंच पर उकेरा गया। गांव के अपरिचित और एकाकी वातावरण में पोस्टमास्टर को रतन में अपनापन दिखाई देता है, जबकि रतन उसके स्नेह में अपने परिवार की कमी पूरी करने लगती है। धीरे-धीरे दोनों के बीच का रिश्ता औपचारिकता की सीमाएं लांघकर गहरे मानवीय जुड़ाव में बदल जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय नेल्सन मंडेला दिवस पर फिल्म इन्विक्टस का प्रदर्शन

एक खेल, जिसने बिखरे राष्ट्र को एक सूत्र में बांध दिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित अंतर्राष्ट्रीय नेल्सन मंडेला दिवस के अवसर पर गांधी भवन के आचार्य विनोबा भावे कक्ष में शनिवार को चर्चित फ़िल्म इन्विक्टस का प्रदर्शन हुआ। गांधी भवन और सिने क्लासिक के द्वारा आयोजित इस विशेष स्क्रीनिंग में बड़ी संख्या में फ़िल्म प्रेमियों, विद्यार्थियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और गांधीवादी चिंतकों ने भाग लिया। क्लिंट ईस्टवुड निर्देशित इन्विक्टस दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद की समाप्ति के बाद की वास्तविक घटनाओं पर आधारित प्रेरक फ़िल्म है। फ़िल्म दर्शाती है कि किस प्रकार राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला ने 1995 के रग्बी विश्व कप को राष्ट्रीय एकता, मेल-मिलाप और सामाजिक समरसता के माध्यम में बदल दिया। खेल, नेतृत्व, क्षमा और मानवीय मूल्यों पर आधारित यह फ़िल्म दर्शकों को गहराई से प्रभावित करने में सफल रही।

गांधी भवन और सिने क्लासिक की नई फ़िल्म श्रृंखला का शुभारंभ

चर्चित फ़िल्म इन्विक्टस का एक दृश्य।

फ़िल्म देखते लोग।

मानवीय पक्षों पर हुआ गंभीर विचार-विमर्श

प्रदर्शन के बाद गांधी भवन में आयोजित चर्चा में फ़िल्म के सामाजिक, राजनीतिक और मानवीय पक्षों पर गंभीर विचार-विमर्श हुआ। प्रतिभागियों ने मंडेला के नेतृत्व, संवाद की शक्ति, क्षमा की भावना और विभाजित समाज को जोड़ने की उनकी अद्भुत क्षमता पर अपने विचार साझा किए।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक अचिंत महेश्वरी द्वारा प्लॉट नं.160 न्यू एच-सेक्टर इंडस्ट्रियल एस्टेट, गोविंदपुरा, भोपाल (म.प्र.) 462023 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्पलैक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। स्थानीय संपादकः प्रमोद भारद्वाज। RNI No. MPHIN/2014/55906, फोन 0755-4049930